MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 28 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-58

आपकी होली

केजरी, सिसोदिया समेत 23 बाइज़्ज़त बरी

नयी दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ-साथ अन्य 21 आरोपियों को बरी करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच कराने का आदेश दिया। राउज एवेन्यू अदालत के विशेष न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह ने इस मामले में जिन सभी 23 आरोपियों को बरी किया है, उनमें तेलंगाना से पूर्व सांसद के. कविता, विजय नायर, समीर महेंद्रू शामिल हैं। यह मामला 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा था। इस नीति को तत्कालीन केजरीवाल सरकार ने अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया था। फैसला आने के बाद सीबीआई ने कहा कि उसकी जांच के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को अदालत ने या तो नजरअंदाज किया या पर्याप्त महत्व नहीं दिया। एजेंसी ने कहा है कि वह इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेगी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष सीबीआई प्रथम दृष्टया मामला साबित नहीं कर सका है। अदालत ने कहा कि सीबीआई का आरोप पत्र बहुत विस्तृत था,

▶10पर

शराब घोटाले में सत्य की जीत हुई : कविता

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने शुक्रवार को दोहराया कि उनके खिलाफ दर्ज शराब मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित था और विपक्ष के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति का हिस्सा था। मीडिया से बात करते हुए कविता ने कहा कि उन्होंने बार-बार यह रुख अपनाया है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है।

कविता ने स्पष्ट शब्दों में कहा, मैंने सौ बार कहा है कि हमारा इस मामले से कोई सरोकार नहीं है। यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित मामला है। राजनीतिक प्रतिशोध के तहत विपक्षी दलों पर यह केस थोपा गया है। उन्होंने न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अदालतों ने व्यवस्था में उनके विश्वास को बनाए रखा है।

न्यायालय के रुख पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, आज न्यायपालिका ने झूठ के इस पूरे जाल को काट दिया है। मैं उन सभी की बहुत आभारी हूँ जो उस कठिन परिस्थिति में मेरे साथ खड़े रहे। अंततः सत्य की जीत हुई है। सच को कुछ समय के लिए छिपाया तो जा सकता है, लेकिन उसे कभी हराया नहीं जा सकता।

▶10पर

मी-टिकट ऐप से जुड़ा आरटीसी, घर बैठे पास

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू द्वारा नागरिक सेवाओं के पूर्ण डिजिटलीकरण के निरंतर प्रयासों के चलते तेलंगाना शुक्रवार को सरकारी मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से बस पास जारी करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। यह उपलब्धि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएस आरटीसी) को मी-सेवा संचालित मी-टिकट प्लेटफॉर्म के साथ एकीकृत करने के बाद हासिल हुई है।

इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत के बाद से अब तक दो लाख से अधिक डाउनलोड और 2.9 करोड़ मूल्य के लेनदेन दर्ज किए जा चुके हैं, जो इसकी बढ़ती सार्वजनिक लोकप्रियता को दर्शाता है।

मी-सेवा ई-गवर्नेंस ढांचे के तहत मी-टिकट एक प्रमुख डिजिटल टिकटिंग पहल है। इसके माध्यम से यात्री बिना किसी भौतिक डिपो या काउंटर पर जाए, पूरी तरह से ऐप के जरिए सिटी बस पास और इंटर-सिटी टिकटों के लिए आवेदन, भुगतान और प्राप्ति कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि टीजीआरटीसी द्वारा निर्धारित किराए या पास शुल्क के अतिरिक्त कोई भी बुकिंग शुल्क नहीं लिया जा रहा है।

एक 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, पहले मुझे हर महीने पास रिन्यू कराने के लिए डिपो में घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था, लेकिन अब मैं क्लास के बीच में ही मात्र दो मिनट में यह काम कर लेता हूँ।

क्यूआर कोड से फर्जीवाड़े पर लगाम

सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक डिजिटल पास में एक डायनामिक क्यूआर कोड होता है जो हर उपयोग पर रिफ्रेश होता है। इसमें लाइव वैलिडिटी इंडिकेटर और स्क्रीनशॉट-ब्लॉकिंग जैसे फीचर्स दिए गए हैं, ताकि पास की नकल या छेड़छाड़ न की जा सके। बस कंडक्टर मौके पर ही इन पासों को सत्यापित कर सकते हैं, जिससे मैन्युअल जांच की जरूरत खत्म हो गई है और समय की बचत हो रही है।

इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण के आयुक्त टी. रवि किरण ने कहा,यह पारदर्शिता और पहुंच की सुगमता के साथ एक निर्बाध, नागरिक-केंद्रित गतिशीलता प्रणाली बनाने के बारे में है।

पांच श्रेणियों में उपलब्ध सेवा

छात्रों को जल्द मिलेगी राहत

वर्तमान में पांच श्रेणियों में पास उपलब्ध कराए जा रहे हैं: ऑर्डिनरी, मेट्रो डीलक्स, मेट्रो एक्सप्रेस, ग्रीन मेट्रो लग्जरी और पुष्पक एसी।

अधिकारियों के अनुसार, छात्रों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायती पास अगले चरण में जोड़े जाएंगे।

यह विकास डिजिटल गवर्नेंस में तेलंगाना की अग्रणी स्थिति को और मजबूत करता है। मंत्री श्रीधर बाबू के यूनिफाइड सिटीजन-फर्स्ट सेवा वितरण के दृष्टिकोण ने सार्वजनिक परिवहन को अब बेहद आसान और आधुनिक बना दिया है।

चिलकुर बालाजी मंदिर के पूर्व मुख्य अर्चक सौंदरराजन का निधन

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रसिद्ध चिलकुर बालाजी मंदिर के पूर्व मुख्य अर्चक सौंदरराजन (90) का शुक्रवार को चिलकुर स्थित उनके निवास पर निधन हो गया। उनके परिवार के अनुसार, वे पिछले काफी समय से लंबी बीमारी से जूझ रहे थे। उनके पुत्र और मंदिर के वर्तमान मुख्य अर्चक, रंगराजन ने बताया कि सौंदरराजन पिछले कुछ वर्षों से उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे। उन्होंने दशकों तक अनुशासन और भक्ति के साथ इस प्रसिद्ध मंदिर का प्रबंधन किया और अपने आध्यात्मिक नेतृत्व के लिए उन्हें व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता था। अपनी पुरोहिती भूमिका के अलावा, सौंदरराजन शैक्षणिक क्षेत्र में भी एक जाना-माना नाम थे। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और रजिस्ट्रार के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जताया गहरा शोक

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सौंदरराजन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सौंदरराजन ने आध्यात्मिक चेतना फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और चिलकुर स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को विशेष पहचान दिलाने में उनका बड़ा योगदान रहा।

▶10पर

सीमांचल भी केंद्र शासित प्रदेश?

शाह के बिहार दौरे के बाद बढ़ी सियासी सरगर्मियां

पूर्णिया, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तीन दिवसीय सीमांचल दौरे ने बिहार की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। सीमावर्ती जिलों में हुई हाईलेवल बैठकों को लेकर सियासी गलियारों में कयासों का दौर तेज है। खासकर नेपाल और बंगाल सीमा से सटे इलाकों में सुरक्षा, घुसपैठ और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर चर्चाएं फिर से केंद्र में आ गई हैं। दौरे के दौरान गृह मंत्री ने पूर्णिया, अररिया और किशनगंज में प्रशासनिक अधिकारियों, अर्धसैनिक बलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ लंबी समीक्षा बैठकें कीं।

सीमाई इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने पर विशेष चर्चा होने की बात सामने आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस दौरे को केवल नियमित समीक्षा बैठक के रूप में नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसके दूरगामी राजनीतिक और प्रशासनिक संकेत भी निकाले जा रहे हैं।

सीमांचल को लेकर सबसे अधिक चर्चा इस बात की है कि क्या केंद्र सरकार इस क्षेत्र को यूनियन टेरिटरी (केंद्र शासित प्रदेश) बनाने पर विचार कर रही है। सीमावर्ती जिलोंकिशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहारको मिलाकर एक अलग प्रशासनिक इकाई बनाए जाने की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। कुछ राजनीतिक हलकों में यह भी कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती उत्तरी जिलों के हिस्सों को भी इसमें शामिल करने पर विचार हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में केंद्र या राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।सत्ताधारी दल के नेताओं का तर्क है कि नेपाल और बांग्लादेश सीमा से सटे इन क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से विशेष प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। उनका कहना है कि यदि केंद्र का सीधा नियंत्रण होगा तो सीमा प्रबंधन, घुसपैठ पर रोक और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सकेगी।

वहीं विपक्षी दल इस मुद्दे को राजनीतिक नजरिये से देख रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने इसे भाजपा का राजनीतिक एजेंडा बताया है। राजद नेताओं का कहना है कि मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण बदलने के उद्देश्य से इस तरह की चर्चाओं को हवा दी जा रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उनका तर्क है कि यदि यूनियन टेरिटरी का गठन होता है तो इससे प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में कानून-व्यवस्था मजबूत होगी।

सीमांचल क्षेत्र लंबे समय से घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार आपराधिक गतिविधियों को लेकर संवेदनशील माना जाता रहा है। ऐसे में गृह मंत्री का लगातार सीमावर्ती जिलों का दौरा और सुरक्षा एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठकें कई संकेत दे रही हैं। फिलहाल, यूनियन टेरिटरी को लेकर चल रही अटकलों ने बिहार की राजनीति में नया मुद्दा खड़ा कर दिया है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 23^0
न्यूनतम : 21^0

2 साल में तैयार होंगे 7 फ्लाईओवर

केबीआर पार्क के चारों ओर बनेगा सिग्नल-फ्री कॉरिडोर

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के प्रमुख क्षेत्रों में यातायात को सुगम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, शहर के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर ने शुक्रवार को घोषणा की कि अगले दो वर्षों में केबीआर पार्क के चारों ओर सात फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य शहर के व्यस्ततम हिस्सों में से एक को पूरी तरह से सिग्नल-फ्री बनाना है।

यह निर्माण कार्य हाईसिटी प्रोजेक्ट के तहत जीएचएमसी, राज्य सरकार और पुलिस विभाग के समन्वय से चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। अधिकारियों का लक्ष्य है कि निर्माण के दौरान जनता को कम से कम असुविधा हो। इस महत्वाकांक्षी योजना के पूरा होने के बाद, हैदराबाद के मध्य, पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी काफी तेज और निर्बाध हो जाएगी।

▶10पर

केपीएचबी की ज़मीन आसमान पर

2.65 लाख रुपये प्रतिवर्ग गज़ ने फिर रचा इतिहास

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में कूकटपल्ली हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में आयोजित हाउसिंग बोर्ड नीलामी ने एक बार फिर रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस नीलामी में वर्ग गज जमीन की कीमत 2.65 लाख रुपये तक पहुंच जाना रियल एस्टेट क्षेत्र में सनसनी मचा गया है। भारी संख्या में बोलीदारों के भाग लेने से प्लॉट और फ्लैटों की कीमतें अप्रत्याशित स्तर तक पहुंच गईं। इस नीलामी के माध्यम से हाउसिंग बोर्ड को कुल 24.26 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई है। यह शहर में रियल एस्टेट बाजार की भारी मांग को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

केपीएचबी कॉलोनी में आयोजित इस नीलामी में ओपन प्लॉटों के लिए भारी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। न्यूनतम अपसेट कीमत वर्ग गज 1.30 लाख रुपये निर्धारित की गई थी, लेकिन बोलीदारों के बीच तीव्र प्रतिस्पर्धा के चलते वर्ग गज की कीमत 2.65 लाख रुपये तक पहुंच गई। अधिकारियों ने इसे उस क्षेत्र में अब तक दर्ज की गई सर्वाधिक कीमत बताया है। रियल एस्टेट क्षेत्र में केपीएचबी कॉलोनी का महत्व, विकसित बुनियादी सुविधाएं, मेट्रो और सड़क सुविधाएं इन कीमतों में वृद्धि के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

इस नीलामी में कुल 40 बोलीदारों ने भाग लिया। हर प्लॉट और फ्लैट के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा हुई। विशेष रूप से फेज-1 और फेज-2 में धमरिड्डी कॉलोनी स्थित 4 ओपन प्लॉटों के लिए भारी मांग रही। प्लॉटों की संख्या सीमित होने के कारण बोलीदार उच्च कीमतों पर खरीदने के लिए आगे आए। यह उस क्षेत्र में निवेश के प्रति आकर्षण को दर्शाता है।

फ्लैट 1.10 करोड़ रुपये में बिका

फेज-15 में संपूर्णम अपार्टमेंट में स्थित 8 फ्लैटों को भी इस नीलामी में बेचा गया। 1400 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाला फ्लैट अधिकतम 1.10 करोड़ रुपये में बिका। इन फ्लैटों के लिए अपसेट कीमत 90 लाख रुपये निर्धारित की गई थी,

▶10पर

बाबा वेंगा की बड़ी भविष्यवाणी, एलियंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

वाशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

आजकल इंटरनेट और खबरों में एलियंस और यूएफओ के बारे में जबरदस्त चर्चा होती रहती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में परग्रही जीवन को लेकर कुछ चौंकाने वाले संकेत दिए हैं, जिसने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया है। इन राजनीतिक खुलासों के तुरंत बाद, 20वीं सदी की मशहूर बुल्गारियाई दृष्टिहीन भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की 2026 की फर्स्ट कान्टैक्ट थ्यौरी सोशल मीडिया पर फिर से वायरल हो गई है। लोगों का मानना है कि शायद 2026 ही वह साल है, जब इंसान और एलियंस का सीधे आमना-सामना होगा।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों पर यकीन करने वालों का दावा है कि साल 2026 में एलियंस धरती पर छिप कर नहीं, बल्कि खुल कर सामने आएंगे। एक मशहूर थ्यौरी के अनुसार, इस साल नवंबर के महीने में एक एलियन स्पेसक्राफ्ट (अंतरिक्ष यान) सीधे पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर इंसानों से संपर्क करेगा। हालांकि बाबा वेंगा ने यह किसी डायरी में लिखकर नहीं छोड़ा था, लेकिन उनके अनुयाइयों के बीच यह बात दशकों से चलती आ रही है। आज के हालात और अमेरिकी सरकार के कदम देखकर लोग इस भविष्यवाणी को सच मान रहे हैं।

यह मामला उस वक्त और ज्यादा गंभीर हो गया जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इंटरव्यू में माना कि एलियंस वास्तव में मौजूद हो सकते हैं। इस बयान पर ट्रंप ने ओबामा की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने गोपनीय जानकारी लीक की है। विवाद बढ़ने के बाद, ट्रंप ने अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) को यूएपी और अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग आब्जेक्ट्स से जुड़े सभी खुफिया दस्तावेज सार्वजनिक करने का सीधा निर्देश दे दिया। ख़बरों के मुताबिक, ट्रंप जल्द ही इस पूरे विषय पर एक बड़ी प्रेसवार्ता को भी संबोधित करने वाले हैं।

यह रहस्य एक ताजा वैज्ञानिक रिपोर्ट से और भी डरावना हो गया है। ध्यान रहे कि जुलाई 2025 में अंतरिक्ष में एक रहस्यमयी आब्जेक्ट खोजा गया था।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप का आदेश.....अवैध प्रवासियों को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा

वाशिंगटन। अमेरिका में फिर अवैध प्रवासन और सड़क सुरक्षा का मुद्दा गर्मा गया है। अमेरिकी डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में डेलिला ला पारित करने की अपील की है। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य राज्यों द्वारा अवैध प्रवासियों को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाना है।राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, इस विधेयक का नाम डेलिला कोलमैन के सम्मान में रखा गया है, जो पहली कक्षा की छात्रा है और एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई थी। यह दुर्घटना एक सेमी-ट्रक से हुई, जिसे कथित रूप से एक अवैध प्रवासी चला रहा था और उसके पास वैध कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस मौजूद था। ट्रंप ने कहा कि कई अवैध प्रवासी इंग्लिश नहीं जानते और सड़क संकेतों को पढ़ने में सक्षम नहीं होते। उनके अनुसार, यह स्थिति सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि डेलिला ला पारित कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी राज्य अवैध प्रवासियों को कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस जारी न कर सके। व्हाइट हाउस की ओर से बताया गया कि इस दुर्घटना में डेलिला को गंभीर सर पर चोट (ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी) और सेरेब्रल पाल्सी हो गई है। डाक्टरों के मुताबिक, उन्हें जीवनभर विशेष देखभाल और चिकित्सा सहायता की आवश्यकता रहेगी। इस हादसे के लिए जिम्मेदार चालक प्रताप सिंह बताया जा रहा है, जो भारत से आया एक अवैध प्रवासी है।

वैज्ञानिकों ने बनाई पानी आधारित बैटरी, पर्यावरण के लिए है वरदान

बीजिंग। चीन के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी बैटरी विकसित की है जो पूरी तरह से पानी पर आधारित है। इसे पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों के सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस बैटरी में इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रोलाइट इतना सुरक्षित है कि उसकी तुलना टोफू बनाने में इस्तेमाल होने वाले नमकीन घोल से की जा सकती है। इस पानी आधारित बैटरी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे फेंकने पर यह पर्यावरण को प्रदूषित नहीं करती, जबकि पारंपरिक बैटरियां खतरनाक कचरा मानी जाती हैं और उनका निस्तारण विशेष प्रक्रियाओं से करना पड़ता है। इसके अलावा, चूंकि इस बैटरी में ज्वलनशील पदार्थ नहीं हैं, इसलिए इसमें आग लगने का खतरा भी लगभग न के बराबर है। यही कारण है कि भविष्य में यह तकनीक इलेक्ट्रिक वाहनों और बड़े पावर ग्रिड स्टोरेज सिस्टम के लिए बेहद सुरक्षित विकल्प बन सकती है। 18 फरवरी को जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित इस शोध में हांगकांग सिटी यूनिवर्सिटी और यानान यूनिवर्सिटी सहित कई अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि उनकी विकसित की गई बैटरी 1,20,000 से अधिक चार्ज-डिस्चार्ज चक्र पूरे करने के बाद भी लगभग समान प्रदर्शन देती है। पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों में जहां ज्वलनशील तरल पदार्थ का उपयोग होता है, वहीं आग लगने की घटनाओं से बचने के लिए इस नई बैटरी को खास तौर पर अधिक सुरक्षित बनाया गया है।

किम जोंग उन की साउथ कोरिया को परमाणु धमकी, कहा सुरक्षा को खतरा होने पर दक्षिण कोरिया को पूरी तरह कर देंगे नष्ट

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दावा किया है कि अगर उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु हथियारों से लैस उनका देश दक्षिण कोरिया को पूरी तरह नष्ट कर सकता है। सरकारी मीडिया के अनुसार, उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया एजेंससी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक के समापन के दौरान उन्होंने अगले पांच सालों के लिए अपने नीतिगत लक्ष्यों की रूपरेखा पेश करते हुए वाशिंगटन से बातचीत के लिए अपने रास्ते खुले रखे। हाल के वर्षों में किम ने सियोल के प्रति अपनी बयानबाजी को और तीखा कर दिया है और उसके साथ कूटनीति के प्रति अपनी अस्वीकृति पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सैन्य संघर्ष की आशंका नहीं है। बल्कि इसका उद्देश्य एक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाना है जिसके तहत किम के परमाणु हथियारों और मास्को तथा बीजिंग के साथ संबंधों के बल पर उत्तर कोरिया की अधिक मजबूत और प्रभावशाली भूमिका स्थापित करना है। किम ने अपनी परमाणु-संपन्न सेना को मजबूत करने के लिए नयी हथियार प्रणालियों को विकसित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में उनके परमाणु और मिसाइल के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास ने देश को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में उभारा है।

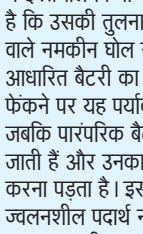

काबुल सहित कई जगहों पर पाकिस्तान के हवाई हमले, अफगानों का कई पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर सैनिकों को मारने का दावा

इस्लामाबाद, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दशकों से चला आ रहा सीमा विवाद शुक्रवार को बड़े सैन्य संघर्ष में बदल गया है।पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए काबुल और कंधार पर बमबारी की है।इससे पहले अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए सीमा पर हमले तेज कर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है। दोनों तरफ से बमबारी हो रही है। पाकिस्तान की तरफ से पिछले सप्ताह किए गए हवाई हमलों का जवाब देते हुए अफगानिस्तान ने गुरुवार देर रात जवाबी कार्रवाई कर दावा किया कि उसने डूरंड लाइन पर करीब 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया।

इसके बाद पाकिस्तान ने अफगान तालिबान के खिलाफ आपरेशन गजब-लिल-हक शुरू कर शुक्रवार तड़के काबुल, कंधार और पक्तिया में तालिबान के रक्षा ठिकानों पर बमबारी की। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगान तालिबान के खिलाफ खुले युद्ध की घोषणा करते हुए कहा कि अब पाकिस्तान का धैर्य जवाब दे गया है।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पोस्ट में कहा, कायर पाकिस्तानी सेना ने काबुल, कंधार और पक्तिया के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकिस्तान के हमले की निंदा की है।उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, पाकिस्तानी विमानों ने एक बार फिर काबुल, कंधार और पक्तिया पर बमबारी की। अफगानिस्तानी लोग हर हाल में पूरी एकता के साथ अपनी प्यारी मातृभूमि की रक्षा करेंगे और आक्रामकता का साहस से जवाब देंगे। पाकिस्तान हिंसा और बमबारी से खुद को मुक्त नहीं कर सकता- ये समस्याएं उसने खुद पैदा की हैं लेकिन उसे अपनी नीति बदलनी होगी और अफगानिस्तान के साथ अच्छे पड़ोसी संबंध, सम्मान और सभ्य संबंधों का मार्ग चुनना होगा।

अफगानिस्तान का पलटवार

टोलो न्यूज ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के बयान के हवाले से बताया है कि सेना प्रमुख फसीहुद्दीन फितरत के आदेश पर डूरंड रेखा के पास पाकिस्तानी सेना की चौकियों पर अफगान बलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई गुरुवार रात 12:00 बजे समाप्त हो गई। इस अभियान में पाकिस्तानी सेना के 55 सैनिक मारे गए। अफगान बलों ने कुछ शव और सैकड़ों हल्के और भारी हथियार भी जब्त किए और कई सैनिकों को जिंदा पकड़ा।

बयान में आगे कहा गया कि अभियान के दौरान, अफगान बलों ने पाकिस्तान के 19 चेक पोस्ट पर कब्जा कर लिया। इस अभियान में 8 अफगान सैनिकों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हुए। जबकि तोरखम में शरणार्थियों के लिए बने अस्थायी शिविर पर पाकिस्तान के हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित 13 लोग घायल हुए। मंत्रालय ने कहा कि यह अभियान पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अफगान क्षेत्र पर किए गए हवाई हमलों के जवाब में चलाया गया था।

पिछले सप्ताह पाकिस्तान की एयर स्ट्राइकपिछले सप्ताह पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई इलाकों पर एयर स्ट्राइक किए जिसमें अफगानिस्तान शासन के मुताबिक महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 18 लोग मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया था। पाकिस्तान का कहना था कि ये हमले पाकिस्तान में हाल ही में हुए आत्मघाती बम धमाकों के बाद किए गए थे।

खुदाई के दौरान मिली 800 से 1000 ईस्वी के बीच की कब्र

पनामा सिटी, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

वैज्ञानिकों को पनामा सिटी से करीब 200 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित एल कानो पुरातात्विक पार्क में खुदाई के दौरान 800 से 1000 ईस्वी के बीच की कब्र मिली है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह दफन स्थल एक हजार साल से भी अधिक पुराना है। मुख्य शोधकर्ता जूलिया मायो ने बताया कि कब्र से मिले कंकाल के चारों ओर सोने के आभूषणों और मिट्टी के बर्तनों का बड़ा संग्रह मिला है। कंकाल के साथ सोने के कंगन, झुमके और छाती पर पहना जाने वाला एक खास आभूषण मौजूद था, जिन पर चमगादड़ और मगरमच्छ की आकृतियां उकेरी गई थीं। इन आकृतियों को उस समय की सांस्कृतिक धारणाओं और कला का प्रतीक माना जा रहा है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि मिले हुए गहनों की गुणवत्ता और उनकी प्रतीकात्मक डिजाइन इस बात की ओर इशारा करती है कि यहां दफनाया गया व्यक्ति समाज में बेहद ऊंचा दर्जा रखता था। जूलिया मायो का मानना है कि यह संभवत: उस समुदाय का सबसे बड़ा नेता, योद्धा या प्रभावशाली सदस्य रहा होगा।एल कानो क्षेत्र पिछले दो दशकों से पुरातात्विक अध्ययन का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां प्री-हिस्पैनिक यानी यूरोपीय आगमन से पहले की सभ्यताओं के कई अवशेष अब तक मिलते रहे हैं। यह स्थल आठवीं से ग्यारहवीं सदी तक यहां बसे समाजों की दफन परंपराओं से जुड़ा हुआ माना जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह क्षेत्र करीब 200 साल तक दफनाने के लिए इस्तेमाल किया गया था और इससे पहले यहां नौ इसी तरह की कब्रें खोजी जा चुकी हैं।

पनामा के संस्कृति मंत्रालय ने नई खोज को अत्यंत महत्वपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह न केवल पनामा, बल्कि पूरे मध्य अमेरिकी क्षेत्र की प्राचीन सभ्यताओं को समझने का एक मजबूत आधार साबित होगी। मध्य अमेरिका को उत्तर और दक्षिण अमेरिका के बीच सांस्कृतिक पुल की तरह देखा जाता है, जहां प्राचीन समाजों की अपनी मान्यताएं, कला और विशिष्ट जीवनशैली रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि उस समय की सभ्यताओं में मृत्यु को अंत नहीं माना जाता था, बल्कि जीवन के नए चरण की शुरुआत समझा जाता था। इसी वजह से मृतकों के साथ कीमती वस्तुएं, आभूषण और मिट्टी के बर्तन दफनाए जाते थे, ताकि उनके सामाजिक महत्व और प्रतिष्ठा को मृत्यु के बाद भी दर्शाया जा सके।

शरीर में बहता खून आपकी सेहत का है आईना: रिसर्च

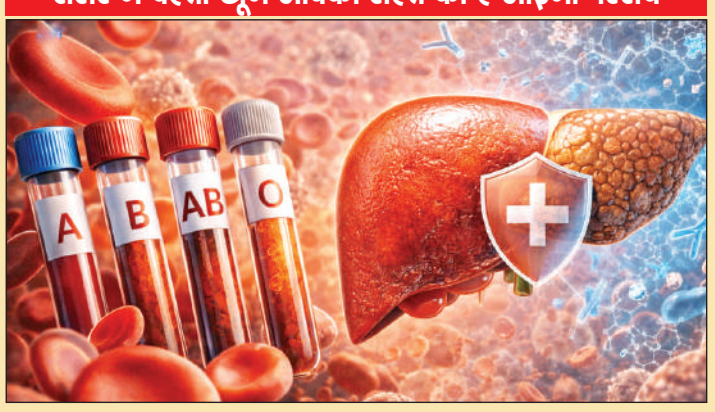

लंदन। शरीर में बहता खून न केवल आपकी सेहत का आईना है, बल्कि यह आपके लिवर के भविष्य में होने वाली बीमारियों के जोखिम का भी संकेत दे सकता है। ताजा रिसर्च में पाया गया है कि व्यक्ति का ब्लड ग्रुप यह निर्धारित करने में अहम भूमिका निभा सकता है कि भविष्य में उसे लिवर से संबंधित गंभीर बीमारियों का कितना खतरा रहेगा। खासतौर पर ब्लड ग्रुप ए वाले लोगों को अधिक सतर्क रहने की सलाह दी गई है। शोध के अनुसार, ब्लड ग्रुप ए वाले लोगों में आटोइम्यून लिवर डिजीज विकसित होने की संभावना अन्य ब्लड ग्रुप्स की तुलना में अधिक पाई गई है। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से लिवर की स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करने लगता है। समय रहते पहचान न होने पर यह लिवर डैमेज और अंततः लिवर फेल्योर तक पहुंच सकती है। इसके विपरीत, ब्लड ग्रुप बी वालों के लिए यह अध्ययन राहत भरी खबर लेकर आया है। शोधकर्ताओं ने देखा कि इस ग्रुप के व्यक्तियों में लिवर की गंभीर या पुरानी बीमारियों का खतरा अपेक्षाकृत कम होता है। सांख्यिकीय रूप से इनके लिवर को अन्य ब्लड ग्रुप्स की तुलना में अधिक सुरक्षित पाया गया। रिसर्च में इस अंतर के पीछे के वैज्ञानिक कारणों को भी समझाया गया है। नान-ओ ब्लड ग्रुप जैसे ए, बी और एबी में क्लाटिंग फैक्टर्स की सक्रियता अधिक होती है।

भारत के साथ आई2यू2 समूह के तहत सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं इजराइल

यह समूह आर्थिक सहयोग, निवेश, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और तकनीक पर है केंद्रित

इजराइल, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे के दौरान इजराइली पीएम नेतन्याहू ने साफ संकेत दिया कि वे भारत के साथ मिलकर आई2यू2 समूह के तहत सहयोग को और मजबूत करना चाहते हैं। बता दें आई2यू2 समूह में भारत, इजराइल, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका शामिल हैं। आधिकारिक तौर पर यह समूह आर्थिक सहयोग, निवेश, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और तकनीक पर केंद्रित है, लेकिन बदलते हुए परिदृश्य में इसका रणनीतिक महत्व भी बढ़ता दिख रहा है। अगर यह गठबंधन पूरी क्षमता से सक्रिय होता है, तो इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक और सामरिक संतुलन पर भी पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में पहले से ही अलग-अलग ध्रुव उभर रहे हैं। एक ओर पाकिस्तान, तुर्की और कुछ हद तक सऊदी अरब जैसे देशों का पारंपरिक प्रभाव है, तो दूसरी

ओर यूएई और कुछ अन्य अरब देश इजराइल के साथ सहयोग की राह पर बढ़ चुके हैं। ऐसे में अगर आई2यू2 मजबूत होता है और भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका का तालमेल गहरा होता है, तो मुस्लिम वर्ल्ड साफ तौर पर बंट जाएगा। यह विभाजन विचारधारा से ज्यादा रणनीतिक हितों पर आधारित होगा।

यूएई और कुछ अन्य खाड़ी देश पहले ही इजराइल के साथ संबंध सामान्य कर चुके हैं। यदि वे आर्थिक और सुरक्षा सहयोग के नए ढांचे में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, तो पाकिस्तान की पारंपरिक इस्लामी एकजुटता की राजनीति को चुनौती मिल सकती है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब से भी इसी इस्लामिक कार्ड के बल पर सुरक्षा समझौता कर लिया। ऐसे में अगर लिबरल खाड़ी देश भारत और इजराइल के साथ खड़े होते हैं।

ट्रंप ने जेरेड कुश्नर और स्टीव विटकाफ को यूक्रेन तथा ईरान संकट सुलझाने की सौंपी जिम्मेदारी

वाशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वैश्विक तनाव को सुलझाने के लिए अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों पर दांव लगाया है। ट्रंप ने अपने दामाद जेरेड कुश्नर और करीबी मित्र स्टीव विटकाफ को इन संकटों के समाधान के लिए विशेष दूत के रूप में नियुक्त किया है। गुरुवार को स्विट्जरलैंड के जिनेवा में इन दोनों दूतों ने कुछ ही घंटों के भीतर कूटनीतिक सक्रियता दिखाते हुए कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं, जिसने अंतरराष्ट्रीय बिरादरी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

जिनेवा में इन दूतों का दौर बेहद व्यस्त रहा। सबसे पहले उन्होंने ओमान के राजदूत के आवास पर ईरानी अधिकारियों के साथ गुप्त वार्ता की। इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर एक टिकाऊ समझौते की रूपरेखा तैयार करना और अमेरिका व इजरायल द्वारा संभावित सैन्य हमलों के खतरे को टालना था। इसके तुरंत बाद, कुश्नर और विटकाफ ने इंटरकान्टिनेंटल होटल में यूक्रेनी प्रतिनिधियों के

साथ चर्चा की, जहाँ रूसी आक्रमण के पांचवें वर्ष में प्रवेश करने के बीच शांति की संभावनाओं को तलाशा गया। कूटनीति का यह सिलसिला यहीं नहीं थमा; उन्होंने फोर सीजन्स होटल में रूस और यूक्रेन के दूतों से अलग-अलग मंजिलों पर मुलाकात की, ताकि किसी साझा मंच की गुंजाइश बन सके। देर रात अमेरिका रवाना होने से पहले वे दोबारा ओमान के राजदूत के आवास पर भी गए।

जेरेड कुश्नर और विटकाफ की यह सक्रियता केवल यूरोप और खाड़ी तक सीमित नहीं है। हाल ही में उन्होंने बोर्ड आफ पीस की उद्घाटन बैठक में हिस्सा लिया था, जिसका गठन गाजा पट्टी में हमास और इजरायल के बीच युद्धविराम समझौते की निगरानी के लिए किया गया है। ट्रंप की यह रणनीति स्पष्ट करती है कि वे विदेश विभाग जैसे विशाल और पारंपरिक सरकारी तंत्र के बजाय अपने निजी व व्यावसायिक रूप से सफल सहयोगियों पर अधिक भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञ इस कार्यप्रणाली को लेकर आशंकित हैं। पूर्व वार्ताकारों का मानना है कि यूक्रेन, ईरान और गाजा जैसे जटिल मुद्दों को एक साथ संभालना व्यावहारिक रूप से असंभव है, क्योंकि इनमें से प्रत्येक मुद्दा तकनीकी और ऐतिहासिक बारीकियों का महासागर है। व्हाइट हाउस ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए तर्क दिया है कि कुश्नर और विटकाफ का व्यावसायिक बैकग्राउंड उन्हें विश्व नेताओं के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करने में मदद करता है। लेकिन आलोचक उनके व्यक्तिगत व्यावसायिक हितों के टकराव पर सवाल उठा रहे हैं। जेरेड कुश्नर की निवेश फर्म अरबों डालर के कतरी फंड का प्रबंधन करती है, वहीं विटकाफ की क्रिप्टो फर्म के संबंध अबू धाबी के सरकारी फंडों से हैं। रिपब्लिकन सीनेटरों ने भी चिंता जताई है कि ये दूत सीनेट की मंजूरी या किसी सरकारी निगरानी के अधीन नहीं हैं। इसके बावजूद, यूक्रेन ने इस भागीदारी का स्वागत किया है। यूक्रेन को उम्मीद है कि ट्रंप से सीधे संपर्क रखने वाले इन दूतों के माध्यम से राष्ट्रपति जेलेंस्की और व्लादिमीर पुतिन के बीच सीधी वार्ता का रास्ता साफ हो सकेगा।

बजट पर पहली वेबीनार: मोदी ने दिया बाँड बाजार के विस्तार की जरूरत पर बल

नयी दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ उद्योग और वित्तीय क्षेत्र को गति देने की जरूरत पर विशेष बल देते हुए कहा है कि दीर्घकालिक कर्ज की सुविधा बढ़ाने के लिए बांड बाजार को और विस्तृत बनाने के कदम उठाये जाने चाहिए।

श्री मोदी ने बजट 2026-27 पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वेबीनारों की परम्परागत शृंखला प्रारंभ करते हुए इस वर्ष के पहले वेबीनार में शुक्रवार को कहा, अब समय आ गया है कि उद्योग और वित्तीय संस्थान भी नई ऊर्जा के साथ आगे आएं। हमें अवसंरचना में ज्यादा भागीदारी चाहिए, वित्त-पोषण के लिए अपनाए जाने वाले मॉडल में ज्यादा नवाचार चाहिए, और उभरते क्षेत्रों में ज्यादा मजबूत सहयोग चाहिए । उन्होंने उद्योग जगत सहित सभी हितधारकों को बजट से उत्पन्न अवसरों को जमीन पर उतारने के लिये काम करने का आह्वान किया।

मविकसित भारत के लिये प्रौद्योगिकी, सुधार और वित्त विषय पर वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित इस वेबीनार का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार विदेशी निवेश के नियमों को सरल बनाते हुए प्रयास कर रही है कि पूरी प्रणाली को अधिक स्पष्ट और निवेशकों के अधिक अनुकूल हो। वेबीनार में वित्त मंत्री निर्मा सीतारमन भी उपस्थित थीं।

उन्होंने कहा, हम दीर्घकालिक वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए, बाँड बाजार को और ज्यादा सक्रिय बनाने की दिशा में भी कदम उठा रहे हैं और बॉन्ड की खरीद और बिक्री की प्रक्रिया को आसान बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें बाँड बाजार में सुधार को दीर्घकालिक वृद्धि में सहायक उपाय के रूप में देखना होगा, हमें पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी, बाँड बाजार में तरलता (बाँड बेचने की सुविधा) का विस्तार करना होगा, नये इंस्ट्रूमेंट (खरीद-बिक्री योग्य नयी प्रतिभूतियां) लाने होंगे, और जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन करना होगा। तभी हम बाजार में निरंतर पूंजी का प्रवाह आकर्षित कर पाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे अपेक्षा है कि आप दुनिया में चल रही अच्छी परिपाटियों से सीख लेकर विदेशी निवेश के नियमों और बाँड के बाजारों को मजबूत करने के लिए स्पष्ट और ठोस सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस दिशा में मेरा एक और सुझाव है, हमें परियोजनाओं की मंजूरी की पद्धति और आकलन की गुणवत्ता को और मजबूत करना होगा। हमें लागत-लाभ विश्लेषण और परियोजना के जीवन काल की लागत के विचार को सर्वोपरि रखते हुए अपव्य और विलंब पर रोक लगानी होगी।

उन्होंने कहा कि नीतियों की सफलता उद्योग जगत के साहस और नवाचार से तय होती है। उद्योग जगत को नये निवेश और नवाचार के साथ आगे आना होगा। वित्तीय संस्थानों और विश्लेषकों को व्यावहारिक समाधान , तैयार करने में मदद करनी होगी और बाजार के विश्वास को मजबूत करना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब सरकार, उद्योग जगत और विषयों की विशेषज्ञता रखने वाले साझेदार एक साथ आगे बढ़ते हैं, तभी सुधार के परिणाम सामने आते हैं और घोषणाएं जमीन पर उपलब्धियां बन जाती हैं। श्री मोदी ने सुधार के लिए साझेदारी का एक स्पष्ट चार्टर विकसित करने का सुझाव देते हुए कहा कि यह चार्टर सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थान और अकादमिक क्षेत्र का साझा संकल्प होना चाहिए। ऐसा चार्टर, विकसित भारत की यात्रा का बहुत अहम दस्तावेज बनेगा।

प्रधानमंत्री ने सभी हितधारकों से बजट 2026-27 में उपलब्ध कराये गये अवसरों का फायदा उठाने, नये अवसरों के साथ गहराई से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों की भागीदारी से योजनाओं का कार्यान्वयन और बेहतर होगा। कार्यान्वयन के दौर में हितधारकों के सुझावों और सहयोग से नतीजे बेहतर होंगे।

उन्होंने कहा, आइए, हम सब मिलकर सुधार करें, आगे बढ़कर ऐसा भविष्य बनाएं, ताकि विकसित भारत का सपना जल्द से जल्द साकार हो। अपने संबोधन के शुरू में श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय बजट कोई अल्पकालिक व्यापार योजना का दस्तावेज नहीं होता, वह एक नीतिगत वृहद योजना का हिस्सा होता है। बजट में ऐसी नीतियां और निर्णय होने चाहिए जो अवसंरचना का विस्तार करें, जो कर्ज प्रवाह को आसान बनाएं, जो कारोबार में आसानी बढ़ाएं, राजकाज में पारदर्शिता बढ़ाएं, जनता का जीवन आसान बनाएं और उनके लिए नये-नये अवसर बनायें। इससे अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि किसी भी बजट को अलग-थलग नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि राष्ट्र निर्माण एक निरंतर प्रक्रिया होती है। हर बजट एक बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ने का एक चरण होता है, और हमारे सामने वो बड़ा लक्ष्य है साल 2047, 2047 तक विकसित भारत का निर्माण।

उन्होंने कहा, हर सुधार, हर आवंटन, हर बदलाव को इस लंबी यात्रा के हिस्से के रूप में ही देखा जाना चाहिए। और इसलिए, हर साल बजट के बाद होने वाले ये वेबिनार बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह, डिजिटल नेटवर्क, बिजली प्रणालियों, ऐसे अनेक और इस तरह की अनेक ठोस परिसम्पत्तियां तथा अवसंरचानाओं के विकास पर सरकार का बहुत फोकस रहा है। ये परिसम्पत्तियां आने वाले कई दशकों तक उत्पादकता बढ़ाती रहेंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अवसंरचना विकास को प्राथमिकता का प्रमाण है कि 11 साल पहले बजट में जो सार्वजनिक पूंजीगत व्यय लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का था वह अब बढ़कर लगभग 12 लाख करोड़ रुपए से ऊपर हो गया है। इतने बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश होना निजी क्षेत्र के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है।

प्रधानमंत्री ने उम्मीद जतायी कि इस वेबीनार में हितधारकों के बीच गहन मंथन होगा तथा प्रक्रियाओं को सरल करने पर आपका ध्यान केंद्रित होगा क्योंकि इस मंथन का मकसद बजट के प्रस्तावों को जमीन पर उतारना है। श्री मोदी ने याद दिलाया कि अब यह बजट की चर्चा के लिए कार्यक्रम नहीं है, अब बजट में जो है उसको जमीन पर जल्दी से जल्दी उतारने, सरल से सरल मार्ग से उतारने और सबके, सभी हितधारकों के लिए इसका लाभ उठाने पर चर्चा का कार्यक्रम है।

मुर्मू की प्रचंड उड़ान, राफेल और सुखोई लड़ाकू विमानों में पहले ही उड़ चुकी हैं राष्ट्रपति

नयी दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां) । तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को सशस्त्र बलों का मनोबल बढाते हुए सुबह जैसलमेर वायु सेना स्टेशन से स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में ऐतिहासिक उड़ान भरकर इतिहास रचा। राष्ट्रपति की इस उडान ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण का भी संदेश दिया। वह 2023 में लड़ाकू विमान सुखोई और 2025 में राफेल में भी उड़ान भर चुकी हैं। इस उड़ान से शुक्रवार का दिन भारतीय सैन्य इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया।

श्रीमती मुर्मु की यह उड़ान एक मिशन का हिस्सा थी और इसमें वह ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ कॉकपिट में सह पायलट की भूमिका में नजर आई। ऐसा करने वाली वह देश की पहली राष्ट्रपति हैं। इस मिशन में दो हेलिकॉप्टर शामिल थे जिनमें से दूसरे हेलिकॉप्टर में स्वयं वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ग्रुप कैप्टन ए महेंद्र के साथ सवार थे। लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान हेलिकॉप्टरों ने गडिसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से उड़ान भरी तथा हेलिकॉप्टर ने एक टैंक को लक्ष्य बनाकर हमला किया। राष्ट्रपति ने हेलीकॉप्टर की कॉकपिट से सैनिकों को सलामी भी दी।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव भी साझा करते हुए लिखा, प्रचंड हेलिकॉप्टर आत्मनिर्भरता का एक प्रबल प्रतीक है। इस समय मैं प्रसिद्ध जैसलमेर किले के ऊपर उड़ान भर रही हूँ। मुझे देश के वीर वायु सैनिकों पर अत्यंत गर्व है।

आगंतुक पुस्तिका में राष्ट्रपति ने एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर भी अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत के स्वदेशी रूप से विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरना मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव रहा है। इस उड़ान ने मुझे राष्ट्र की रक्षा क्षमताओं पर नए सिरे से गर्व का अनुभव कराया है। मैं भारतीय वायु सेना और वायु सेना स्टेशन जैसलमेर की पूरी टीम को इस उड़ान के सफल आयोजन के लिए बधाई देती हूं। श्रीमती मुर्मु सुबह करीब सवा नौ बजे बजे जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पहुंची थी जहां एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह, वायु सेना की दक्षिणी पश्चिमी कमान के एयर आफिसर कमांडिंग- इन-चीफ एयर मार्शल तेजेन्द्र सिंह और जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन के कमांडर ग्रुप कैप्टन अमित दुबे सहित वरिष्ठ वायुसेना अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। वायुसेना के अधिकारियों ने उनके साथ हेलिकॉप्टर की तकनीकी विशेषताओं, उड़ान मार्ग, सुरक्षा प्रोटोकॉल और मिशन की रूपरेखा की जानकारी साझा की। राष्ट्रपति ने 10 बजकर 15 मिनट पर प्रचंड में उड़ान भरी। वायु सेना आज शाम पाकिस्तान से सटी सीमा पर पोखरण फायरिंग रेंज में वायु शक्ति अभ्यास कर रही है। इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु भी मौजूद रहेगी।

हल्का लड़ाकू हेलिकॉप्टर एलसीएच प्रचंड देश में ही रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया है।

उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग के न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण पर तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति खारिज की

नयी दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां) । उच्चतम न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उन आपत्तियों पर विचार करने से इनकार कर दिया जो पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) में दावे की पुष्टि के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों को चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा प्रशिक्षण देने पर उठाई गई थीं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग का प्रशिक्षण मॉडयूल शीर्ष

अदालत के आदेशों को खत्म नहीं कर सकता है और न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह अदालत ने राज्य अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर राज्य और चुनाव आयोग के बीच विवाद को देखते हुए एसआईआर प्रक्रिया में दावों पर फैसला करने के लिए न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा है कि झारखंड और ओडिशा से भी न्यायिक अधिकारियों को तैनात किया जा सकता है क्योंकि चुनाव वाले राज्य में समय-सीमा से पहले काम पूरा करने के लिए पर्याप्त जज उपलब्ध नहीं हैं। अदालत ने कहा कि वह आज कोई और निर्देश जारी नहीं कर रहा है और कहा कि उसने एसआईआर को ठीक से चलाने में मदद के लिए राज्य के लगभग सभी न्यायिक अधिकारियों को लगा दिया है।

भारतीय नौसेना ने अपनी पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाया

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अपनी पनडुब्बी-रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) क्षमताओं को मजबूत करने के हिस्से के तौर पर चेन्नई बंदरगाह पर डॉल्फिन हंटर आईएनएस अंजदीप को औपचारिक तौर पर शामिल किया।

इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। आठ-

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इस युद्धपोत को चेन्नई बंदरगाह पर पूर्वी नौसेना कमान में आधिकारिक तौर पर शामिल किया। भारतीय नौसेना ने इसके साथ अपनी स्वदेशी पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाया। इस उन्नत युद्धपोत को नौसेना में शामिल कर भारत ने आत्मनिर्भर भारत और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी ने स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण का शानदार उदाहरण पेश किया है।

भारतीय नौसेना ने कहा, इस समारोह ने रक्षा में आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में देश की तेज तरक्की को दिखाया क्योंकि एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी परियोजना ने देसी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण का शानदार उदाहरण पेश किया है।

उल्लेखीय है कि अत्याधुनिक जलपोत अंजदीप को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता ने विकसित किया है। इसे खास तौर पर देश की सुरक्षा के लिए जरूरी तटीय और उथले पानी, तटीय लड़ाई के माहौल की चुनौतियों का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर सांसदों को करना चाहिए ट्रम्प से सवाल : हिलेरी क्लिंटन

वाशिंगटन, 27 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने सांसदों से अपील की है कि उन्हें यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के संबंधों को लेकर उनसे सवाल करने चाहिये।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार सुश्री क्लिंटन इस मामले को लेकर कांग्रेस (संसद) की समिति के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस दौरान उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि उन्हें श्री ट्रंप से एपस्टीन के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछताछ करनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने संविधान की शपथ ली है।

सुश्री क्लिंटन ने कांग्रेस समिति के समक्ष घंटों गवाही देने के बाद कहा, मैं सच सामने आते देखना चाहती हूं। इस मामले में सुश्री क्लिंटन के पति एवं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन शुक्रवार को गवाही देंगे। हालांकि दोनों ने समिति की ओर से तलब किये जाने का विरोध किया है और इसे इसे राजनीति से प्रेरित बताया है। बाद में ये

दोनों फिर गवाही देने के लिए सहमत हो गए क्योंकि उनके खिलाफ कांग्रेस की अवमानना की संभावित कार्रवाई की आशंका थी। श्री क्लिंटन और श्री ट्रंप ने एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर कुछ भी गलत करने से इनकार किया है।

कांग्रेस की समिति के समक्ष गुरुवार को छह घंटे तक गवाही देने के बाद सुश्री क्लिंटन ने संवाददाताओं से कहा, वह निराश हैं कि गवाही सार्वजनिक नहीं की गयी। गवाही सार्वजनिक की गयी होती, तो मुझे यहां आकर आपके इस बारे में बात नहीं करनी पड़ती।

इस दौरान उन्होंने समिति के अध्यक्ष जेम्स कॉमर की भी तारीफ़ की कि उन्होंने जांच के तरीके के बारे में कई ज़रूरी सवाल उठाए और उन विषयों के बारे में उनकी बात सुनी जिन पर उन्हें लगता है कि जांच की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, मैंने उनकी तारीफ़ करती हूं। मैं सच सामने आते देखना चाहती हूं, इसलिए यह एक बहुत लंबे, बार-बार होने वाले बयान को खत्म करने का एक भरोसा दिलाने वाला तरीका था।

सुश्री क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने समिति के रिप-ब्लिकन सदस्यों की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने एपस्टीन या उनकी दोषी साथी, घिसलेन मैक्सवेल के बारे में किसी और से नहीं पूछताछ नहीं की।

उन्होंने कहा कि वह एपस्टीन को नहीं जानती थीं। वहीं, श्री क्लिंटन ने कहा है कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और उन्होंने दो दशक पहले उससे संबंध तोड़ लिए थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद चैरिटी के काम के सिलसिले में उनका संपर्क हुआ था और उन्होंने इस बात पर अफ़सोस जताया है कि वह कभी भी उस वित्तपोषक से जुड़े थे, जिसकी 2019 में न्यूयॉर्क शहर की जेल में मौत हो गई थी।

द्रमुक में शामिल हुए ओ पन्नीरसेल्वम

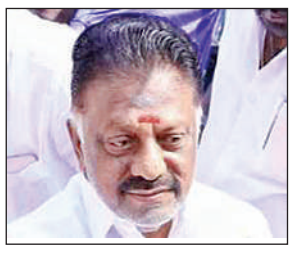

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां) । तमिलनाडु के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पन्नीर-सेल्वम (ओपीएस) राज्य विधानसभा चुनावों से पहले सत्ताधारी द्रमुक में शामिल हो गए। श्री ओपीएस ने द्रमुक में शामिल होते ही अन्नाद्रमुक नेता एडप्पाई के पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए उन्हें तानाशाह बताया और कहा कि वह इसके बाद कभी चुनावी जीत का स्वाद नहीं चख पाएंगे।

श्री ओपीएस ने द्रमुक में शामिल होने के बाद पार्टी मुख्यालय अन्ना अरिवालयम के बाहर कहा कि श्री स्टालिन के अच्छे शासन को देखते हुए वह द्रमुक में शामिल होकर बहुत खुश हैं और उनका फैसला किसी मजबूरी या दबाव में नहीं है बल्कि सोच-समझकर लिया गया है।

श्री ओपीएस ने श्री स्टालिन को थलपति (कमांडर) संबोधित करते हुए कहा, मैं एक आम कार्यकर्ता के तौर पर मथाई कझगमफ में शामिल हुआ हूं और द्रमुक नेतृत्व द्वारा सौंपी गई अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करूंगा। मुझे बहुत खुशी है कि मैं थाई कषगम (मूल पार्टी) द्रमुक में शामिल हो गया हूं, जिसे पेरारिग्नार अन्ना (पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई) ने शुरू किया था। उन्होंने द्रमुक में शामिल करने के लिए श्री स्टालिन को धन्यवाद दिया।

उन्होंने श्री स्टालिन के नेतृत्व और उनके पांच साल के राज में कई बड़ी योजनाओं को शुरू करने समेत उनकी अनगिनत कामयाबियों की सराहना करते हुए कहा कि श्री अन्ना और कलैगनार (द्रमुक के मुखिया और दिवंगत मुख्यमंत्री एम करुणानिधि) के सबको गले लगाने के रास्ते और राजनीतिक संस्कृति में थलपति (स्टालिन) पार्टी और सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

श्री ओपीएस ने चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि अगर थलपति उन्हें सीट प्रस्तावित करते हैं, तो वह निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगे और उन्होंने इस सवाल को खारिज कर दिया कि उन्होंने द्रमुक को कभी बुरी ताकत कहा था।

श्री ओपीएस ने यह भी भरोसा जताया कि द्रमुक भारी बहुमत से चुनाव जीतेगी और लगातार दूसरी बार सत्ता में बने रहने के लिए फिर से सरकार बनाएगी।

भाजपा पर कांग्रेस ने दुष्प्रचार करने का लगाया आरोप

नयी दिल्ली 27 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कांग्रेस के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने का आरोप लगाया है।

सुश्री श्रीनेत ने शुक्रवार को कहा कि पिछले कुछ घंटों से भाजपा कुछ तथाकथित इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर्स के पीछे छिपकर कांग्रेस के खिलाफ झूठ फैलाने की कोशिश कर रही है।

केजरीवाल के बरी होने से साफ, सीबीआई का इस्तेमाल करती है भाजपा : तेजस्वी

नयी दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को मिले न्याय से साफ हो गया है कि भाजपा सरकार सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीति लाभ के लिए करती है और अब उन्हें पूरी उम्मीद है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भी उनके खिलाफ चल रहे मामले में न्याय मिलेगा।

उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल के शराब घोटाला मामले में बरी होने से भाजपा द्वारा ईडी तथा सीबीआई का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करने की पुष्टि हो गई है।

आप कार्यकर्ताओं ने निकाला ईडी, सीबीआई बैंड जुलूस

नयी दिल्ली, 27 फ़रवरी (एजेंसियां) आम आदमी पार्टी (आप) ने आबकारी मामले में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल समेत अन्य 23 को अदालत से बरी होने पर बैंड बाजों से जुलूस निकाला।

आप कार्यकर्ताओं ने इसे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जुलूस करार दिया। जुलूस के दौरान कार्यकर्ता हाथों मईडी, सीबीआई बैंडफ की तख्तियां लिए हुए थे।

25 साल पुराने कपड़ों को आज भी आलमारी में रखी हैं जीनत अमान, बताई मजेदार वजह

पुरानी चीजें हमेशा खास होती हैं। वे यादों का खजाना हों या वस्तु, जिसे हर बार देखने पर पुरानी खुशियां, पल और भावनाएं ताजा हो जाती हैं। अभिनेत्री जीनत अमान भी यही मानती हैं। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि 25 साल पुराने कपड़े आज भी उनकी अलमारी में रखे हैं, क्योंकि अच्छी चीजें कभी पुरानी नहीं होतीं। 70-80 के दशक में 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'लावारिस', और 'हरे रामा हरे कृष्णा' जैसी फिल्मों से सुपरस्टार बनीं जीनत आज भी अपनी फिटनेस और फैशन सेंस से सबको इंस्पायर करती हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्ट्स करती हैं जो न सिर्फ मनोरंजक होती हैं, बल्कि जीवन के साधारण लेकिन गहरे पहलुओं को भी छूती हैं। वह अक्सर पुरानी फिल्मों या एक्टर्स से जुड़े किस्से-कहानियां

शेयर करती रहती हैं। जीनत अमान का मानना है कि पुरानी चीजें ही सोना होती हैं यानी ओल्ड इज गोल्ड। जीनत ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट में लिखा कि 'ओल्ड इज गोल्ड' और पुराने कपड़े उनके लिए आज भी खास हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे कपड़ों को सिर्फ इसलिए फेंक देना कि वे पहले पहने जा चुके हैं, यह बात उन्हें कभी समझ नहीं आई।

उन्होंने एक खूबसूरत आउटफिट की तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, ओल्ड इज गोल्ड, आपको नहीं लगता! किसी इवेंट के लिए बाहर निकलने से पहले अपार्टमेंट बिल्डिंग के फॉयर में मस्ती कर रही हूं। मुझे कपड़े रिपीट करने का बहुत शौक है।

जीनत ने बताया कि पिछले साल उन्होंने इस ब्रांड के लिए शूट किया था और अब इसे फॉर्मल इवेंट्स में दोबारा पहन रही हैं। स्प्रिंग क्लीनिंग करते समय जीनत को अपनी अलमारी में कई ऐसे कपड़े मिले, जो 25 साल से भी पुराने हैं। उन्होंने फैंस से पूछा, क्या आपकी अलमारी में भी कोई ऐसा कपड़ा है, जिसे आपने इतने सालों से बार-बार इस्तेमाल किया है? मुझे कमेंट्स में पढ़ना अच्छा लगेगा।

अनकही कहानियों को सामने लाना जरूरी : कोंकणा शर्मा

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'एक्यूज्ड' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि अनकही और कम सुनी जाने वाली कहानियों को सामने लाना जरूरी है। 'एक्यूज्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं की पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों और मानवीय रिश्तों की जटिलताओं को गहराई से उजागर करती है। कोंकणा का मानना है कि ऐसी कहानियां बताना इसलिए जरूरी है क्योंकि समाज को हर पहलू देखना चाहिए। यह फिल्म न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि दर्शकों के सोचने के तरीके को चुनौती भी देती है। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। 'एक्यूज्ड' एक ऐसी महिला की कहानी है, जिस पर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। कोंकणा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणा को पूरी तरह पलट देती है। उन्होंने बताया, हम ज्यादातर समय महिलाओं को पीड़ित या सर्वाइवर के रूप में देखते हैं, आरोपी के रूप में बहुत कम। आंकड़ों के अनुसार अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, यह सच है लेकिन महिलाएं भी ऐसा कर सकती हैं और ऐसा होता भी है। कोंकणा ने आगे कहा कि इस फिल्म का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि यह उन अनकही कहानियों पर प्रकाश डालती है, जिन्हें हम आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं। फिल्म में कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, दो महिलाओं के रिश्ते में सत्ता का खेल और उम्र का बड़ा अंतर दिखाया गया है। यह एक ऐसी कहानी है जो सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाती है। यहां आरोपी महिला है और पीड़ित भी महिला। दोनों के बीच उम्र का फर्क, नौकरी का स्वरूप और रिश्ते की जटिलता ये सब चीजें हैं, जो दर्शकों के सामने हमारे पूर्वाग्रहों को लाती हैं।

अभिनेत्री ने बताया कि जब कोई महिला पर शोषण का आरोप लगता है, तो समाज में उस पर विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। खासकर जब आरोपी की स्थिति मजबूत हो और रिश्ते में असमानता हो। कोंकणा ने कहा, यह फिल्म दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है कि हमारा व्यवहार कैसे काम करता है। यह कोई ब्लैक या व्हाइट नहीं, बल्कि ग्रे सेक्टर की कहानी है। कोई किरदार पूरी तरह पसंद करने लायक नहीं है और यही इसे वास्तविक बनाता है।

तेरे नाम री-रिलीज: सलमान खान नहीं थे मेकर्स की पहली पसंद

2003 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे नाम' में सलमान खान का 'राधे' वाला किरदार आज भी लोगों को याद है। उस समय उनका हेयरस्टाइल, डायलॉग डिलीवरी और इमोशनल इंटेंसिटी उस दौर में जबरदस्त ट्रेंड बन गई थी। कल्ट क्लासिक फिल्मों में शुमार 'तेरे नाम' आज पर्दे पर दोबारा रिलीज की गई। 2003 में 'तेरे नाम' रिलीज होने के बाद यंगस्टर बीच की मांग निकालकर अभिनेता की तरह दिखने की कोशिश करने लगे और इसके साथ ही अभिनेता का ब्लैक शर्ट और ब्लू जींस का स्टाइल भी युवाओं की पहली पसंद बना, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेता फिल्म में राधे के किरदार के लिए पहली पसंद नहीं थे और उनके लिए राधे का किरदार निभाना बहुत मुश्किल था। 'तेरे नाम' की कहानी ऐसे युवा की है, जिसे एक सीधी-साधी

लड़की से प्यार हो जाता है, लेकिन हिस्से में प्यार नहीं, सिर्फ सजा आती है। फिल्म का क्लाइमेक्स भी डिप्रेस कर देने वाला है। इस फिल्म के लिए सबसे पहले आमिर खान को ऑफर हुआ था। हालांकि आमिर खान ने फिल्म करने से इनकार नहीं किया था, लेकिन किरदार के लिए खुद को तैयार करने के लिए 2 साल का लंबा समय मांगा था। मेकर्स के पास इतना समय नहीं था कि वे एक किरदार को फाइनल करने के लिए 2 साल का समय लें, जिसके बाद फिल्म अनिल कपूर के पास गई, लेकिन उन्होंने फिल्म की कहानी सुनने के बाद मना कर दिया। अब मेकर्स परेशान कि कौन सा हीरो फिल्म के लिए लाया जाए। 'तेरे नाम' के बेहतरीन गाने लिखने वाले गीतकार समीर अनजान ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि सलमान खान ने फिल्म की कहानी सुनते ही हां कर दी थी, क्योंकि वे खुद जिंदगी के उस बुरे दौर से गुजर रहे थे। साल 2002 में अभिनेता ऐश्वर्या राय से ब्रेकअप हुआ था और उस वक्त उनका व्यवहार में काफी परिवर्तन भी देखा गया था।

समीर ने बताया कि फिल्म का गाना 'क्यों किसी को वफा के बदले वफा नहीं मिलती' सुनकर अभिनेता बहुत रोए थे और उन्होंने गाने में किसी भी बदलाव के साथ गाने को बनाने के लिए कहा था।गीतकार के मुताबिक, सलमान का मेंटल स्टेटस ऐसा था कि वे खुद को फिल्म की कहानी और उस दर्द से पूरी तरह जोड़ पा रहे थे। यही कारण रहा कि राधे का किरदार निभाने में अभिनेता को परेशानी हुई, लेकिन उन्होंने पूरी शिद्दत के साथ फिल्म के काम को पूरा किया था।

मुश्किल दौर में सेलिना जेटली को मिला फौजी बहन का साथ

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सेलिना जेटली के भाई, रिटायर्ड मेजर विक्रांत कुमार जेटली, पिछले कुछ सालों से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट के जरिए फौजी परिवार की बहन से मिले प्यार और स्नेह का जिक्र किया। अभिनेत्री सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे स्टोन ग्रे रंग की कांथा साड़ी पहने हुए हैं। साड़ी पर तोते की खूबसूरत कढ़ाई बनी हुई है। सेलिना ने भौजी परिवार की महिलाओं के प्रति अपना स्नेह व्यक्त करते हुए लिखा, एक फौजी बहन का स्नेह। जिंदगी की भागदौड़ में मैं भूल गई थी कि बहन से साड़ी लेना और उसे पहनना कैसा होता है। एक फौजी ने मुझे साड़ी भेंट देने के साथ-साथ मुझे पहनाई, साड़ी की पिन लगाई, प्लीट्स बनाई और ऐसे ओढ़ाई जैसे सुरक्षा में लपेट रही हैं।

सेलिना ने आगे लिखा, साथ ही, उन्होंने मुझे चूड़ी पहनाई, कान की बाली ठीक की, फोटो खींची, पल्लू सही किया और माथे पर बिंदी लगाई। इन छोटे-छोटे कामों से मुझे एहसास हुआ कि मैं अकेली नहीं हूं। यह साड़ी उन्होंने अपने पति की बंगाल पोस्टिंग के दौरान ली थी।

अभिनेत्री ने इस पल को अपने बचपन से जोड़ा। उन्होंने लिखा, ये सब देखकर मुझे अपने बचपन की याद आ गई, जब मेरी मां प्यार से कांथा साड़ी निकालकर पहना करती थीं। वह सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि प्यार और गर्व का एहसास हुआ करता था। काफी समय बाद ऐसा सुकून फिर से महसूस हुआ। अभिनेत्री ने बताया कि वे कुमाऊंनी हैं। उनके अंदर ताकत नंदा देवी की कृपा और पहाड़ों की गोद से मिली है। अभिनेत्री ने लिखा, कभी-कभी सुकून चुपचाप आता है। साड़ी की प्लेट्स में, चूड़ियों में और बहन के प्यार में। इस एहसास में कि अपनों के साए में अभी भी सुरक्षित हैं। लव यू, समीरा।बता दें कि अभिनेत्री एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता, कर्नल विक्रम कुमार जेटली, एक पंजाबी हिंदू और भारतीय सेना अधिकारी थे, जबकि उनकी मां, मीता, एक अफगान हिंदू और सेना की नर्स थीं। उनके भाई, विक्रांत जेटली, भी एक रिटायर्ड मेजर हैं, जो अभी इस समय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हिरासत में हैं।

शिवा या विक्रांत, किसे द 50 के विजेता के रूप में देखना चाहती हैं मोनालिसा

द 50 शो के पैलेस से बाहर आने के बाद मोनालिसा ने सोशल मीडिया पर लगातार जलवे बिखेरना शुरू कर दिया है। अभिनेत्री लगातार सुर्खियों में बनी हैं और अब उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में रियलिटी शो से जुड़े अनुभव शेयर किए हैं और बताया कि उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण क्या रहा। 'द 50 शो' के अपने सफर को याद करते हुए मोनालिसा ने कहा, जब विक्रांत और मुझे 'द 50' शो का प्रस्ताव मिला, तो हम बेहद खुश थे। यह साल का पहला रियलिटी शो था, और हम इसका हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित थे। कुल मिलाकर, यह एक शानदार अनुभव रहा। बेशक, मुझे थोड़ा दुख है कि मैं इतनी जल्दी बाहर हो गई। हालांकि, विक्रांत अभी भी घर में हैं, और इससे मुझे बहुत खुशी है।'' शो को लेकर मोनालिसा ने कहा, मैं हमेशा से ही सच्ची रही हूं। मैं बिल्कुल वैसी ही थी जैसी अपने पहले रियलिटी शो में थी। मैं खुद को बेवजह के झगड़ों या बहसों में नहीं डालती। मैं बिना वजह दखल देना पसंद नहीं करती। मेरा इरादा नए दोस्त बनाना, नई टीम बनाना और फिर उसी के अनुसार रणनीति बनाना था। शो में आने से पहले मैंने इन सब बातों के बारे में सोचा था, लेकिन चीजें उस तरह से नहीं हुईं। वहां पहले से ही दो मजबूत टीमें थीं, जिसकी वजह से वहां घुल-मिल पाना मुश्किल हो गया था। फिर भी, मैंने विक्रांत, काका और सैमी के साथ सच्ची दोस्ती बनाई, और यह एक सकारात्मक अनुभव रहा।

अभिनेत्री ने कहा, कई कठिन क्षण थे। जब भी परिस्थितियां तनावपूर्ण हो जाती थीं, वही मेरे लिए सबसे मुश्किल होता था। मैं अक्सर निराश हो जाती थी और सोचती थी कि मैं कहां आ गई हूं। कई बार तो ऐसा लगता था जैसे यह कोई रियलिटी शो नहीं बल्कि कुश्ती का अखाड़ा हो।

बेबिका द्वारा विक्रांत के साथ हुई बातचीत पर मोनालिसा का कहना है कि हम दोनों को ही एक-दूसरे पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, मैंने वह वीडियो देखा। विक्रांत और मैं अठारह साल से साथ हैं। हम एक-दूसरे को गहराई से समझते हैं और हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। जब मैंने वह वीडियो देखा, तो मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने ऐसा क्यों कहा, क्योंकि उसमें कुछ भी अनुचित नहीं था। अगर कुछ अनुचित होता भी, तो विक्रांत ने उसे समझदारी से संभाला। हम दोनों अभिनेता हैं। मैं पुरुष सह-कलाकारों के साथ काम करती हूं और वह महिला सह-कलाकारों के साथ। भरोसा हमेशा से हमारे रिश्ते की नींव रहा है।

आर्य ने निक्की की बोटॉक्स और एलएचबी सर्जरी पर कमेंट किया, इस पर मोनालिसा ने कहा, ''मेरा मानना है कि व्यक्तिगत पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी को भी, चाहे वह पुरुष हो या महिला, उसके रूप-रंग के लिए अपमानित करना उचित नहीं है। आजकल कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है या उनकी आलोचना की जाती है, लेकिन वास्तव में, बहुत से लोग अपने रूप-रंग को निखारने के लिए प्रयास करते हैं। अच्छा दिखने में कुछ भी गलत नहीं है।'' शिवा के शो जीतने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा, ''बिलकुल, क्यों नहीं? शिवा मेहनती है और उसने पहले भी रियलिटी शो में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने यहां भी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर वह जीतता है, तो यह उसके लिए गर्व और सम्मान की जीत होगी। हालांकि, मोनालिसा शो के विजेता के रूप में अपने पति विक्रांत को देखती हैं।'' शो के कॉन्सेप्ट और दर्शकों द्वारा 'द 50 शो' को चिड़ियाघर कहने के सवाल पर उन्होंने कहा, ''मैं इसे चिड़ियाघर नहीं कहूंगी। हां, अव्यवस्था तो है, लेकिन यह इसके स्वरूप का हिस्सा है। शो नए कॉन्सेप्ट के साथ आया, जिसमें पचास हस्तियां, पचास प्रतिभाशाली लोग, और पचास अलग-अलग दृष्टिकोण थे। इतने सारे सशक्त व्यक्तित्वों को एक मंच पर देखना वाकई रोचक है।''

मोनालिसा ने शो के प्रतिभागियों पर कहा, ''कई बार प्रतियोगियों का व्यवहार अनुचित रहा। उदाहरण के लिए, रजत कभी-कभी ऊंची आवाज में बोलता था और विक्रांत के बारे में अनुचित शब्दों का प्रयोग करता था, जो मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया। अगर किसी को कोई समस्या है, तो उसे सीधे तौर पर संबोधित करना बेहतर है। इससे उसके असली चरित्र का पता चलता है।''

4 मार्च को बदलेगी ग्रहों की चाल

होली पर शुक्र-शनि खोलेंगे किस्मत के ताले

होली का पर्व रंग, उमंग और आपसी सौहार्द का प्रतीक माना जाता है, लेकिन ज्योतिषीय दृष्टि से भी यह दिन खास महत्व रखता है। वर्ष 2026 में होली के दिन एक दुर्लभ ग्रह योग बन रहा है, जो कई लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव के संकेत दे रहा है। 4 मार्च 2026 को शुक्र और शनि ग्रह एक साथ मीन राशि में स्थित होंगे। यह संयोग अचानक मिलने वाले लाभ की बजाय धीरे-धीरे लेकिन स्थायी प्रगति का प्रतीक माना जा रहा है। लंबे समय से मेहनत कर रहे लोगों के लिए यह समय दिशा बदलने वाला साबित हो सकता है।

मीन राशि – ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को सुख-सुविधा, कला, प्रेम और धन से जोड़ा जाता है, जबकि शनि परिश्रम, अनुशासन और धैर्य का कारक ग्रह माना जाता है। मीन राशि में शुक्र की स्थिति रचनात्मकता और संतुलन को मजबूत करती है, वहीं शनि इस ऊर्जा को स्थायित्व और जिम्मेदारी से जोड़ता है। इस कारण यह ग्रह संयोग दिखावटी सफलता की जगह ठोस और टिकाऊ विकास की ओर इशारा करता है, खासतौर पर करियर और आर्थिक मामलों में।

वृषभ राशि– वृषभ राशि के जातकों के लिए यह ग्रह संयोग करियर में आगे बढ़ने के संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत पर ध्यान दिया जा सकता है और जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आय में सुधार के साथ-साथ खर्चों में भी इजाफा देखने को मिल सकता है, इसलिए संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा।

मिथुन राशि – मिथुन राशि वालों के लिए यह समय नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बातचीत और इंटरव्यू के संकेत बन रहे हैं। पारिवारिक रिश्तों में भी पहले से अधिक सामंजस्य

देखने को मिल सकता है।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए यह दौर मेहनत के दम पर आगे निकलने का है। कार्यस्थल पर आपकी रणनीति और समझदारी विरोधियों पर भारी पड़ सकती है। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन उसी अनुपात में अनुभव और पहचान भी मिलेगी। स्वास्थ्य के मामले में संतुलन बनाए रखना आवश्यक रहेगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि वालों की एकाग्रता और लक्ष्य के प्रति समर्पण इस समय मजबूत हो सकता है। पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और विदेश से जुड़े प्रयासों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। व्यापार से जुड़े लोग किसी पुरानी योजना को दोबारा सक्रिय होते देख सकते हैं, जिससे आगे का रास्ता साफ हो सकता है।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में स्थिरता के संकेत हैं और बचत को लेकर गंभीर फैसले लिए जा सकते हैं। कुछ लोगों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोतों पर काम शुरू करने का समय भी बन सकता है।

कुंभ राशि –कुंभ राशि के लिए यह ग्रह संयोग पारिवारिक और पुराने मामलों में गति ला सकता है। संपत्ति या लंबे समय से अटके कामों से जुड़े विषयों में होली के बाद आगे बढ़ने के संकेत हैं। पारिवारिक सहयोग से निर्णय लेना आसान हो सकता है।

ग्रह योग और प्रयास का संतुलन

ज्योतिष के अनुसार ग्रह परिस्थितियां और अवसर जरूर देते हैं, लेकिन वास्तविक सफलता व्यक्ति की मेहनत, योजना और अनुशासन पर ही निर्भर करती है। शुक्र-शनि का यह संयोग उन लोगों के लिए विशेष रूप से अनुकूल माना जा रहा है, जो लगातार प्रयास कर रहे हैं और सही समय की प्रतीक्षा में थे।

सपने में गंगा, इमारत सहित पांच चीजों का दिखना स्वप्नशास्त्र में माना गया है शुभ

स्वप्नशास्त्र में नींद में देखे गए सपनों का खास महत्व बताया गया है। मान्यता है की कुछ सपने हमें बेवजह नहीं आते हैं बल्कि इनके पीछे असल जीवन से जुड़ा कोई न कोई संकेत जरूर होता है। कई बार हम सपने में कुछ ऐसी चीजें देख लेते हैं जो डरा देती हैं या हकीकत नहीं हो सकती हैं। ऐसे सपनों का अर्थ भी स्वप्नशास्त्र में बताया गया है। सपने में गंगा नदी, इमारत बनते हुए देखना सहित कुछ चीजों का दिखना शुभ माना गया है। ये हमें जीवन में सकारात्मक बदलाव का संकेत दे सकते हैं। तो आइए विस्तार से जानें सपने में किन-किन चीजों का दिखना शुभ होता है।

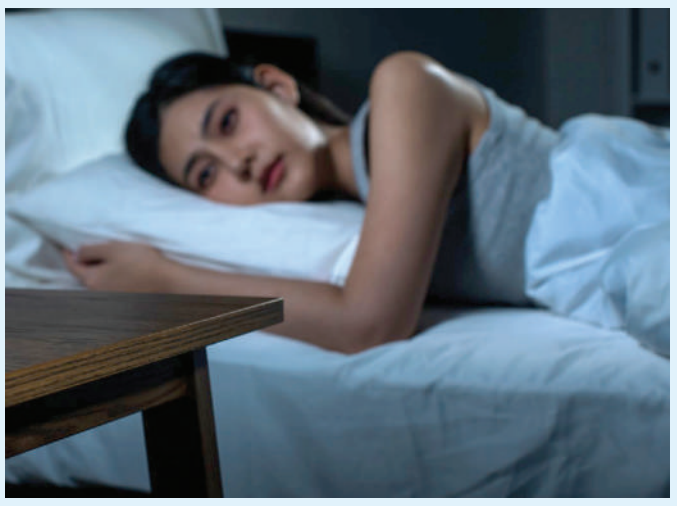

सपने में अर्थी देखना

कई बार हमें रात में अचानक से ऐसे सपने आ जाते हैं जो तुरंत आंखें खोल देते हैं। इसी प्रकार का स्वप्न है अर्थी को देखना। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, सपने में अर्थी देखना एक शुभ संकेत हो सकता है। इसका अर्थ है की अगर आप पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी किसी समस्या का सामना कर रहे थे तो अब उससे राहत मिल सकती है। यानी यह सपना स्वास्थ्य में सुधार और जीवन में सकारात्मकता का संकेत हो सकता है।

सपने में इमारत देखना

अगर आपने सपने में इमारत या किसी घर का निर्माण होते हुए देखा है तो इसे बहुत शुभ माना जाता है। इसका अर्थ है की जातक के जीवन में जल्द ही सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। स्वप्नशास्त्र के अनुसार, सपने में इमारत देखना तरक्की का संकेत माना जाता है। इसका मतलब हो सकता है कि अगर आप किसी महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए जा रहे हैं तो उसमें शुभ फल प्राप्त हो सकता है। साथ ही, आर्थिक मामलों में भी आपको लाभ मिल सकता है।

पेपर में फेल होने का सपना

कई बार स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट्स को सपने में अपनी परीक्षा में फेल होने का सपना आ जाता है। इस सपने से हम अक्सर घबरा जाते हैं। लेकिन स्वप्नशास्त्र की मानें तो पेपर में फेल होने का सपना एक अच्छा होता है। इसका मतलब है की आपको किसी शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है या जिस कार्य को आप करने जा रहे हैं उसमें अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

सपने में काला नाग देखना

स्वप्नशास्त्र के अनुसार, सपने में काला नाग देखना भी एक शुभ संकेत होता है। इसका अर्थ है की समाज में आपके सम्मान में वृद्धि हो सकती है। साथ ही, आपको कुछ क्षेत्र में लाभ के मौके मिल सकते हैं। लेकिन सही निर्णय लेना आवश्यक होगा। क्योंकि शास्त्रों में बताया गया है की जीवन में कर्मों के अनुसार ही फल प्राप्त होता है।

सपने में गंगा देखना

माना जाता है की अगर सपने में गंगा या आप उसमें खुद को स्नान करते हुए देखें तो इसे बेहद शुभ संकेत माना गया है। स्वप्नशास्त्र के अनुसार इस प्रकार के सपने का अर्थ होता है की जातक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रह सकती है। साथ ही, जीवन में पॉजिटिव चेंज देखने को मिल सकते हैं। हिंदू धर्म में गंगा नदी की विशेष मान्यता है। यही कारण है कि गंगा को सपने में देखना बेहद शुभ माना गया है।

सूर्य, मंगल, शनि कैसे करें कमजोर ग्रहों को मजबूत वैदिक ज्योतिष में 9 ग्रहों के 9 शक्तिशाली मंत्र

कुंडली में ग्रहों की शुभ स्थिति जातक को जीवन में सभी तरह की सुख-सुविधाएं प्रदान करती है। लेकिन जब ग्रह कमजोर होते हैं तो उसके प्रतिकूल परिणाम का सामना करना पड़ता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इन 9 ग्रहों की चाल का सीधा असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। वहीं जब ग्रह मजबूत होते हैं, तो जातक को उसका सीधा लाभ भी मिलता है। एस्ट्रोलॉजर सचिन मल्होत्रा ने कुंडली में इन ग्रहों को मजबूत बनाने के लिए उपाय बताए हैं। इनमें सबसे प्रमुख उपाय है ग्रहों से जुड़े मंत्रों का जाप करना। तो आइए जानते हैं नवग्रहों से जुड़े मंत्र और उनसे जातक को होने वाले लाभ।

नवग्रह और उनसे जुड़े मंत्र

सूर्य	ओम ह्रां हीं हीं सः सूर्याय नमः
चंद्रमा	ओम श्रीं श्रीं श्रीं चन्द्राय नमः
मंगल	ओम क्रां क्रीं की स. भौमाय नमः
बुध	ओम ब्रां ब्रीं श्रीं सः बुधाव नमः
बृहस्पति	ओम प्रां प्री ग्रौं सः गुरुवे नमः
शुक्र	ओम द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
शनि	ओम प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः
राहु	ओम भ्रां श्रीं श्रीं सः राहवे नमः
केतु	ओम खां सीं सौं सः केतवे नमः

सूर्य को मजबूत करने का मंत्र

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को ग्रहों का राजा माना जाता है। सूर्य की कृपा से ही व्यक्ति को जीवन में मान सम्मान, नौकरी और समृद्धि मिलती है। ऐसे में सूर्यदेव के मंत्र 'ॐ ह्रां हीं हीं सः सूर्याय नमः' का जाप करने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।

चंद्रमा को मजबूत करने का मंत्र

चंद्रमा को मन, भावनाओं और सुख-समृद्धि का कारक माना जाता है। कुंडली में इसकी स्थिति कमजोर होने पर कलह, मानसिक विकार दुर्बलता, धन की कमी जैसी समस्याएं सामने पैदा होती हैं। कुंडली में चंद्रमा को मजबूत बनाने के लिए 'ॐ श्रीं श्रीं श्रीं चन्द्राय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए।

मंगल को मजबूत करने का मंत्र

मंगल को साहस और पराक्रम का कारक ग्रह माना जाता है। जन्म कुंडली में मंगल के कमजोर होने पर जातक के साहस और ऊर्जा में निरंतर कमी रहती है। कुंडली मंगल को मजबूत करने के लिए मंगल के मंत्र 'ॐ क्रां क्रीं की स. भौमाय नमः' का जप करना चाहिए।

बुध को मजबूत करने का मंत्र

वैदिक ज्योतिष में बुध ग्रह को सबसे प्रबल ग्रह माना जाता है। कुंडली में बुध मजबूत हो तो जीवन में तरक्की और प्रसिद्धि प्राप्त होती है।

ऐसे में बुध को मजबूत करने के लिए 'ॐ ब्रां ब्रीं श्रीं सः बुधाव नमः' मंत्र का जप करना चाहिए।

बृहस्पति को मजबूत करने का मंत्र

कुंडली में बृहस्पति के शुभ प्रभाव से व्यक्ति को धन लाभ, सुख-सुविधा, सौभाग्य और लंबी आयु प्राप्त होती है। बृहस्पति कमजोर हो तो वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बृहस्पति को मजबूत करने के लिए 'ॐ प्रां प्री ग्रौं सः गुरुवे नमः' मंत्र का जप करना चाहिए।

शुक्र को मजबूत करने का मंत्र

वैदिक ज्योतिष में शुक्र को भौतिक सुख-सुविधाओं और प्रेम का कारक माना जाता है। कुण्डली में शुक्र मजबूत होने पर जातक को सभी तरह की सुविधा मिलती है। शुक्र को मजबूत करने के लिए 'ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए।

शनि को मजबूत करने का मंत्र

ज्योतिष में शनिदेव को कर्मफलदाता और न्याय का देवता कहा जाता है। अगर कुंडली में शनि कमजोर होता है तो जातक को जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन परेशानियों से बचने के लिए शनि 'ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः 'मंत्र का जप करना चाहिए।

राहु को मजबूत करने का मंत्र

ज्योतिष में राहु को छाया ग्रह माना जाता है। यह जीवन में अचानक होने वाली घटनाओं का कारक होता है। कुंडली में राहु की अशुभ स्थिति होने पर जातक को सफलता आसानी से नहीं मिलती। जीवन से तनाव को दूर करने और राहु को मजबूत करने के लिए राहु के मंत्र 'ॐ भ्रां श्रीं श्रीं सः राहवे नमः' का जप करना चाहिए।

केतु को मजबूत करने का मंत्र

कुंडली में केतु की कमजोर स्थिति होने पर जातक को जीवन भर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जीवन में कलह बनी रहती है। वैदिक ज्योतिष में केतु को वैराग्य और अचानक लाभ-हानि का कारण माना गया है। ऐसे में जीवन में कलह से बचने के लिए केतु के मंत्र 'ॐ खां सीं सौं सः केतवे नमः' का जप करना चाहिए।

कैसे कार्य करती है ज्योतिषी की भविष्यवाणी और कब गलत हो जाती है भविष्यवाणी?

फलितीय भविष्यवाणी और परामर्श में भेद जानना जरूरी है, ज्योतिषीय भविष्यवाणी कहती है, यह होगा, ज्योतिषीय परामर्श कहता है, ऐसा हो सकता है, यदि आप इस प्रकार कार्य-व्यवहार करें। इस सूक्ष्म अंतर से ही पता चलता है कि ज्योतिष नियति की मुहर नहीं है, संभावनाओं की खिड़की है। एक अच्छा ज्योतिषीय परामर्श व्यक्ति को यह सोचने पर प्रेरित करता है कि अगर मैं सचमुच अपने कर्म और निर्णयों की ज़िम्मेदारी लूं, तो मैं अपने जीवन की दिशा बदल सकता हूं? जब व्यक्ति एक सचेत निर्णयकर्ता बनता है, तो अपने कर्मों और चुनावों से जीवन की दिशा तय कर सकता है। जब भी कोई ज्योतिषी आपकी तरक्की की भविष्यवाणी करता है, तो उसकी सफलता में व्यक्ति के कर्म, योग्यता और योगदान की जरूरत रहती है। अगर व्यक्ति कर्म ही न करें, तो शुभ भविष्यवाणी पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है, लेकिन अशुभ घटनाएं जीवन में अपने आप घटित हो जाती हैं।

जन्मकुंडली है व्यक्ति के मन का नक्शा और समय का संकेत- बहुत से लोग सोचते हैं कि ज्योतिषी किसी जादुई दूरदर्शी की तरह बैठे होते हैं जो भविष्य देख लेते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ज्योतिषी आपकी जन्मकुंडली के संकेतों को पढ़ते हैं, जो संभावनाएं, प्रवृत्तियां और समय की प्रकृति को दर्शाते हैं। जन्मकुंडली व्यक्ति के ग्रहों का नक्शा और समय का संकेत है जो दिखाता है कि आपके जीवन में कौन-कौन से द्वार कब-कब खुल सकते हैं और आपको किन अनुभवों से गुजरने की संभावना है।

कौन-सा दरवाज़ा खोलना है, यह चुनाव व्यक्ति का स्वयं का होता है। यदि आप केवल यह जानना चाहते हैं कि क्या होने वाला है?, तो आप केवल परिस्थितियों पर निर्भर हैं। लेकिन यदि आप यह जानना चाहते हैं कि मैं क्या कर सकता हूं?, तो आप एक सचेत मनुष्य हैं और वहीं से ज्योतिष सार्थक हो जाता है। ज्योतिषी जातक को संकेत दे सकता है, संभावनाएं दिखा सकता है, शुभ और अशुभ समय की प्रवृत्तियों से अवगत करा सकता है, लेकिन व्यक्ति का निर्णय ही उसका भाग्य तय करता है। ज्योतिष विद्या सफलता के माप दण्ड के लिए व्यक्ति को स्वयं को बदलने का अवसर देता है क्योंकि ग्रह संकेत देते हैं, निर्णय व्यक्ति का रहता है।

कैसे पहचानें घर का वास्तु दोष? ये चीजें देती हैं संकेत

घर ऐसी जगह है, जहां दिनभर की थकान के बाद मन को शांति मिलती है। वास्तु शास्त्र की मानें तो घर की बनावट, दिशा और अंदर रखी चीजों का हमारे जीवन पर गहरा असर पड़ता है। अगर घर सही दिशा और नियमों के अनुसार बना होगा, तो उसमें सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए, तो वही घर धीरे-धीरे परेशानियों का कारण भी बन सकता है। इसे वास्तु दोष कहा जाता है। अक्सर लोग यह समझ नहीं पाते कि उनकी रोजमर्रा की दिक्कतों का संबंध घर से भी हो सकता है। जब बिना किसी वजह के घर के लोग बार-बार बीमार पड़ने लगें, दवाइयों पर खर्च बढ़ता जाए और ठीक होने के बाद भी कमजोरी बनी रहे, तो इसे सिर्फ संयोग मानकर टालना सही नहीं होता। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दिशा, रोशनी और हवा का असंतुलन स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। खासतौर पर जब एक ही तरह की बीमारी बार-बार उभरकर सामने आए, तो यह घर की नकारात्मक ऊर्जा का संकेत माना जाता है। घर का माहौल अगर हमेशा तनाव से भरा रहे, छोटी-छोटी बातों पर झगड़े हों और बिना कारण गुस्सा बढ़ता जाए, तो यह भी एक चेतावनी हो सकती है। वास्तु में कहा गया है कि गलत दिशा में बने कमरे या अव्यवस्थित स्थान मन को अशांत करते हैं।

कई लोग देखते हैं कि घर में लगाए गए पौधे अचानक मुरझाने लगते हैं। पानी, धूप और देखभाल सब ठीक होने के बाद भी अगर पौधे बार-बार सूख जाएं, तो वास्तु शास्त्र इसे घर की ऊर्जा से जोड़कर देखता है। पौधों का स्वस्थ रहना घर में सकारात्मक माहौल का संकेत माना जाता है।

कामकाज में रुकावटें आना, मेहनत के बाद भी सफलता न मिलना और बार-बार असफलता का सामना करना भी कई बार घर के वातावरण से जुड़ा माना जाता है। इसके अलावा, कुछ घरों में इलेक्ट्रॉनिक सामान बार-बार खराब हो जाता है। इससे न सिर्फ परेशानी बढ़ती है, बल्कि खर्च भी बढ़ता है। वास्तु शास्त्र में इसे असंतुलित ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है।

समाधान के तौर पर वास्तु शास्त्र कहता है कि सबसे पहले घर को साफ-सुथरा रखें। साथ ही अगर घर का निर्माण करा रहे हैं तो रोशनी और हवा आने की जगह का खास ख्याल रखें।

संपादकीय

'आयरन डोम' की दोस्ती

प्रधानमंत्री मोदी ने जैसे ही इजरायल की संसद को संबोधित किया, वह प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री बन गए, लेकिन 18 देशों की संसद को संबोधित करने वाले वह एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। यह किसी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की ताकत है। प्रधानमंत्री के जरिए भारत का सम्मान और कीर्तिमान सामने आया है। भारत विश्व की एक महाशक्ति है, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था है और सबसे विशाल, सशक्त लोकतंत्र है। यह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी माना और ज्ञापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे देश में दोबारा गए, जिसे 10 अरब देश मान्यता ही नहीं देते, लेकिन किसी भी मुस्लिम देश ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे का घोषित विरोध नहीं किया। वैसे भारत में भी वामपंथी किस्म की ताकतें चिलचिलाती रही हैं कि इजरायल की मान्यता रद्द करें। इजरायल को भारत ने मान्यता 1992 में तब दी थी, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और कुछ वामपंथी सांसद भी उस अल्पमत सरकार को समर्थन दे रहे थे। बहरहाल महत्वपूर्ण सवाल यह है कि करीब 1.20 करोड़ की आबादी वाला इजरायल, मेघालय राज्य के लगभग बराबर, 147 करोड़ से अधिक की सर्वाधिक आबादी वाले भारत के लिए इतना जरूरी और रणनीतिक साझेदार क्यों है? क्योंकि नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआई, साइबर सुरक्षा, हाईटेक विनिर्माण, सेवाओं, रेगिस्तान में खेती, पानी प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग के संदर्भ में इजरायल भी भारत का आजमाया हुआ मित्र-देश है। वह भारत को 'हैरोन ड्रोन' देगा, जो 35,000 फुट की ऊंचाई पर लगातार 45 घंटे तक और 470 किग्रा सामान लेकर उड़ने में सक्षम है। इजरायल ड्रोन प्रौद्योगिकी का 'मास्टर देश' है। वह नवाचार का भी 'पॉवरहाउस' है। उसने कृषि में क्रांति की है और वह 'आयरन डोम' वायु रक्षा प्रणाली वाला देश है, जिसकी सफलता-दर 90 फीसदी के करीब है। खुफियागीरी में 'मोसाद' के कारनामे अद्वितीय हैं। राजधानी दिल्ली से आधे से भी छोटा देश और भारत का तीसरा सबसे बड़ा रक्षा-सहयोगी और रणनीतिकार देश..! सबसे अधिक 36 फीसदी रक्षा उत्पाद और हथियार आदि रूस और 33 फीसदी फ्रांस हमें सप्लाई करते हैं, लेकिन 13 फीसदी का योगदान इजरायल का भी है। 'आयरन डोम' ऐसा सिस्टम है, जो इजरायल ने सिर्फ अमरीका को ही दिया है और अब भारत को मुहैया करा सकता है। दोनों देशों के बीच रक्षा और व्यापार समझौतों की घोषणा में स्पष्ट हो जाएगा कि इजरायल हमें किन आधारों पर 'आयरन डोम' देगा। वाकई यह भारत-इजरायल की 'आयरन डोम' दोस्ती और भाईचारे का नया अध्याय है। दोनों देशों के संबंध 2000 साल पुराने हैं। इसका प्रधानमंत्री मोदी ने उल्लेख किया है और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी कहा है कि दोनों प्राचीन सभ्यताओं वाले देश हैं। भारत यहूदियों का अपना 'घर' है। भारत के प्रमुख शहरों में यहूदी बसे हुए हैं। प्रताडऩा या शोषण अथवा हिंसा का कोई भी प्रमुख मामला सामने नहीं है। बल्कि भारत में इजरायल के सबसे अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं और भारत सरकार भी उनकी मदद कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों को आतंकवाद से पीड़ित माना और मुंबई के 26/11 आतंकी हमले और इजरायल में 7 अक्तूबर, 2023 को हमास के नरसंहार को एकसमान करार दिया। हमास नरसंहार की निंदा की। प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद के मंच से कहा कि नागरिकों की हत्या किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं है। बहरहाल भारत-इजरायल की 'आयरन डोम' दोस्ती और साझेदारी परवान चढ़ रही है।

प्रधानमंत्री के जरिए भारत का सम्मान और कीर्तिमान सामने आया है। भारत विश्व की एक महाशक्ति है, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था है और सबसे विशाल, सशक्त लोकतंत्र है। यह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने भी माना और ज्ञापित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे देश में दोबारा गए, जिसे 10 अरब देश मान्यता ही नहीं देते, लेकिन किसी भी मुस्लिम देश ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे का घोषित विरोध नहीं किया। वैसे भारत में भी वामपंथी किस्म की ताकतें चिलचिलाती रही हैं कि इजरायल की मान्यता रद्द करें। इजरायल को भारत ने मान्यता 1992 में तब दी थी, जब केंद्र में कांग्रेस की पीवी नरसिम्हा राव सरकार थी और कुछ वामपंथी सांसद भी उस अल्पमत सरकार को समर्थन दे रहे थे। बहरहाल महत्वपूर्ण सवाल यह है कि करीब 1.20 करोड़ की आबादी वाला इजरायल, मेघालय राज्य के लगभग बराबर, 147 करोड़ से अधिक की सर्वाधिक आबादी वाले भारत के लिए इतना जरूरी और रणनीतिक साझेदार क्यों है? क्योंकि नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआई, साइबर सुरक्षा, हाईटेक विनिर्माण, सेवाओं, रेगिस्तान में खेती, पानी प्रौद्योगिकी और रक्षा सहयोग के संदर्भ में इजरायल भी भारत का आजमाया हुआ मित्र-देश है। वह भारत को 'हैरोन ड्रोन' देगा, जो 35,000 फुट की ऊंचाई पर लगातार 45 घंटे तक और 470 किग्रा सामान लेकर उड़ने में सक्षम है। इजरायल ड्रोन प्रौद्योगिकी का 'मास्टर देश' है। वह नवाचार का भी 'पॉवरहाउस' है। उसने कृषि में क्रांति की है और वह 'आयरन डोम' वायु रक्षा प्रणाली वाला देश है, जिसकी सफलता-दर 90 फीसदी के करीब है। खुफियागीरी में 'मोसाद' के कारनामे अद्वितीय हैं।

राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है। संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है। ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को

नसीहत दे रहे हैं। जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा। भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्र व्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है। भारत मंडपम में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुद्दे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

कुछ अलग

बुरा मानिये होली है...

यही तो बात है बुरा मानने की आज होली है। यह कोई न्यू इयर अथवा वेलेंटाइंस डे थोड़े ही है, जो बुरा न मानें। यह होली है होली, जिसमें रंग के नाम पर कीचड़ पोता जा रहा है और शुभकामनाओं के नाम पर दी जा रही हैं, खुलेआम गाली। वैरभाव और ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाने की एवज दोगुना कर देती है होली। इसलिए सामने वाले पर गुस्सा कीजिये ताकि वह अपनी औकात में रहे। मुझे पता है वह बुरा न मानो होली है, का नारा देकर अपने भीतर की तमाम खटास निकालेगा, इसलिए उसको मौका ही क्यों दिया जाए कि वह आपकी साफ-सुथरी पोशाक को बदरंग बना दे और आपकी एकदम स्वच्छ छवि पर कालिख पोत जाए। होली पर बुरा इसलिए भी मानिये कि वह 'भाई साहब-भाई साहब' कहता हुआ आपके घर में घुसेगा और आपकी पत्नी से होली खेलने लगेगा। पत्नी के जिन गालों पर हाथ लगाते हुए आप खुद तीन बार सोचते हैं, वह 'भाभीजी-भाभीजी' कहता हुआ उनके गालों को लाल कर देगा। महिलाओं के साथ ऐसा बर्ताव बदतमीजी में माना गया है, इसलिए होली पर बुरा मानिये और अपनी पत्नी की इज्जत बचाइये। बुरा मानने की बात इसलिए भी है कि वह अभी आप द्वारा परोसी गई तमाम मिठाइयों और गुझिया को एक ही पल में चाट जाएगा और आपके मासूम माल खाने को तरस जाएंगे। बच्चों का हक बचाना है तो होली पर नाराज रहिये ताकि कोई इसके बहाने आपके घर मेहमान बनकर भी न आ सके। आपका माल मार रहा है और आप बुरा भी न मानें, यह नितांत गलत है। मान लिया आपके रंग लगाने, तक तो बात चल भी जाए, लेकिन उसने होली के बहाने आपके कुर्ता-पाजामा को तार-तार कर दिया है और आप भिखारी की भूमिका में आ गए हैं, तो आप क्या बुरा नहीं मानेंगे? अवश्य बुरा मानिये, उसने कृत्य ही ऐसा किया है।

देश दुनिया से

राहुल गांधी के शेर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर आजकल दुनिया के सब देशों में चर्चा चल रही है। कहा जा रहा है कि भविष्य इसी बुद्धिमता का बचा है। इसको लेकर चौथा विश्व सम्मेलन पिछले दिनों भारत की राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ था। इस सम्मेलन में दुनिया भर के वैज्ञानिक, उद्योगपति, राजनीतिज्ञ, विश्वविद्यालय, छात्र व अन्य लोग एकत्रित हुए थे। कई देशों के मुखिया इसमें भाग ले रहे थे। भारत के लिए यह सचमुच गौरव की बात थी कि इस वैश्विक सम्मेलन का आयोजन करने का अवसर उसे मिल रहा था। लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं ने इसमें गड़बड़ करने की शायद पहले से ही योजना बना रखी थी। उसके दस नेताओं ने इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करवा रखा था। इसके लिए यकीनन गुप्त रूप से तैयारी की गई होगी। किसी प्रेस से टी-शर्ट पर नरेंद्र मोदी की टीका टिप्पणी वाला चित्र छपवाया गया। उस टी शर्ट पर एक दूसरी साधारण कमीज पहन ली गई। पंजीकरण तो था ही। इस प्रकार कांग्रेस के ये दस नेता भारत मंडपम में दाखिल हो गए। कांग्रेस के इन नेताओं ने वहां विश्वभर के लोगों के सामने अपने शरीर के ऊपरी भाग के कपड़े उतार दिए। शुरू में तो वहां एकत्रित लोगों ने यही समझा कि ये भी शायद एआई से निर्मित भारत के रोबोट हैं जिनका प्रदर्शन किया जा रहा है। सम्मेलन के शुरू में ही गलगोटिया विश्वविद्यालय ने एक कृत्रिम चीनी कुत्ते को अपना कह कर भद्द पिटवा ली थी। इसलिए नारे लगाते इन दस लोगों को देख कर शुरू में भ्रम होना ही था कि शायद भारत निर्मित रोबोट हैं। कुछ लोगों ने तो यह भी समझा होगा कि भारत ने एआई के क्षेत्र में इतनी बड़ी छलांग लगा ली है कि वह आर्गेनिक एआई तक पहुंच गया है जहां रोबोट मनुष्यों की तरह सोचता भी है। चेतना युक्त रोबोट। लेकिन फिर इन दस नेताओं ने अलग अलग मुद्राओं में नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए। इनका कहना था कि ये वहां नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए गए थे। कुछ दिन बाद सोनिया गान्धी परिवार के राहुल गान्धी ने स्वयं ख़ुलासा किया कि ये उसके 'शेर' थे। अब मामला साफ हो गया था कि यह सारी करतूत किसकी और क्यों थी। पहले चीनी कुत्ते ने भद्द पिटवाई और अब राहुल गान्धी के दस शेरों ने। प्रदर्शन करना कोई बुरी चीज नहीं है। यह समय समय पर करते रहना चाहिए। उससे पता चलता रहता है कि इस दिशा में भी देश कितनी प्रगति कर रहा है। इस काम के लिए भारत ने तो स्थान और सुविधा भी दे रखी है। दिल्ली में ही जहां राहुल गान्धी के दस शेर भारत मंडपम में घुस गए गए थे, सरकार ने जंतर मंतर पर प्रदर्शनों की सब प्रकार की 'सुविधापूर्ण प्रदर्शन स्थली' बना रखी है। लेकिन इन दस शेरों को शायद दुनिया के आगे नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करना था। परन्तु एक और प्रश्न भी पैदा होता है। यह विश्व सम्मेलन तो 'भारत' का था। यह सम्मेलन मोदी का नहीं था। यहां प्रदर्शन या विरोध का अर्थ था भारत का विरोध। यहां लगाए गए नारे परोक्ष रूप से भारत के खिलाफ लगाए गए नारे ही थे। दरअसल जब कोई व्यक्ति या संस्था अपनी सामान्य बुद्धि से कार्य करती है तो वह कार्य तार्किक हो सकता है। लेकिन जब किसी व्यक्ति या संस्था का संचालन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से किया जाने लगे तो उसका विश्लेषण सामान्य पैमानों से नहीं किया जा सकता। उदाहरण के लिए यदि प्रश्न पूछा जाए कि कृत्रिम बुद्धि से संचालित व्यक्ति कैसा व्यवहार कर सकता है, तो इसके कई उत्तर हो सकते हैं, मसलन वह आग में भी कूद सकता है, समुद्र में भी छलांग लगा सकता है, हवा में भी उड़ सकता है, भरी सभा में अपने कपड़े भी उतार सकता है, किसी को खंजर भी घोंप सकता है। यही कारण है कि आजकल जहां एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभों की चर्चा हो रही है वहीं उसके नुकसानों पर भी चर्चा होने लगी है। एआई की सीमा यह है कि उसका नियंत्रण किसी दूसरे के हाथ में होता है। जैसे कठपुतलियों का नाच बगैरह। लेकिन कई बार गड़बड़ हो जाती है। विवाह में नाचने वाली कठपुतली फिजिक्स के सेमिनार में नाचने लगती है। यकीनन तब वहां शिरकत कर रहा कोई भी उसकी कला की प्रशंसा तो नहीं करेगा बल्कि कहेगा, इसको यहां से निकालो। यदि वही कठपुतली किसी विवाह स्थल पर अपनी कला का प्रदर्शन करेगी तो वाहवाही बटोरेगी। कांग्रेस के ये दस बड़े नेता जो भारत मंडपम में विविध भाव भंगिमाओं में अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे थे यकीनन वाहवाही तो नहीं ही बटोर रहे थे। लेकिन वाहवाही बटोरना उनका शायद उद्देश्य भी नहीं था। उनका उद्देश्य तो भारत की भद्द पिटवाना था। कोई भी मौका हो, कोई भी स्थान हो, वे भारत की भद्द पिटवाने का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देंगे। अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि गलगोटिया विश्वविद्यालय के चीनी कुत्ते के प्रकरण की भी बाकायदा जांच की जाए, वहां भी कहीं इन 'भद्द पिटवाने वाली जुंडली' के तार तो नहीं जुड़े हुए। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने अति उत्साह में आकर यह हरकत की है, शायद वे अपने नेताओं की नजर में अपनी कीमत बढ़वाना चाहते होंगे। शायद ऐसा मान भी लिया गया होता। इस थ्योरी का खंडन स्वयं राहुल गान्धी ने ही समय रहते कर दिया। उसके कहने का भाव यह था कि इन्हें कोई साधारण कार्यकर्ता न समझ लें। ये तो उसके 'शेर' हैं। इस मरहले पर डा. नवजोत कौर सिद्धु का ध्यान आता है। सिद्धु परिवार का राहुल गान्धी और प्रियंका गान्धी के साथ बहुत अपनत्व वाला संबंध रहा है। अपने इन लंबे संबंधों का विश्लेषण करते हुए कुछ दिन पहले ही डा. सिद्धु ने राहुल गान्धी पर टिप्पणी करते हुए दुःख प्रकट किया था कि वह 'पप्पू' के स्तर से ऊपर नहीं उठ पा रहा है। लेकिन भारतीय राजनीति का दुखान्त इतना ही नहीं है। वह इससे भी आगे जाता है। उसकी मां इस बात पर जिद्द किए बैठी हैं कि इसे हर हालत में भारत का प्रधानमंत्री बनाना है। बस एक छलांग ही तो बची है। अब 'विपक्ष के नेता' तक की सीढ़ी पर तो बैठे ही हैं। राहुल गान्धी की भी अपनी जिद्द है। जब तक प्रधानमंत्री नहीं बना देते तब तक मेरे ये 'शेर' हर जगह, मौके बेमौके ऐसे ही घूमेंगे। लेकिन लगता है पानी सिर से गुजरने लगा है। कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने वाले इन दस नेताओं की पिटाई वहां की साधारण जनता ने कर दी। क्या कांग्रेस या राहुल गान्धी इस प्रकरण से कुछ सीखेंगे? जिन्होंने हरियाणा, बिहार, महाराष्ट्र के चुनावों से कुछ नहीं सीखा, वे अब अपनी ही इन रोबोटनुमा हरकतों से भला क्या सीख सकते हैं। अलबत्ता भारत के लोग इससे अवश्य सीख लेंगे कि यह कांग्रेस अब महात्मा गान्धी वाली कांग्रेस नहीं रही, जिस प्रकार हिमाचल वाली कांग्रेस राजा वीरभद्र वाली कांग्रेस नहीं रही। अब कांग्रेस कृत्रिम बुद्धि से संचालित होती है। इस कृत्रिम बुद्धि का चाकू किसी सही व्यक्ति के हाथ में हो तो सर्जरी के काम आता है और किसी दूसरे के पास चला जाए तो गला काटने के काम आता है। राहुल गान्धी के ये शेर भारत मंडपम में यही काम कर रहे थे।

आप का नज़रिया

पुलिस के बीच दिल्ली-हिमाचल

न तुम बेवफा थे, न हम बेवफा हैं। यह उस बहस का नतीजा है जो दिल्ली और हिमाचल पुलिस के बीच एक हाई वोल्टेज ड्रामा समझा गया। नजारा इसके भीतर और देश के मौजूदा हालात के दरमियान है। देश की कानून व्यवस्था बैलगाडियों पर ढोई जा रही है। माजरा यह है कि देश में सबसे बड़ा एआई इवेंट इस वजह से खराब होता दिखाई दे रहा है कि कहीं कांग्रेस के युवा सिपाहियों ने कमीज उतार कर विरोध कर दिया। अहम किरदार उस कांग्रेसी में आ गया, जो अब मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का जज्बा रखता है। अब हालात की परेशानी में देश की सरकार उन्हें ढूंढ रही है जिनकी बनियान पर एआई का विरोध छपा था। इसी लुका-छिपी की एक कहानी हिमाचल की मेजबानी बन गई। यह गजब का इश्क है तेरे फरमानों में, ढूंढने लगे हो अपने खत मेरे तहखानों में। यानी पहले रात के अंधेरे में दिल्ली पुलिस ने हिमाचल भवन और सदन की खाक छानी, तो छवि की रेत झरने लगी और अब रोहड़ू तक पहुंच कर, 'इंकलाब जिंदाबाद' के खिलाफ धावा बोला गया। जाहिर है सत्ता के कारण हिमाचल अब कांग्रेस की दरगाह है, तो सारे कर्मकांड यहीं से निभाए जाएंगे। हैरानी तब हुई जब कांग्रेस के मक्का से युवा ब्रिगेड का मुकाम छीनने के लिए एक-दो नहीं, दिल्ली पुलिस के बीस लोगों का जत्था घुसपैठ करने के इरादे से, हिमाचल को ऐसे अपराध की जननी मान बैठा, जो हकीकत में एक बुलबुला था। दिल्ली से वाकई शिमला दूर है और शिमला से रोहड़ू भी नजदीक नहीं है, इसलिए चौकसी में मशहूर हिमाचल पुलिस ने हिम्मत दिखाते हुए केंद्र की पुलिस में मुजरिम खोजने का नाका लगा दिया। लोगों की नींद इसलिए तो कभी हराम नहीं होती कि कौन सोलर लाइट की बैटरी चुरा रहा है या स्मार्ट सिटी की टाइलें बिना हील हुज्जत के क्यों टूट रही हैं, लेकिन जब पुलिस बनाम पुलिस के मुकाबले में हमारी पुलिस वाकई नजर आए तो हम वीर भूमि बनते जरूर नजर आए। तीन युवा कांग्रेसी अगर कांग्रेसी सत्ता के राज्य में सुरक्षित नहीं, तो फिर अगली बार सरकार कैसे बनेगी। दूसरी ओर एआई के पंडाल में देश की हरकतों में अगर चीन का 'रोबो कुत्ता' बदनाम न होता, तो कांग्रेस के नसीब में यह संघर्ष भी न आता। वैसे रोबोट के किस्से तो देश में पुराने हो गए, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री ही स्कूल में इसे बना चुके हैं और इधर हिमाचल भी कम नहीं। प्रगतिशील राज्य के मेडिकल कालेजों के रोबोट सर्जरी कर रहे हैं, तो हम विज्ञान की मिसाल हैं। इससे पूर्व भी केंद्र की शान में हिमाचल आगे रहा है, जब एक प्रतिष्ठित पत्रकार स्व. विनोद दुआ के खिलाफ देशद्रोह का मामला बहुत पहले शिमला की कमान में ही बना था। पता नहीं दिल्ली पुलिस के जत्थे ने हिमाचल आकर यहां का कितना पानी पिया, लेकिन पहाड़ का पानी पिये बिना दिल्ली पुलिस रह नहीं सकती। लोग पूछ रहे हैं कि हिमाचल पुलिस को क्या आन पड़ी थी कि मीडिया की भी रात काली कर दी, लेकिन यह अवसर फिर पता नहीं कब आता। अंततः हिमाचली अधिकारों पर तो केंद्र आज तक नहीं जागा। वाटर सैस पर चुप्पी धारण किए केंद्र को कैसे समझाएं कि इसके जरिए हमने आत्मनिर्भर बनना है। शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद भी केंद्र को कैसे बताएं कि यह करंट हमारा है। हम न तो अपनी कोमल-पवित्र हवाएं रोक सकते, न पानी के स्रोत रोक सकते, लेकिन दिल्ली पुलिस को रोक कर बता दिया कि हमारी कानून दृष्टि कितनी अधिकृत है। यह दीगर है कि किसी तरह दिल्ली पुलिस तीन कांग्रेसी युवाओं को अपने साथ ले गई, लेकिन संदेश भी दिया जा चुका है। आइंदा हिमाचल से किसी कांग्रेसी नेता को उठाना है, तो पहले प्रदेश पुलिस को बताना होगा। हम बहस कर सकते हैं कि हिमाचल के हर थाने में बताते हुए भी पुलिस इतना जबरदस्त एक्शन नहीं लेती, तो दिल्ली पुलिस को क्यों रोक दिया। हमारी भूल है थानों में अब सिर्फ पुलिस नहीं होती, वहां क्षेत्रीय नेताओं का दबदबा होता है। हर एफआईआर एक कहानी है। इसलिए पुलिस बनाम पुलिस के बीच एफआईआर तो देखी गई, मगर आर्डर सिर्फ पुलिस के विवेक, समझ और रूटीन से नहीं, उस आंदोलन से निकले हैं जिसने बताने की कोशिश की कि चीन का 'रोबो डॉग' हमारी एआई उपलब्धियों का नजराना नहीं। केंद्र कितने प्रयास से युवा कांग्रेसियों को पकड़ रही है, लेकिन इन गिरफ्तारियों से यह सिद्ध हो जाता है कि कांग्रेस अब संघर्ष से गहरी चोट पहुंचा सकती है।

देश की कानून व्यवस्था बैलगाड़ियों पर ढोई जा रही है। माजरा यह है कि देश में सबसे बड़ा एआई इवेंट इस वजह से खराब होता दिखाई दे रहा है कि कहीं कांग्रेस के युवा सिपाहियों ने कमीज उतार कर विरोध कर दिया। अहम किरदार उस कांग्रेसी में आ गया, जो अब मोदी सरकार के खिलाफ संघर्ष करने का जज्बा रखता है। अब हालात की परेशानी में देश की सरकार उन्हें ढूंढ रही है जिनकी बनियान पर एआई का विरोध छपा था। इसी लुका-छिपी की एक कहानी हिमाचल की मेजबानी बन गई। यह गजब का इश्क है तेरे फरमानों में, ढूंढने लगे हो अपने खत मेरे तहखानों में। यानी पहले रात के अंधेरे में दिल्ली पुलिस ने हिमाचल भवन और सदन की खाक छानी, तो छवि की रेत झरने लगी और अब रोहड़ू तक पहुंच कर, 'इंकलाब जिंदाबाद' के खिलाफ धावा बोला गया। जाहिर है सत्ता के कारण हिमाचल अब कांग्रेस की दरगाह है, तो सारे कर्मकांड यहीं से निभाए जाएंगे। हैरानी तब हुई जब कांग्रेस के मक्का से युवा ब्रिगेड का मुकाम छीनने के लिए एक-दो नहीं, दिल्ली पुलिस के बीस लोगों का जत्था घुसपैठ करने के इरादे से, हिमाचल को ऐसे अपराध की जननी मान बैठा, जो हकीकत में एक बुलबुला था।

दृष्टि कोण

प्रशिक्षकों को नगद ईनाम कब?

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है? कबड्डी में भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी सहित कई खिलाडियों को कोच रतन ठाकुर ने तराशा है तथा दर्जनों अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी तैयार करने वाली कोच स्नेह लता क्या वह नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं। इसी तरह अन्य खेलों के प्रशिक्षक भी हैं। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है, जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाले प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है,

मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज मस्ती कर रहा है वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है। खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। यह शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक है। आपको प्रेम की गहराई का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ऐसी गतिविधियों में शामिल हों जो रोमांचक हों और आपको सुकून दें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा-बहुत तनाव भी पैदा होगा। पुरानी यादों को ज़ेहन में ज़िंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताज़ा करने का वक़्त है। सेमिनार में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। अपने काम से आराम लेकर आज आप कुछ समय अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। अगर आप किसी परिस्थिति से घबराकर भागेंगे– तो वह आपका पीछा हर निकृष्ट तरीक़े से करेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

असुरक्षा के चलते आप असमंजस में फँस सकते हैं। तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। लोग आपको आशाएँ और सपने देंगे, लेकिन असल में सारा दारोमदार आपके प्रयासों पर रहेगा। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। अपने जिगरी यारों के साथ आज आप खाली समय का आनंद लेने का विचार बना सकते हैं। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी सेहत का ख़याल रखें। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक सीखने की ज़रूरत है, जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जीवन-साथी की सेहत को ठीक तरह से ध्यान दिए जाने और देखभाल की ज़रूरत है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। घरेलू मामलों पर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। इस राशि के उग्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपके माता पिता आपकी फिज़ूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। बच्चों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए थोड़ा समय अलग से निकालें। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। नए प्रस्ताव आकर्षक होंगे, लेकिन जल्दबाज़ी में निर्णय लेना समझदारी का काम नहीं हैं , अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाव नहीं हो पाएंगे. आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 फरवरी 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 08:45 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु प्रातः 09:35 तक
योग : सौभाग्य सायं 05:01 तक
करण : बव प्रातः 09:38 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 06:14 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस,मेला खाटूश्यामजी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हमारे दो साल का मतलब पक्के इरादे-ठोस नीतियां : भजनलाल

जयपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हमारी जनकल्याणकारी नीतियों और बड़े आर्थिक सुधारों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमारा दृष्टिकोण टकराव और विरोध का नहीं, समाधान और विकास का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नवाचार, सुधार और सतत प्रयास से राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने की दिशा में हम अग्रसर हैं। राजस्थान भी भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक मजबूत ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को तेज रफ्तार से विकास करना है तो हमे भविष्य की ओर देखकर ही चलना होगा। प्रति व्यक्ति आय पहली बार 2 लाख रुपये पार शर्मा ने कहा कि हमारे दो साल के अब तक के कार्यकाल में पक्के इरादों और ठोस नीतियों से राजस्थान में नई कार्य संस्कृति का उदय हुआ है। आधे समय में ही हमारी सरकार में काम ज्यादा हुए हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय पहली बार बढ़कर 2 लाख 2 हजार 349 रुपये होने जा रही है। वर्ष 2023-24 की (1 लाख 67 हजार 27 रुपये) की तुलना में इसमें लगभग 21.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र सहित हर सेक्टर में प्रगति हो रही है। वर्ष 2026-27 का बजट 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये है। वर्ष 2023-24 की तुलना में यह लगभग 41 प्रतिशत अधिक है।

शर्मा ने कहा कि वर्ष 2026-27 में राज्य की जीएसडीपी लगभग 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत से भी अधिक वृद्धि है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्षों में जीएसडीपी में लगभग 6 लाख 10 हजार 544 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। लेकिन हमारी सरकार के 2 साल के कार्यकाल में ही 6 लाख 30 हजार 37 करोड़ रुपये से अधिक वृद्धि का अनुमान है। हमारे आर्थिक सुधारों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रयासों

के कारण औसत वृद्धि दर गत सरकार के 10.92 से बढ़कर 12.25 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि स्थिर मूल्यों पर यह दर पिछली सरकार के पांच साल में केवल 5.3 प्रतिशत थी। लेकिन हमारे सिर्फ दो साल में ही यह बढ़कर 8.7 प्रतिशत हो गई है।

वर्ष 2026-27 में राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 25 हजार 740 करोड़ रुपये अनुमानित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्व बढ़ाने के ठोस और योजनाबद्ध प्रयास किए हैं। वर्ष 2026-27 में प्रदेश की कुल राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 25 हजार 740 करोड़ रुपये अनुमानित हैं, जो गत वर्ष से 14.08 प्रतिशत अधिक है। आज की अनुमानित प्राप्तियां गत सरकार के अंतिम वर्ष से लगभग 60 प्रतिशत अधिक हैं। शर्मा ने कहा कि वर्ष 2024-25 में हमारी सरकार ने अब तक का सबसे अधिक 30 हजार 700 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया। इससे प्रदेश में नयी सड़कें बनी, पुलों का निर्माण हुआ, औद्योगिक इकाइयां स्थापित हुईं और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए आधारभूत संरचनाओं पर 53 हजार 978 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है, जो कि गत सरकार के अंतिम वर्ष 2023-24 में किए गए 26 हजार 646 करोड़ रुपये के मुकाबले दो गुने से भी अधिक है। आगामी वर्ष में राज्य का कुल पूंजीगत व्यय 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा। गत सरकार के कार्यकाल में औसत पूंजीगत व्यय जीएसडीपी का मात्र 1.64 प्रतिशत ही था, वहीं हमारी सरकार में यह औसत लगभग 2.51 प्रतिशत रखा जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2026-27 में राजकोषीय घाटा 3.69 प्रतिशत पर सीमित रखा है, जबकि गत सरकार के अंतिम वर्ष में यह 4.31 प्रतिशत था। इसी तरह गत सरकार में पांच वर्षों का औसत राजकोषीय घाटा 4.34 प्रतिशत रहा, जबकि हमारी सरकार के तीन वर्षों का औसत केवल 3.94 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि डेब्ट-जीएसडीपी अनुपात 36.8 प्रतिशत पर रखने का प्रावधान किया है।

नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, ट्रेलर से टकराई स्लीपर बस, 6 यात्रियों की दर्दनाक मौत

बालोतरा, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

जिले के सरवड़ी गांव के पास नेशनल हाईवे पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्लीपर बस और ट्रेलर के बीच हुई यह भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बस का ड्राइवर साइड वाला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। हादसे के बाद बस की खिड़कियों और क्षतिग्रस्त हिस्से से यात्रियों के शव लटके दिखाई दिए, जिससे मौके पर मौजूद लोगों का दिल दहल गया।

मचा हड़कंप, बढ़ सकता है मौत का आंकड़ा

हादसे में 6 यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों की नाजुक स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। एम्बुलेंस की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हादसे के सही कारणों (तेज रफ्तार या ओवरटेकिंग) की जांच की जा रही है।

घरेलू गैस कालाबाजारी के विरुद्ध प्रदेशव्यापी स्ट्राइक

12 दिनों में 3080 सिलेंडर जब्त, 634 प्रकरण दर्ज

जयपुर, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू एलपीजी के दुरूपयोग, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग, भण्डारण, व्यावसायिक उपयोग को रोकने एवं मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुँचाने के लिए राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्यवाही की है। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार 16 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक प्रदेश भर में दो सप्ताह के विशेष सघन अभियान संचालित किया गया। विभाग द्वारा गठित विशेष प्रवर्तन दलों ने राज्य के सभी जिलों में गैस एजेंसियों, गोदामों, होटल-ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ दबिश दी। राज्य भर में कुल 2416 प्रतिष्ठानों और संदिग्ध स्थलों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान अवैध रिफिलिंग और दुरुपयोग के 634 प्रकरण दर्ज

किए गए, जिनमें 3080 घरेलू एवं व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए गए। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर 17 मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। शेष प्रकरणों में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' के तहत विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु 3,967 लाभार्थियों का मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया।

मंत्री सुमित गोदारा ने अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग और अवैध रिफिलिंग न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि यह आमजन की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्होंने अधिकारियों को औचक निरीक्षण और विशेष अभियान भविष्य में भी नियमित अंतराल पर जारी रखे जाने हेतु निर्देशित किया ।

दिल्ली में शांतिपूर्ण प्रदर्शनरत युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, लोकतंत्र पर हमला: राव नरेंद्र सिंह

चंड़ीगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान दिल्ली में सरकार की नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण ढंग से अपनी असहमति दर्ज करा रहे भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने तीव्र आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक अधिकारों पर सीधा आघात करार दिया है। राव नरेंद्र सिंह ने कहाकि युवा कांग्रेस के ये कार्यकर्ता पूर्णतः संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से किसानों, युवाओं एवं देश के हित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की सत्ताधारी सरकार असहमति की आवाज को दबाने के लिए पुलिस बल का दुरुपयोग कर रही है, जो लोकतंत्र की मूल भावना के प्रतिकूल है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, न कि कोई तानाशाही व्यवस्था। संविधान द्वारा प्रदत्त शांतिपूर्ण विरोध करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्रत्येक नागरिक को प्राप्त है। इन गिरफ्तारियों के माध्यम से सरकार न केवल युवाओं की आवाज को कुचलने का प्रयास कर रही है, बल्कि संविधान के मौलिक अधिकारों पर भी हमला बोल रही है। ऐसे कदम देश में सरकार के प्रति जनता के असंतोष को और अधिक बढ़ावा देंगे।

राव नरेंद्र सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे एकजुट रहें तथा लोकतांत्रिक मूल्यों एवं जनहित के मुद्दों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करते रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अन्याय एवं दमन के विरुद्ध कभी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने सरकार के इस कृत्य को सरासर असंवैधानिक एवं अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा, सरकार कितने भी प्रयास कर ले, कांग्रेस कार्यकर्ता न डरेंगे, न झुकेंगे। हम तानाशाहीपूर्ण रवैये के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेंगे तथा जनता की आवाज को बुलंद करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार गिरफ्तार किए गए युवा कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करें।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह घटना राजनीतिक हलकों में व्यापक चर्चा का विषय बनी हुई है तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष के इस वक्तव्य के दौरान दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, काजी निजामुद्दीन राष्ट्रीय सचिव एवं दिल्ली सह प्रभारी , विनोद जाखड़ एनस्युआई राष्ट्रीय अध्यक्ष , पर्ल चौधरी हरियाणा महिला अध्यक्ष , अविनाश यादव एनस्युआई प्रदेश अध्यक्ष ,निशित कटारिया यूथ कांग्रेस अध्यक्ष , सिताराम लांबा , दीपक चोटी वाला ,कृष्ण राव राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर किसान कांग्रेस , वर्धन यादव गुरुग्राम जिला अध्यक्ष,सविता कुंडू पलवल महिला जिला अध्यक्ष , पूजा शर्मा गुरुग्राम महिला जिला कांग्रेस सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सग्गा और समाना बाहु में जल्द शुरू होगा पीएचसी निर्माण कार्य: आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

आरती सिंह राव ने कहा है कि नीलोखेड़ी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सग्गा और समाना बाहु में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य को शीघ्र दोबारा शुरू कराया जाएगा। वह हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रही थीं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गांव सग्गा में पीएचसी भवन का लगभग 38 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका था, लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य रोक दिया गया। लोक निर्माण विभाग ने संबंधित एजेंसी का अनुबंध 5 जुलाई 2023 को समाप्त कर दिया था। संशोधित प्रशासनिक स्वीकृति के बाद तीन महीने के भीतर नई निविदा प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है। इसके उपरांत शेष निर्माण कार्य छह महीने के भीतर पुनः शुरू किया जा सकेगा। गांव समाना बाहु के संबंध में उन्होंने बताया कि यहां पीएचसी का करीब 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा होने के बाद एजेंसी ने काम बंद कर दिया था और लोक निर्माण विभाग के साथ विवाद को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दी थी। विभाग ने 20 जून 2024 को एजेंसी का अनुबंध समाप्त कर दिया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि लगभग छह महीने में निर्माण कार्य पुनः आरंभ हो जाएगा और उसके बाद इसे पूरा करने में करीब 12 महीने का समय लगेगा।

झूठ और भ्रम की राजनीति बेनकाब, पेंशन काटने का आरोप निराधार: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वृद्धावस्था पेंशन को लेकर विपक्ष द्वारा रखी गई बातों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्षी बुजुर्गों की पेंशन काटने जैसे संवेदनशील विषय पर झूठ और भ्रम फैलाकर सस्ती राजनीति चमकाने में लगे हैं। सरकार किसी की पेंशन छीनने नहीं, बल्कि हर पात्र व्यक्ति तक उसका हक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि विपक्षियों का क्या झूठ बोलकर राजनीति करना ही एकमात्र एजेंडा रह गया है? मुख्यमंत्री शुक्रवार को विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान राज्यपाल अभिभाषण पर विपक्षियों द्वारा रखी गई बात पर जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी सरकार पारदर्शी सिस्टम लेकर आई है। जो लूट कांग्रेस के समय चलती थी, उसे उनकी सरकार ने रोका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 1 लाख 30 हजार मामलों में कुछ गलतियां मिलीं, जो उम्र, आय इत्यादि से संबंधित थीं। इनकी पेंशन बंद नहीं की गई है। बल्कि, इन कमियों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को इतिहास भी याद रखना चाहिए। 1992 में कांग्रेस सरकार ने पहली बार 10 हजार रुपये की आय सीमा रखी और उस समय पेंशन 100 रुपये थी।

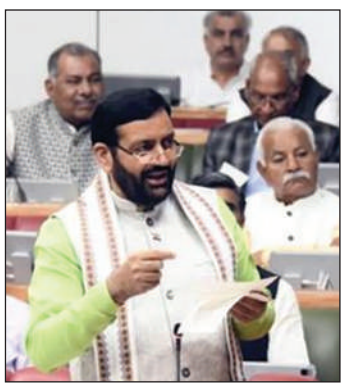

वर्षों तक उन्होंने सीमा नहीं बदली। वर्ष 1992 से लेकर वर्ष 2009 तक कांग्रेस व इनेलो की सरकारों ने ना तो आय सीमा हटाई और ना ही कभी बढ़ाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार ने वर्ष 2023 में आय सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये की और लाभार्थियों की संख्या 17 लाख 98 हजार तक पहुंचाई। आज 20 लाख से ज्यादा बुजुर्ग पेंशन ले रहे हैं। अगर पेंशन काटी गई होती, तो यह संख्या कैसे बढ़ती? इस सवाल का जवाब कौन देगा?

उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार ने 11 साल में पेंशन को 1,000 से बढ़ाकर 3,200 रुपये मासिक किया है। यह सबसे बड़ी 2,200 रुपये की बढ़ोतरी है। यह बुजुर्गों के सम्मान का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के समय में 50 हजार से अधिक अपात्र लोगों को पेंशन देने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में वर्ष 2011 में वृद्धावस्था पेंशन घोटाला सामने आया था। उसके अनुसार 50 हजार से अधिक ऐसे लोगों की पेंशन जारी की गई, जो या तो अपात्र थे या स्वर्गवासी हो चुके थे। उन्होंने कहा कि उस समय 16 जिलों में 15 लाख 98 हजार 126 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही थी। जब पेंशन लेने वालों को बैंक खाते खुलवाने के लिए कहा गया, तो केवल 11 लाख 44 हजार 98 लोगों ने ही खाते खुलवाए।

मदनूर में देवदया शाखा पर लोगों का रोष, हनुमान मंदिर की 14 एकड़ जमीन नीलामी पर विवाद

मदनूर, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर के स्थानीय जनता ने देवदया धर्मादाय शाखा के अधिकारियों पर गहरा रोष व्यक्त किया। विवाद तब उभरा जब शाखा ने मेनूर हनुमान मंदिर की 14 एकड़ जमीन को पट्टे पर देने के लिए सार्वजनिक नीलामी की घोषणा की। नाराज ग्रामीण शुक्रवार को ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और अधिकारियों से नीलामी के फैसले का विरोध किया।

जनता का कहना था कि उक्त 14 एकड़ जमीन पर अदालत में मामला चल रहा है और अदालत के आदेश का इंतजार किए बिना नीलामी कैसे घोषित की जा सकती है। अधिकारियों ने जवाब में कहा कि अदालत ने देवदया के पक्ष में फैसला सुनाया था और इसी आधार पर नीलामी की जा रही है। इसके बाद लोगों ने अदालत के फैसले की प्रति देखने की मांग की; अधिकारियों ने बताया कि फैसले की कॉपी कार्यालय में उपलब्ध है। लोगों ने फैसले की प्रति दिखाने के बाद ही नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की।

इसी विवाद के दौरान स्थानीय जनता ने मंदिर के खातों से संबंधित भी गंभीर आरोप उठाए। उनका आरोप है कि 2024 में हनुमान मंदिर के बैंक खाते में कुल 8,51,000 रुपये जमा हुए थे, जिस पर यूनियन बैंक ने 19,000 रुपये ब्याज दिखाया। आरोप यह भी है कि देवदया शाखा के अधिकारियों ने पूर्व मंदिर समिति और पूर्व समिति अध्यक्ष गोविंद पाटिल को सूचित किए बिना बैंक खाते से एक सेवक के नाम पर 60,000 रुपये निकाले गए। इस पर जनता ने अधिकारियों पर भरोसा टूटने और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया और मांग की कि मंदिर के सभी धन मंदिर के कामकाज के लिए ही उपयोग किए जाएं।

स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से नीलामी रोकने, अदालत के आदेश की सत्यापित प्रति सार्वजनिक करने और मंदिर के खातों का ऑडिट कराने की मांग की है। विवाद के बाद इलाके में तनाव देखने को मिला और लोगों ने इस मामले में त्वरित जांच और पारदर्शी कार्रवाई की अपील की है।

पूर्व सरपंचों ने पेंडिंग बिल भुगतान की मांग की

मदनूर, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । पूर्व सरपंच संघ के अध्यक्ष दारास वार सुरेश के नेतृत्व में मदनूर मंडल के विभिन्न गांवों के पूर्व सरपंचों ने मंडल पंचायत कार्यालय में उपस्थित होकर पेंडिंग बिलों का भुगतान करने की मांग की। प्रतिनिधि समूह ने मंडल पंचायत अधिकारी को अर्ज देकर बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान गांवों के विकास और ग्राम पंचायत की बुनियादी सुविधाओं के लिए बड़े पैमाने पर खर्च किए गए थे, परन्तु अब दो वर्ष बीत जाने के बाद भी संबंधित अधिकारी उनसे बकाया बिलों का भुगतान नहीं कर रहे हैं।

पूर्व सरपंचों ने कहा कि भुगतान न होने के कारण वे आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और जब तक बकाया बिल जारी नहीं किए जाते, उनका जीवन-यापन प्रभावित रहेगा। उन्होंने मंडल पंचायत अधिकारी से शीघ्र पेंडिंग बिलों का निपटान करने की विनती की।इस मौके पर पूर्व सरपंच ग़फ़ार, संतोष पाटिल, सूर्यकांत पाटिल, एम.के. पाटिल, राजू पाटिल सहित कई अन्य पूर्व सरपंच उपस्थित थे।

दावा स्वाति ने बेल्लमपल्ली नगर पालिका की चेयरपर्सन का पद संभाला

बेल्लमपल्ली, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दावा स्वाति ने शुक्रवार को बेल्लमपल्ली नगर पालिका की चेयरपर्सन के रूप में पदभार ग्रहण किया। विधायक गड्डम विनोद ने नई चेयरपर्सन दावा स्वाति और वाइस चेयरमैन सत्यनारायण को फूल भेंट कर बधाई दी। नगर आयुक्त संपत रेड्डी ने भी दावा स्वाति और वाइस चेयरमैन रागम शेट्टी सतीश का सम्मान किया।

पदभार ग्रहण के बाद दावा स्वाति ने कहा कि वे बेल्लमपल्ली को विकास का एक मॉडल बनाने की दिशा में काम करेंगी और जनता का भरोसा बनाए रखेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्षद बिना राजनीति के मिलकर शहर के समग्र विकास पर काम करेंगे। विधायक गड्डम विनोद ने लोगों के भरोसे और समर्थन के लिए आभार जताया और कहा कि वे शहर के सभी विकास कार्यों के लिए मेहनत करेंगे तथा जनता की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने पार्षदों से जनता द्वारा दिए गए अवसर का सही उपयोग करने और निस्वार्थ भाव से काम करने की अपील की। इस मौके पर नगर निगम के पार्षद, अधिकारी तथा कांग्रेस नेता मुचरलामल्लैया, नथारी स्वामी, कटकम सतीश और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विशेष अधिकारी ने की इंदिरम्मा आवास परियोजना प्रगति की समीक्षा

मदनूर, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंडल विशेष अधिकारी मोहन राव ने तेलंगाना सरकार के निर्देश पर मदनूर मंडल के पेड़ा शक्करगा ग्राम पंचायत का दौरा कर इंदिरम्मा आवास परियोजना की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में कुल 26 इंदिराम्मा आवासों का सीमांकन पूरा हो चुका है।

प्रगति के अनुसार इनमें से 25 आवास बेसमेंट स्तर तक पहुँचे हैं, 16 आवास छत के स्तर पर हैं, 13 आवास स्लैब स्तर तक बने हैं और 2 आवास पूरी तरह निर्मित हो चुके हैं। निरीक्षण के दौरान मंडल विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव रानी भी उपस्थित थे। मोहन राव ने ग्राम पंचायत कार्यालय व नैसर्गिक उद्यान का भी दौरा किया और पंचायत सचिव को आवास निर्माण में गति बढ़ाने के निर्देश दिए।

कागजनगर में 15 सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन, सुरक्षा सुदृढ़ करने की पहल

आसिफाबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कागज नगर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से 15 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना कर उद्घाटन किया गया। यह पहल कागजनगर पुलिस और भारतीय मेडिकल एसोसिएशन की साझेदारी से संभव हुई।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एसपी सुश्री नितिका पंत, आईपीएस ने भाग लिया और कैमरों का औपचारिक उद्घाटन किया। नई कैमरा प्रणाली पुराने किम्स अस्पताल के आसपास, बस स्टैंड, एनटीआर चौराहा, आसिफाबाद की ओर जाने वाली मुख्य सड़क और सिरपुर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क जैसे महत्व-पूर्ण स्थानों पर स्थापित की गई है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इन कैमरों से अपराध रोकथाम, यातायात निगरानी और त्वरित शिशुता (रिस्पॉन्स) में मदद मिलेगी। एसपी सुश्री नितिका पंत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि सामुदायिक भागीदारी से शहर की सुरक्षा और बेहतर होगी।

दत्तात्रेय ने कृषि विस्तार सेवाओं में एक वर्षीय डिप्लोमा पूर्ण किया

मदनूर, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

श्री/सुश्री जे. दत्तात्रेय एस/डी बसवंत राव ने राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा संचालित एक वर्षीय डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज सफलतापूर्वक पूरा किया। प्रमाणपत्र आईडी: टीपी2769/टीएस/एटीएमए-कामारेड्डी/111237 जारी किया गया है।

उन्होंने वर्ष 2023-24 में समेती तेलंगाना के माध्यम से एटीएमए-कामारेड्डी द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम श्रेणी प्राप्त की। इस उपलब्धि से स्थानीय स्तर पर कृषि विस्तार सेवाओं और इनपुट डीलरों को बेहतर प्रशिक्षण व मार्गदर्शन मिलने की अपेक्षा जताई जा रही है।

आदिलाबाद के किसानों ने की केसीआर के शासन की वापसी की मांग

कृषि क्षेत्र में सुधार के लिए जताया भरोसा

आदिलाबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने और किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए आदिलाबाद के किसानों ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के शासन की वापसी की मांग की है। शुक्रवार को इचोडा मंडल के आदर्श गांव मुखरा (के) में किसानों ने राव की एक आदमकद फ्लेक्स तस्वीर पर गेहूं की उपज से अभिषेक किया और किसानों के कल्याण के लिए उनकी नवीन योजनाओं की सराहना की।

किसानों का मानना है कि वर्तमान में किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए चंद्रशेखर राव के नेतृत्व की सख्त जरूरत है। किसान रयथु भरोसा लाभ जारी करने में हो रही देरी से काफी परेशान हैं। इसके अलावा, फसल की विफलता और उत्पादों के लिए समर्थन मूल्य न मिलने के कारण वे गहरे संकट में हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा, हमें अभी भी राव का शासन याद है। वे समय पर किसानों को लाभ प्रदान करते थे। हम तेलंगाना में फिर से उनका शासन चाहते हैं।

किसानों ने खेद व्यक्त किया कि कांग्रेस सरकार ने अब तक केवल तीन बार लाभ प्रदान किया है, जबकि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार के दौरान 11 बार लाभ वितरित किया गया था। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि फसल निवेश सहायता तुरंत प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाएं और संकट में फंसे किसानों की मदद की जाए।

जगतियाल के आम किसानों पर संकट: देर से आए बौर और भारी गिरावट ने बढ़ाई चिंता

जगतियाल, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिले के आम किसान इन दिनों गहरे तनाव में हैं। बौर (फूल) आने में हुई देरी के बाद अब बड़े पैमाने पर फूलों के झड़ने (ऋश्नेशअॅ वर्अॅ) की समस्या सामने आ रही है। अचानक हुए जलवायु परिवर्तन और कीटों के हमलों को इस नुकसान का मुख्य कारण माना जा रहा है।

आम तौर पर आम के पेड़ों पर बौर आने की प्रक्रिया नवंबर में शुरू होकर जनवरी के पहले सप्ताह तक चलती है। हालांकि, इस साल इसमें काफी देरी हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि रात के समय अत्यधिक ठंड और मौसम में आए अचानक बदलावों ने इस प्रक्रिया को बाधित किया। अब, फूलों के भारी मात्रा में गिरने से किसानों की चिंताएं और बढ़ गई हैं। कई बगीचों में शुरुआत में भरपूर फूल देखे गए थे, लेकिन फल बनने के बजाय फूल काले होकर गिर गए।

यही स्थिति सुल्तानाबाद और पेद्दापल्ली क्षेत्रों से भी रिपोर्ट की गई है, जहाँ पिछले कुछ दशकों में स्थिर मुनाफे के कारण कई किसानों ने आम की खेती को अपनाया था। आम की खेती का चक्र आठ महीने का होता है, जिसमें फूल आने से लेकर कटाई तक के चार महीने सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। वैसे तो शुष्क मौसम बेहतर उपज में सहायक होता है, लेकिन हाल के वर्षों में बदलते मौसम के मिजाज ने इस चक्र को प्रभावित किया है। इस सीजन में भी यही रुझान उत्पादन को प्रभावित कर सकता है।

आम की फसल आमतौर पर अप्रैल में बाजारों में पहुंच जाती है, लेकिन इस साल आवक में देरी होने की संभावना है क्योंकि कई बगीचे अभी भी फूल आने की अवस्था में ही हैं।

उद्यानिकी अधिकारियों ने किसानों को कीटों पर नियंत्रण के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। जिनमें-

कीट नियंत्रण: प्रति लीटर पानी में 10 ग्राम पोटेशियम नाइट्रेट का छिड़काव करें।

पुष्पन सहायता: फूलों को सहारा देने और फलों के विकास के लिए प्रति लीटर पानी में 1.5 ग्राम बोरॉन मिलाने की सलाह दी गई है।

यद्यपि आम के बगीचे पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में फैले हुए हैं, लेकिन जगतियाल विशेष रूप से इस फसल के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ लगभग 37,000 एकड़ में आम की खेती की जाती है। जिले में एक समर्पित आम बाजार भी संचालित होता है, जहाँ दिल्ली और अन्य उत्तरी राज्यों के व्यापारी उपज खरीदने के लिए पहुँचते हैं।

संगारेड्डी में आधुनिक भूमि सर्वेक्षण के लिए कर्नाटक मॉडल लागू

हाईटेक तकनीक से मिटेंगे विवाद

संगारेड्डी, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । कृषि क्षेत्रों के कोनों पर पत्थर गाड़ने की पुरानी परंपरा अब जल्द ही बीते जमाने की बात हो सकती है। राजस्व और सर्वेक्षण एवं भूमि रिकॉर्ड विभाग अब जीपीएस रोवर (जीपीएस रोवर्स) और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके कृषि भूमि का उच्च-सटीक पुन: सर्वेक्षण करने की तैयारी कर रहा है।

जियो-कोऑर्डिनेट्स के साथ मिलेंगे नए पासबुक

विभाग अब जियो-कोऑर्डिनेट्स और फील्ड मैप के साथ नए पट्टादार पासबुक जारी करेगा। अधिकारियों का कहना है कि इस नई व्यवस्था से जमीनों पर अतिक्रमण करना कठिन हो जाएगा और भूमि रिकॉर्ड में पारदर्शिता आएगी।

इससे पहले, भूमि का सर्वेक्षण मचैन और स्टाफफ विधियों का उपयोग करके किया जाता था। इन पुरानी विधियों में अक्सर त्रुटियां होती थीं, विशेष रूप से उन खेतों में जहाँ पत्थर या पेड़ अधिक होते थे। सर्वेक्षक पहले खेत के कोनों पर सीमा पत्थर भी लगाते थे, लेकिन कई मामलों में इन पत्थरों को हटा दिया जाता था, जिससे विवाद पैदा होते थे और बार-बार सर्वेक्षण की आवश्यकता पड़ती थी।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत 63 गांवों का चयन

नई प्रणाली एक से तीन सेंटीमीटर के बीच की मामूली त्रुटि के साथ उच्च सटीकता का वादा करती है।

पायलट आधार पर, यह पुन: सर्वेक्षण उन गांवों में शुरू किया जाएगा जहां राजस्व मानचित्र (रेवेन्यू मैप) उपलब्ध नहीं हैं। अधिकारियों ने संगारेड्डी जिले में ऐसे 17 गांवों, सिद्दीपेट में 22 और मेडक में 24 गांवों की पहचान की है। इन क्षेत्रों में खराब रखरखाव के कारण राजस्व मानचित्र खो गए थे।

विभिन्न चरणों में पूरा होगा सर्वेक्षण कार्य

सर्वेक्षण की शुरुआत सदाशिवपेट मंडल के बाबुलगाँव, रायकोड मंडल के मुस्तफ़ापुर, कांगटी मंडल के रसोली और मानूर मंडल के मुग्धमपुर से हुई है। कर्मचारियों की कमी के कारण, विभाग लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के साथ मिलकर इस कार्य को चरणों में पूरा करेगा। हालांकि, इस सर्वेक्षण में गांव की सीमा के भीतर आने वाली ग्राम कंठम भूमि को बाहर रखा जाएगा।

संगारेड्डी के सर्वेक्षण और भूमि रिकॉर्ड विभाग के सहायक निदेशक, ऐनेश ने कहा कि शुरुआती चुनौतियों की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि समस्याओं के समाधान के लिए योजना तैयार करने हेतु उच्च अधिकारियों से परामर्श किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह पहल कर्नाटक में प्रचलित इसी तरह की प्रणाली से प्रेरित है।

टी20 विश्व कप के बीच रिंकू सिंह पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता का लीवर कैंसर से निधन

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज़ रिंकू सिंह के पिता खचंद्र सिंह का स्टेज-4 लीवर कैंसर से लंबी जंग के बाद निधन हो गया। उन्होंने ग्रेटर नोएडा स्थित यथार्थ अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां हाल के दिनों में उनकी तबीयत बेहद नाजुक हो गई थी और उनका इलाज चल रहा था।

परिजनों के अनुसार खचंद्र सिंह वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और उनकी हालत स्थिर करने के लिए डाक्टर लगातार रीनल थेरेपी दे रहे थे।गहन चिकित्सा के बावजूद उनकी सेहत में तेजी से गिरावट आई और अंतत: उनका निधन हो गया।

विश्व कप ड्यूटी के बीच निजी क्षति

यह दुखद घटना उस समय हुई जब रिंकू सिंह भारतीय टीम के साथ टी20 विश्व कप में व्यस्त थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 मुकाबले से पहले जब उनके पिता की हालत बिगड़ी थी, तब वह घर लौटे थे। बाद में वह चेन्नई में टीम से दोबारा जुड़ गए थे। हालांकि पिता के ।निधन के बाद वो वापस घर लौट गए हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में रिंकू सिंह अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं थे। टीम संयोजन में बदलाव करते हुए संजू सैमसन और अक्षर पटेल को शामिल किया गया था। संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में मौका मिला, ईशान किशन को नीचे भेजा गया और तिलक वर्मा को फिनिशर की भूमिका सौंपी गई। हालांकि रिंकू मैदान पर बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी टीम के साथ मौजूद रहे। टूर्नामेंट में अब तक रिंकू सिंह पांच मुकाबले खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 24 रन बनाए हैं और फिनिशर की अपनी निर्धारित भूमिका निभाई है। आगे खेलेंगे या नहीं, संशय बरकरार भारत को अब कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबला खेलना है, जो लगभग नाकआउट जैसा है। ऐसे में रिंकू सिंह की उपलब्धता को लेकर संशय बना हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड या टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक उनकी भागीदारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। टीम इंडिया जहां एक ओर महत्वपूर्ण मुकाबले की तैयारी कर रही है, वहीं खिलाड़ी अपने साथी के इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं।

न्यूज ब्रीफ

रणजी ट्राफी 2025-26 सीज़न में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने आकिब नबी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने रणजी ट्राफी 2025-26 सत्र में शानदार प्रदर्शन

करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस सत्र में कुल 60 विकेट लेकर मौजूदा रणजी ट्राफी अभियान के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का गौरव हासिल किया। रणजी ट्राफी के इस सत्र में आकिब नबी ने कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले में 54 रन देकर पांच विकेट झटके। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने कर्नाटक की टीम केवल 293 रनों पर सिमट गई और जम्मू-कश्मीर की पहली पारी के 584 रनों के विशाल स्कोर से काफी पीछे रह गई। इस उपलब्धि के साथ आकिब नबी टूर्नामेंट के 92 वर्षों के इतिहास में एक ही सत्र में 60 विकेट लेने वाले केवल तीसरे तेज गेंदबाज बन गए हैं। यह उनके लिए घरेलू क्रिकेट में एक यादगार उपलब्धि मानी जा रही है। इस सत्र में यह उनका सातवां पांच विकेट हाल रहा, जबकि रणजी करियर का यह 15वां पांच विकेट हाल है। आकिब नबी ने यह ऐतिहासिक मुकाम कर्नाटक के बल्लेबाज शिखर शेट्टी को आउट कर हासिल किया। इससे पहले उन्होंने कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल को भी पगबाधा आउट किया, जिन्होंने 160 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की थी।

लास एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लास

एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लास एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे : तिलक

चेन्नई। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके

उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे। तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपाक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

इंग्लैंड ने रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को रौंदा

कोलंबो, 27 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप के रोमांचक सुपर 8 मुकाबले में इंग्लैंड की टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से मात देकर कमाल कर दिखाया है। इसी के साथ न्यूजीलैंड की टीम ने इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में सीधा एंट्री मारने का मौका गंवा दिया है। अब यहां से पाकिस्तान की टीम के लिए एक बेहद छोटी सी उम्मीद की किरण सेमीफाइनल में पहुंचने की जल उठी है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 159 रन बनाए थे और इंग्लैंड की टीम ने आखिरी ओवर में इस टारगेट को चेज कर लिया। इंग्लैंड की टीम को आखिरी तीन ओवर में 43 रन की जरूरत थी। यहां से विल जैक्स और रेहान अहमद ने पहले ग्लेन फिलिप्स के ओवर में 22 रन ठोक दिए। इस ओवर में 2 छक्के और 2 चौके शामिल रहे। इसके बाद कप्तान मिचेल सैंटनर ने एक बड़ी गलती और की। वे खुद अगला ओवर लेकर आ गए और इस बार जैक्स और रेहान ने इस ओवर से भी 16 रन लूट लिए। आखिरी ओवर में जीत के लिए सिर्फ 5 रन चाहिए थे और जैक्स और रेहान को ऐसा करने में कोई दिक्कत नहीं आई। जैक्स 18 गेंद पर 32 और रेहान 7 गेंद पर 19 रन बनाकर नाबाद रहे।इसके अलावा इंग्लैंड के लिए टॉम बैंटन ने भी 33 रन की पारी खेली। वहीं 26 रन कप्तान हैरी ब्रूक ने बनाए। इसके अलावा सैम करन ने 24 और जेकब बैथल ने 21 रन बनाए।इससे पहले, इंग्लैंड के स्पिनरों ने अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 7 विकेट पर 159 रन पर सीमित कर दिया। पहले बल्लेबाजी का फैसला करने वाली न्यूजीलैंड को किसी बल्लेबाज ने बड़ी पारी नहीं खेली। ग्लेन फिलिप्स (28 गेंदों पर 39 रन), टिम सिफर्ट (25 गेंदों पर 35 रन) और फिन एलेन (19 गेंदों पर 29 रन) ने बल्ले से अहम योगदान दिए।इंग्लैंड के लिए विल जैक्स (23 रन पर दो विकेट), आदिल राशिद (28 रन पर दो विकेट) और रेहान अहमद (28 रन पर दो विकेट) के स्पिन गेंदबाजों की तिकड़ी ने शानदार गेंदबाजी की। तेज गेंदबाजों की शुरुआती पिटाई के बाद इन स्पिनरों ने बीच के ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर शिकंजा कस दिया। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में आग उगलने वाले जोफ्रा आर्चर ने शुरुआत मेडन ओवर से की। इस ओवर में अंपायर ने सीफर्ट को कैच आउट दिया, लेकिन टीवी रिप्ले में साफ हुआ कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और फैसला पलट दिया गया।लियाम डॉसन ने भी दूसरे ओवर में सीफर्ट और फिन एलेन को बांधे रखा, लेकिन सीफर्ट ने डीप स्क्वायर लेग की दिशा में स्वीप कर चौका जड़कर दबाव तोड़ा। दूसरे छोर से आर्चर ने शानदार गति और स्विंग के साथ गेंदबाजी की लेकिन एलेन ने उनकी धीमी गेंद पर मिड-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ दिया। एलेन लय में नजर आने लगे और डॉसन के खिलाफ सीधा मैदान के ऊपर एक और शानदार छक्का लगाया। साथी बल्लेबाज से प्रेरित होकर सीफर्ट ने भी आर्चर पर हमला बोला, लगातार दो चौके जड़े और फिर मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया।न्यूजीलैंड ने लय पकड़ ली थी, जिसके बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने सैम करन को आक्रमण पर लगाया। एलेन ने उनका स्वागत मिडविकेट के ऊपर से छक्के के साथ किया और पावरप्ले के अंत तक न्यूजीलैंड का स्कोर बिना किसी नुकसान के 54 रन पहुंच गया। इसके बाद राशिद को गेंद सौंपी गई और सीफर्ट ने उनका भी स्वागत लॉन्ग-ऑन के ऊपर छक्के से किया। लेकिन अगली ही गेंद पर रशीद सीफर्ट को चकमा दिया और जोस बटलर ने शानदार स्टंप कर उनकी पारी का अंत किया।

पीठ दर्द के कारण भारत सीरीज से बाहर हुईं सोफी मोलिनेक्स

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की हरफनमौला खिलाड़ी सोफी मोलिनेक्स भारत के खिलाफ जारी बहु-प्रारूप सीरीज के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि उन्हें निचले हिस्से की पीठ में दर्द (लोअर बैक पेन) की शिकायत है, जिसके चलते यह फैसला लिया गया।

28 वर्षीय मोलिनेक्स ने ब्रिस्बेन में खेले गए पहले महिला वनडे में हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर एक विकेट लिया था। हालांकि दूसरे वनडे (होबार्ट) में वह टीम का हिस्सा नहीं हैं।

मोलिनेक्स की चोट के कारण अगले महीने होने वाली वेस्टइंडीज सीरीज में उनकी भागीदारी पर भी संशय पैदा हो गया है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने स्पष्ट किया है कि उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जाएगी और चिकित्सकीय मूल्यांकन के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

हाल ही में बनीं थीं आस्ट्रेलिया की कप्तान

पिछले महीने सोफी मोलिनेक्स को सभी प्रारूपों के लिए आस्ट्रेलिया महिला टीम की कप्तान नियुक्त किया गया था। वह दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली की जगह संभालने वाली थीं, जिन्होंने भारत सीरीज के बाद संन्यास लेने का फैसला किया है। मोलिनेक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी20 मैचों में टीम की अगुवाई भी की थी, जब हीली टीम में शामिल नहीं थीं।

टास के दौरान एलिसा हीली ने कहा कि मोलिनेक्स की चोट की खबर सभी के लिए चौंकाने वाली और निराशाजनक रही। उन्होंने टीम से अपील की कि वह चोटिल खिलाड़ियों के साथ मजबूती से खड़ी रहे।

चोटों से जूझता रहा है करियर

सोफी मोलिनेक्स का करियर पहले भी कई चोटों से प्रभावित रहा है। वह 2022 की एशेज और वनडे विश्व कप में पैर की चोट के कारण नहीं खेल सकीं। उसी वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों से भी बाहर रहीं। 2023 टी20 विश्व कप में वह एसीएल चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाईं। हाल ही में 2025 वनडे विश्व कप (भारत और श्रीलंका) के दौरान उनकी वापसी को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया था, क्योंकि वह घुटने की चोट से उबर रही थीं।

यूईएफए यूरोप लीग फुटबॉल

सर्बिया में यूईएफए यूरोप लीग फुटबॉल में खेलते हुए क्रविना जवेडा और लिली हैकन के खिलाड़ी।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढाका, 27 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग कार्उसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के

भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी माडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा। हर टीम में कम से कम दो विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करना अनिवार्य होगा, जबकि अधिकतम संख्या तीन या चार तक हो सकती है। टूर्नामेंट की तैयारियां तेज हो चुकी हैं। बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिलेगा।

जिम्बाब्वे पर मिली जीत के बाद,कप्तान सूर्यकुमार बोले- गेंदबाज़ी में और क्लिनिकल होना होगा

चेन्नई, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

आईसीसी टी 20 विश्व कप सुपर 8 चरण के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने गुरुवार को जिम्बाब्वे पर 72 रनों की शानदार जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम निर्धारित ओवरों में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी।

मैच के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने लीग चरण और पिछले मुकाबले की बातों को पीछे छोड़कर नए सिरे से शुरुआत की।

उन्होंने कहा, हमने सोचा कि जो भी लीग चरण में हुआ या पिछले मैच में हुआ, उसे पीछे छोड़ दें। हमारे वीडियो विश्लेषक ने साल भर के प्रदर्शन की एक स्लाइड सभी बल्लेबाज़ों और गेंदबाज़ों के लिए तैयार की थी। हमने उसे देखा और उससे काफी सकारात्मकता मिली। यहां आने के बाद शीर्ष क्रम से लेकर नंबर सात तक सभी बल्लेबाज़ों का योगदान देखना दिल को सुकून देने वाला था।

हालांकि कप्तान ने माना कि गेंदबाज़ी में अभी सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने साफ कहा, अगर ईमानदारी से कहूं तो हम गेंद से थोड़ा और क्लिनिकल हो सकते थे। लेकिन दिन के अंत में जीत, जीत होती है। आगे बढ़ते हुए हम अपनी कमियों पर काम करेंगे और जब वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेंगे तो अपनी रणनीति और मजबूत करेंगे।

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाज़ों की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाज़ों से कोई श्रेय नहीं छीनना चाहता। उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। पिच अच्छी थी, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में समय लिया और बाद में समझदारी से खेला। उन्हें भी पूरा श्रेय जाता है। हालांकि गेंदबाज़ी के नजरिए से हमें कुछ मौकों पर बेहतर विकल्प चुनने चाहिए थे।

आगामी मुकाबले को लेकर कप्तान ने संकेत दिए कि टीम को साहसिक फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा, ऐसी परिस्थितियों में हमें और ज्यादा साहसी बनना होगा और सकारात्मक रास्ता ही अपनाना होगा। कोलकाता पहुंचने के बाद हम बैठकर वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले की रणनीति बनाएंगे। फिलहाल कल आराम का दिन है, फिर यात्रा करेंगे और खुद को तरोताजा रखेंगे।

अब सबकी नजरें वेस्टइंडीज के खिलाफ 1 मार्च को होने वाले अगले अहम मुकाबले पर टिकी हैं, जहां भारतीय टीम सेमीफाइनल में जगह बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी।

सेबी ने साल्यूशन ओरिएंटेड फंड किए खत्म, अब निवेश रणनीति पर फोकस

ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे

मुंबई, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

सेबी ने स्पष्ट किया कि म्यूचुअल फंड का चयन अब नाम या भावुक टाइटल पर नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश रणनीति पर आधारित होगा। इसी आदेश के तहत साल्यूशन ओरिएंटेड फंड कैटेगरी को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस श्रेणी में कुल 44 फंड थे, जिनमें 15 चिल्ड्रेन फंड और 29 रिटायरमेंट फंड शामिल थे। सेबी ने कहा है कि निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहेगा। ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे, जिनका जोखिम प्रोफाइल और रणनीति समान है। हालांकि, इन फंडों में नई निवेश राशि पर तुरंत रोक लगाई गई है। अब निवेशकों के लिए लाइफ स्टाइल फंड मुख्य विकल्प होंगे। इन फंडों की खासियत यह है कि जैसे-जैसे निवेशक की उम्र बढ़ेगी या लक्ष्य के साल करीब आएगा, यह फंड अपने आप रिस्क कम कर देगा। युवा निवेशकों के लिए अधिक इक्विटी और रिटायरमेंट के नजदीक अधिक डेट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल होंगे। सेबी ने साफ कर दिया है कि ये फंड लंबी अवधि के लिए हैं, इसलिए बीच में पैसा निकालने वालों पर कड़ा जुर्माना लगेगा: 1 साल के भीतर निकासी पर 3 फीसदी चार्ज, 2 साल के भीतर निकासी पर 2 फीसदी चार्ज और 3 साल के भीतर निकासी पर 1 फीसदी चार्ज लगाया जाएगा।

नेटफ्लिक्स की बोली ठुकराई, पैरामाउंट ने वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण में बढ़त बनाई

न्यूयार्क। नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को खरीदने के लिए अपनी नई बोली बढ़ाने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि नई कीमत आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं रह जाएगी। इससे पैरामाउंट को अधिग्रहण में स्पष्ट बढ़त मिल गई। स्काइडांस के स्वामित्व वाली पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए अपनी बोली बढ़ाकर प्रति शेयर 31 अमेरिकी डालर कर दी। साथ ही कंपनी ने सात अरब डालर की नियामक समाप्ति शुल्क पर भी सहमति जताई। पैरामाउंट अपने प्रस्ताव को पूरा करने के लिए अरबों डालर का कर्ज लेगा। वार्नर ब्रदर्स के निदेशक मंडल ने इसे कंपनी के लिए श्रेष्ठ प्रस्ताव करार दिया। नेटफ्लिक्स के विपरीत, पैरामाउंट वार्नर के सभी संचालन खरीदना चाहता है, जिसमें सीएनएन और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क शामिल हैं। इससे सीएनएन का संयोजन पैरामाउंट के सीबीएस के साथ होगा और हालीवुड के प्रमुख स्टूडियो में दो का विलय होगा। पहले वार्नर महीनों तक नेटफ्लिक्स के प्रस्ताव का समर्थन कर रहा था। लेकिन जब पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धी बोली और अन्य संशोधन पेश किए, तो निदेशक मंडल ने अपनी राय बदल दी।

न्यूज ब्रीफ

लारस लैब्स के शेयर में तेजी, वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन मजबूत, पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर की कीमत में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। ठेके पर दवा निर्माण और जेनेरिक दवाओं की प्रमुख कंपनी लारस लैब्स के शेयरों ने गुरुवार को बीएसई पर करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और 1,103.35 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस शेयर की कीमत में कुल 8 फीसदी का उछाल आया है। सत्र के अंत में यह 1,092 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.52 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में शेयर ने बाजार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26 फीसदी की वृद्धि की, जबकि बीएसई सेंसेक्स में केवल 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पिछले एक साल में शेयर में 101.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में केवल 10.2 फीसदी की वृद्धि। दिसंबर तिमाही में लारस लैब्स ने राजस्व में 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर 1,778 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ। सकल मार्जिन लगभग 60 फीसदी रहा और परिचालन लाभ मार्जिन में 27 फीसदी से थोड़ी अधिक बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अपने जेनेरिक कारोबार और सीडीएमओ प्रोग्राम के मजबूत प्रदर्शन के जरिए हासिल किया। भले ही सीडीएमओ कारोबार में कुछ मंदी रही हो, फिर भी विकसित बाजारों में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की बढ़ी हुई मांग और चुनिंदा मालिक्युल की मजबूत मांग ने मार्जिन को स्थिर रखा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2028 तक सीडीएमओ का योगदान 16 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी होने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-26 में कंपनी के कुल 3,900 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का लगभग 75 फीसदी ऐक्टिव फार्मा और सीडीएमओ पर किया गया।

युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही इलेक्ट्रिक बाइक्स

नई दिल्ली। पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतें और पर्यावरण को लेकर जागरूकता युवाओं को तेजी से इलेक्ट्रिक बाइक्स की ओर खींच रही है। आधुनिक ई-बाइक्स आकर्षक डिजाइन, प्रभावशाली परफार्मेंस और एडवांस टेक्नोलाजी के साथ आती हैं, जो रोजाना कालेज और सिटी राइड के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। एडीएमएस डीबी जैसे माडल रेंज और स्पीड के दमदार काम्बिनेशन के लिए जाने जाते हैं। करीब 95 किमी/घंटा की टाप स्पीड और लंबी रेंज इसे डेली यूज़ के लिए उपयुक्त बनाती है। टीएफटी डिस्प्ले, नेविगेशन, काल-अलर्ट, रिवर्स मोड और फास्ट चार्जिंग जैसे फीचर्स इसे छात्रों के लिए सुविधाजनक विकल्प बनाते हैं। ओला इलेक्ट्रिक रोडस्टेर एक्स प्लस अपने फ्यूचरिस्टिक और स्पोर्टी डिजाइन की वजह से युवाओं के बीच खास आकर्षण रखता है। मल्टीपल राइड मोड, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, एलईडी लाइटिंग और ऐप कनेक्टिविटी इसे हाई-टेक अनुभव पसंद करने वाले स्टूडेंट्स के लिए बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

तीन नई आईसीई-पावर्ड काम्पैक्ट एसयूवी जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत में जल्द ही तीन नई आईसीई-पावर्ड काम्पैक्ट एसयूवी लान्च होने वाली हैं। इनमें रेनो की मिनी डस्टर, 2026 महिंद्रा थार फेसलिफ्ट और मारुति सुजुकी ब्रेजा फेसलिफ्ट शामिल हैं। रेनो मिनी डस्टर को सब-4 मीटर कैटेगरी में उतारा जाएगा। यह बड़े डस्टर का छोटा, लेकिन अधिक रग्ड वर्जन होगा, जिसमें मजबूत बाडी क्लैडिंग, बड़े व्हील्स और प्रचलित एसयूवी स्टांस मिलेगा। इसमें 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो लगभग 100 पीएस पावर और 160 एनएम टार्क देगा। फीचर्स में डुअल डिजिटल स्क्रीन, वायरलेस कनेक्टिविटी, अडास-लेवल 1 और 6 एयरबैग्स शामिल होने की संभावना है।

अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 8-12 लाख रुपये के बीच हो सकती है। महिंद्रा थार फेसलिफ्ट का डिज़ाइन और अधिक माडर्न और प्रीमियम होगा। नए फ्रंट ग्रिल, सी-शेप एलईडी डीआरएलएस, रीडिज़ाइन बंपर और अलाय व्हील्स अपडेट्स का हिस्सा होंगे। इंटीरियर में 10.25-इंच टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नया स्टीयरिंग व्हील, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा शामिल हो सकता है। कीमत 10-18 लाख रुपये के बीच रहने की संभावना है। मारुति सुजुकी ब्रेजा फेसलिफ्ट मार्च-मई 2026 में लान्च होगी। इसमें रिवाइज्ड बंपर, अपडेटेड एलईडी लाइट्स, नए 16-इंच अलाय व्हील्स, बड़ा टचस्क्रीन, एचयूडी, वायरलेस चार्जिंग और वेंटिलेटेड सीट्स जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। इंजन विकल्प 1.5-लीटर पेट्रोल या नया 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल हो सकता है। अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 8.5-14 लाख रुपये रहेगी। तीनों माडल अपने-अपने सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेंगे और भारतीय ग्राहकों को आधुनिक, फीचर-रिच और किफायती विकल्प उपलब्ध कराएंगे। मालूम हो कि भारतीय आटोमोबाइल बाजार में काम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ग्राहक अब ऐसी कारों की तलाश में हैं, जो भरोसेमंद इंजन, दमदार परफार्मेंस और किफायती मेंटनेंस का सही संतुलन पेश करें।

जानिए, नेक्सान आईसीई और नेक्सान ईवी में से कौन है बेहतर

नई दिल्ली। तेजी से बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दामों के कारण भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ऐसे में यह सवाल आम है कि पेट्रोल कार खरीदी जाए या इलेक्ट्रिक इस तुलना को आसान बनाने के लिए हमने टाटा नेक्सान के दोनों माडल नेक्सान आईसीई और नेक्सान ईवी का उदाहरण लिया है। पेट्रोल की औसत कीमत रुपए 94.50-रुपए 95.50 प्रति लीटर के बीच पहुंच गई है, जबकि ईवी को घर पर चार्ज करने का खर्च लगभग रुपए 1 प्रति किमी बैठता है। अगर कोई खरीदार साल में 15,000 किमी गाड़ी चलाता है, तो 5 साल में दोनों कारों के बीच रनिंग कास्ट का अंतर बड़ा असर डाल सकता है। नेक्सान आईसीई की आन-रोड कीमत लगभग रुपए 13-14 लाख है, जबकि नेक्सान ईवी की कीमत रुपए17-18.5 लाख तक जाती है। शुरुआती 4-5 लाख रुपये का फर्क जरूर भारी लगता है, लेकिन आपरेटिंग कास्ट में ईवी इसे काफी हद तक कवर कर देती है। 5 साल में नेक्सान पेट्रोल लगभग 5,000 लीटर ईंधन पिएगी, जिस पर करीब रुपए 4.75 लाख खर्च होंगे। वहीं, नेक्सान ईवी लगभग 10,714 यूनिट बिजली का इस्तेमाल करेगी, जिसकी लागत सिर्फ रुपए 75,000 के आसपास बैठेगी। यानी अकेले ईंधन/चार्जिंग में ईवी लगभग 3-3.3 लाख रुपये की बचत करा देती है। मेंटेनेंस में भी ईवी काफी सस्ती है, क्योंकि इसमें इंजन नहीं होता। पेट्रोल माडल को जहां 5 साल में रुपए 60,000-रुपए 75,000 तक मेंटेनेंस चाहिए, वहीं ईवी में यह खर्च सिर्फ रुपए 15,000-रुपए 25,000 आता है। इंश्योरेंस ईवी का थोड़ा महंगा है, लेकिन कई राज्यों में ईवी पर टैक्स छूट यह अंतर कम कर देती है। कुल मिलाकर 5 साल में दोनों कारों की ओनरशिप कास्ट लगभग रुपए 22 लाख के आसपास पहुंचती है। हालांकि, जो लोग सालाना 15,000 किमी से ज्यादा ड्राइव करते हैं, उनके लिए ईवी 3-4 साल में ही ब्रेक-ईवन हासिल कर लेती है। 20,000 प्लस किमी चलाने पर ईवी पेट्रोल माडल से 2-2.5 लाख रुपये तक सस्ती साबित होती है। कैब/टैक्सी यूजर्स के लिए बचत और भी ज्यादा हो जाती है। रीसेल की बात करें तो पेट्रोल कार थोड़ी आगे रहती है, लेकिन बढ़ती ईवी टेक्नोलाजी के चलते इलेक्ट्रिक कारों की रीसेल वैल्यू भी तेजी से सुधार रही है। अगर आपकी रोजाना रनिंग 40-50 किमी से कम है और बजट सीमित है, तो पेट्रोल कार प्रैक्टिकल विकल्प है।

अमेरिका-ईरान तनाव से तेल के 110 डालर तक पहुंचने की आशंका

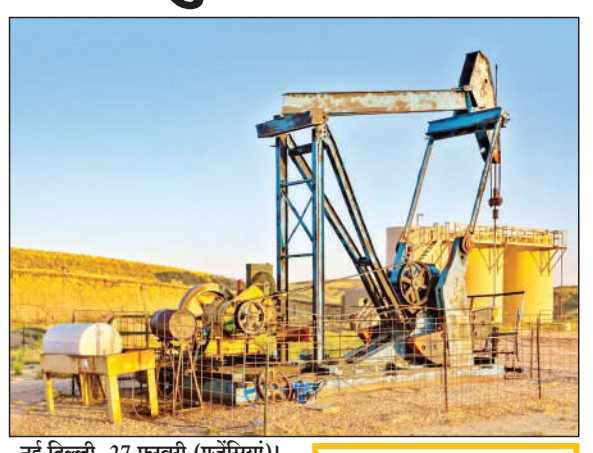

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर पड़ सकता है असर

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क बैंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में करीब 10 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ब्रेंट कच्चा तेल 110 डालर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 57 प्रतिशत अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ हारमुज से जुड़ा है।

यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इसी रास्ते से गुजरते हैं। साथ ही दुनिया की करीब 20 प्रतिशत गैस सप्लाई भी इसी मार्ग पर निर्भर है। यदि किसी सैन्य टकराव या अवरोध के कारण यहां से आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल कीमतों में 20 से 40 डालर प्रति बैरल तक का अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम जुड़ सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि तनाव गहराने पर कीमतें 95 से 110 डालर प्रति बैरल या उससे ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल फरवरी में ब्रेंट लगभग 70 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है और हाल ही में यह 72 डालर तक पहुंचा था। निवेशकों और कारोबारियों में आशंका है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

हालांकि अगर अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलता है और किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तो कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है। ऐसे परिदृश्य में ब्रेंट फिर से 60 डालर के निचले स्तर तक आ सकता है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मौजूद अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी संभावित आपूर्ति झटकों को संतुलित कर सकती है।

1 अप्रैल से 20 फीसदी एथनाल मिश्रित पेट्रोल बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से देशभर में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 फरवरी को अधिसूचना जारी की। आदेश के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 95 रिसर्च आक्टेन नंबर (आरओएन) वाला एथनाल मिश्रित पेट्रोल बेचना होगा। यह ईंधन भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। अधिसूचना में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार तेल कंपनियों को सीमित अवधि और तय क्षेत्रों में मानकों के अनुरूप ईंधन की बिक्री की अनुमति दे सकती है। हाल के महीनों में पेट्रोल में एथनाल मिलाने को लेकर विवाद भी सामने आए हैं। कुछ दावों में कहा गया कि गन्ने, चावल और मक्के से बने एथनाल के उपयोग से वाहनों की माइलेज और इंजन क्षमता प्रभावित हो सकती है। हालांकि सरकार का कहना है कि उच्च आरओएन स्तर इंजन प्रदर्शन को संतुलित रखेगा। सरकार इस कदम को आयात निर्भरता घटाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में अहम मान रही है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 27 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये से लेकर 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये से लेकर 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमत में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,61,820 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,61,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,61,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,61,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,48,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आपकी...

लेकिन उसमें गंभीर खामियां भी थीं। आरोपपत्र में लगाये गये आरोप, गवाहों के बयानों या रिकॉर्ड पर मौजूद पर्याप्त सबूतों से साबित नहीं हो सके हैं। अदालत ने यह भी कहा कि श्री सिसोदिया के खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता है और केजरीवाल को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया। अदालत ने जांच में कमियों को लेकर जांच एजेंसी को फटकार भी लगायी।इस आदेश के बाद श्री केजरीवाल ने न्यायपालिका में विश्वास व्यक्त किया और इस मामले को अपनी पार्टी को कमजोर करने के उद्देश्य से रची गई एक राजनीतिक साजिश करार दिया। श्री सिसोदिया ने कहा कि फैसले ने संविधान और कानून के शासन में उनके विश्वास को पुन: पुख्ता किया है।अदालत ने श्री सिसोदिया की भूमिका के बारे में कहा कि ऐसा कोई विश्वसनीय सबूत नहीं है, जो यह दिखाए कि उन्होंने 2021-22 की आबकारी नीति बनाने या लागू करने में गैरकानूनी तरीके से प्रभाव डाला था। अदालत ने कथित अनियमितताओं संबंधी कोई भी बरामदगी नहीं होने का भी उल्लेख किया। उसने श्री केजरीवाल के संबंध में कहा कि उनके मामले में ठोस सामग्री का अभाव था। अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि बुनियादी सबूतों के बिना एक संवैधानिक पदाधिकारी पर साजिश का आरोप लगाना स्थापित कानूनी सिद्धांतों से मेल नहीं खाता है।मामले का केंद्र बिंदु रही आबकारी नीति दिल्ली सरकार ने आबकारी कारोबार में सुधार और राजस्व बढ़ाने के मकसद से पेश की थी। इसमें अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने आरोप लगाया था कि इस नीति से चुनिंदा निजी कंपनियों को अनुचित लाभ मिला था।गौरतलब है कि श्री सिसोदिया 2023 में अपनी गिरफ्तारी के बाद लगभग 530 दिनों तक हिरासत में रहे, जबकि श्री केजरीवाल को जून 2024 में सीबीआई ने तब गिरफ्तार किया गया था, जब वे एक संबंधित मामले में पहले से ही ईडी की हिरासत में थे। उन्हें बाद में सितंबर 2024 में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिल गयी थी।

शराब घोटाले में ...

कविता ने यह भी दावा किया कि इस मामले का मुख्य उद्देश्य भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और इसके प्रमुख के. चंद्रशेखर राव को निशाना बनाना था। उन्होंने जोड़ा, न केवल मैं, बल्कि केसीआर गारू ने खुद समय-समय पर कहा है कि यह बीआरएस और उनके खिलाफ एक प्रतिशोध है, जिसका प्रभाव मुझ पर दिखाया गया। कानूनी लड़ाई के दौरान व्यक्तिगत नुकसान पर सवाल उठाते हुए कविता ने भावुक होकर पूछा कि इस मामले के दौरान उन्होंने अपने बच्चों और परिवार के साथ जो समय खोया है, उसका हिसाब कौन देगा?

सीमांचल भी...

आने वाले दिनों में इस पर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी और तेज होने की संभावना है। गृह मंत्री का यह दौरा प्रशासनिक समीक्षा से आगे बढ़कर अब एक बड़े राजनीतिक विमर्श का रूप लेता दिख रहा है।

चिलकुर बालाजी मंदिर...

मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार तथा शुभचिंतकों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की कामना की। चिलकुर बालाजी मंदिर, जिसे वीजा बालाजी के नाम से भी जाना जाता है, के श्रद्धालुओं के बीच इस खबर से शोक की लहर है।

केबीआर पार्क...

पुलिस आयुक्त ने बंजारा हिल्स रोड नंबर 2 स्थित मुन्धा जंक्शन पर चल रहे स्टील फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने जीएचएमसी अधिकारियों, मेघा इंजीनियरिंग के प्रतिनिधियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ प्रगति की समीक्षा की। आयुक्त ने बताया कि मुन्धा जंक्शन से केबीआर पार्क की ओर जाने वाले हिस्से पर छह खंभों का निर्माण शुक्रवार रात से शुरू होगा।

ट्रैफिक डायवर्जन और रात में चलेगा काम

पीक आवर्स (व्यस्त समय) के दौरान यातायात बाधित न हो, इसके लिए निर्माण की प्रमुख गतिविधियां रात के समय आयोजित की जाएंगी। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जब तक नींव का काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक केवल मामूली असुविधा होने की उम्मीद है, जिसके बाद नियमित वाहन आवाजाही सुचारू रूप से जारी रहेगी। निर्माण कार्य के मद्देनजर चुनिंदा मार्गों पर यातायात प्रतिबंध लागू किए जाएंगे।

वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और भीड़भाड़ कम करने में मदद करने के लिए जहां तक संभव हो सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

केपीएचबी की...

लेकिन बोलीदारों की प्रतिस्पर्धा के कारण कीमतें काफी बढ़ गईं। सभी फ्लैट अपसेट कीमत से अधिक पर बिकना विशेष बात रही।

कुल आय 24.26 करोड़ रुपये

इस नीलामी के माध्यम से हाउसिंग बोर्ड को कुल 24.26 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई। यह तेलंगाना सरकार के लिए बड़ी आय का स्रोत बन गया है। इस नीलामी ने रियल एस्टेट क्षेत्र में केपीएचबी कॉलोनी की मांग को एक बार फिर साबित किया है। हैदराबाद में जमीन और फ्लैटों की कीमतें लगातार बढ़ने के बीच निवेशक इस क्षेत्र पर विशेष रुचि दिखा रहे हैं।

केपीएचबी कॉलोनी हैदराबाद के सबसे विकसित क्षेत्रों में से एक है। मेट्रो रेल, मुख्य सड़कें, शिक्षण संस्थान, अस्पताल, शॉपिंग मॉल्स जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण इस क्षेत्र की भारी मांग है। यदि भविष्य में भी ऐसी नीलामियां जारी रहती हैं, तो जमीन की कीमतों में और वृद्धि होने की संभावना है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 28 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तेलंगाना में बैंकिंग विकास की तेज रफ्तार

कुल अग्रिम 11.92 लाख करोड़ के पार, सीडी अनुपात 132% पहुंचा

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना की 48वीं त्रैमासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को होटल मैरीगोल्ड, हैदराबाद में आयोजित की गई। इस बैठक में दिसंबर 2025 को समाप्त हुई तिमाही के लिए तेलंगाना राज्य में बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। बैठक में राज्य और केंद्र सरकार के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों सहित बैंकिंग जगत के दिग्गजों ने शिरकत की।

जमा और ऋण में भारी उछाल: सीडी अनुपात 100% के पार

एसबीआई हैदराबाद सर्कल के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) सहदेवन राधाकृष्णन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही तक के प्रदर्शन के आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि बैंकों की कुल जमा राशि में 61,073 करोड़ की वृद्धि हुई, जिससे कुल जमा 9,01,503 करोड़ हो गई। वहीं, कुल अग्रिम (एडवान्स) में 1,11,349 करोड़ की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो अब 11,92,710 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

राज्य का ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशिओ) निरंतर 100% से ऊपर बना हुआ है, जो इस तिमाही के दौरान 130.18% से बढ़कर 132.30% हो गया है।

कृषि, एमएसएमई और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर जोर

बैंकों ने अल्पकालिक उत्पादन ऋण के रूप में 56,673 करोड़ वितरित किए हैं। कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों के लिए 70,754 करोड़ का निवेश ऋण दिया गया, जो वार्षिक लक्ष्य का 93.34% है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए बैंकों ने 1,28,152 करोड़ वितरित किए, जो लक्ष्य का 62.95% है। इसके अतिरिक्त, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के तहत कुल 2,64,168 करोड़ का वितरण किया गया। शिक्षा ऋण के लिए 435 करोड़ और गृह ऋण के लिए 4,579 करोड़ की राशि जारी की गई।

वित्तीय समावेशन और महिला केंद्रित बैंकिंग पर फोकस

वित्तीय समावेशन के मोर्चे पर, राज्य में 132.37 लाख पीएमजेडीवाई खाते हैं, जिनमें से 83.74% आधार से लिंक हैं। भारत सरकार की निदेशक मानसा गंगोत्री काटा ने राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन रणनीति 2025-30 को सक्रिय रूप से लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच मजबूत करने के लिए कम से कम 30% बैंक कॉरेस्पोंडेंट महिलाएं होनी चाहिए।

तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुल्तानिया ने एमएसएमई क्षेत्र को आर्थिक विकास का इंजन बताते हुए ऋण प्रवाह बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं, कृषि सचिव के. सुरेंद्र मोहन ने घोषणा की कि सरकार ने डिजिटल टेनेंट वेरिफिकेशन पहल शुरू की है ताकि बटाईदार किसानों को संस्थागत ऋण आसानी से मिल सके। उन्होंनेकिसान उत्पादक संगठनों को मजबूत करने का भी आह्वान किया।

बैठक में संदीप कुमार सुल्तानिया (आईएएस), के. सुरेंद्र मोहन (आईएएस), मानसा गंगोत्री काटा (आईआरएस), डी. दिव्या (आईएएस), बी. उदय भास्कर (सीजीएम, नाबार्ड), एम. ज्ञान सुप्रभात (जीएम, आरबीआई) और सतीश कुमार (संयोजक, एसएलबीसी) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन एसबीआई के उप महाप्रबंधक प्रियब्रत मिश्रा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेन्द्राचार्य की पादुका दर्शन महोत्सव कल

श्री तुलजा भवन धर्मशाला, काचीगुडा में होगा दिव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेन्द्राचार्यजी, दक्षिण पीठ, नाणीजधाम की पावन पादुका का आगमन भाग्यनगर में शनिवार रात्रि को हो चुका है।रविवार को श्री तुलजा भवन धर्मशाला, काचीगुडा, हैदराबाद में प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक 'पादुका दर्शन महोत्सव' का आयोजन रामानंद सम्प्रदाय जिला सेवा समिति, हैदराबाद जिला द्वारा किया जाएगा।

वेद मंत्रों के बीच विधिवत पूजन

श्री तुलजा भवन धर्मशाला में वेद मंत्रों के पावन पाठ के मध्य विधिवत पादुका पूजन संपन्न किया जाएगा। इसके उपरांत श्रद्धालु भक्तों के दर्शनार्थ पादुकाएँ विराजित रहेंगी, जिससे भक्तगण गुरुचरणों का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे।

गुरु भक्ति और आध्यात्मिक प्रगति का प्रतीक

पादुका पूजन गुरु के प्रति विनम्रता, समर्पण एवं सम्मान का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि गुरु की पादुकाओं में दिव्य शक्ति विद्यमान होती है और उनकी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करने से गुरु का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे साधक की आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।रामानंद सम्प्रदाय जिला सेवा समिति, हैदराबाद जिला ने समस्त गुरु भक्तों से इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाकर पादुका दर्शन करने का विनम्र निवेदन किया है।

अवन्ति नगर, बशीरबाग में होलिका दहन 3 को

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । परम्परानुसार, फाल्गुन पूर्णिमा को बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक होलिका दहन का कार्यक्रम बशीरबाग, अवन्ति नगर में कैनरा बैंक के पास, स्काईलार्क अपार्टमेन्ट के सामने मंगलवार 3 मार्च को प्रातः 5:32 बजे सामूहिक रूप से किया जायेगा ।

उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक महेन्द्रकुमार अग्रवाल द्वारा दी गई । सामूहिक होलिका दहन कार्यक्रम अन्तर्गत फाल्गुन शुक्ल पक्ष चौदस सोमवार 2 मार्च को प्रातः 7:15 बजे होली डांडा रोपण होगा । महिलाओं के लिए बिडकुलों की माला - ठण्डी होली की पूजन सोमवार 2 मार्च प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगी । पारिवारिक होलिका पूजन मंगलवार 3 मार्च प्रातः 4:30 बजे से रहेगा तत्पश्चात प्रातः 5:32 बजे सामूहिक होलिका दहन किया जायेगा । कार्यक्रम संयोजक महेन्द्र कुमार अग्रवाल ने क्षेत्र के सभी परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में समय पर कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया है ।

सेवा से बढ़कर कोई सुख नहीं : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 27 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में केबीआर राष्ट्रीय उद्यान के सामने, इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के निकट नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संजय गुप्ता ने भावुक शब्दों में कहा कि सेवा का अवसर मिलना ही सबसे बड़ा सौभाग्य है। जब हम किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान देखते हैं, तो मन को जो संतोष मिलता है, वही सच्ची कमाई है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के साथ जुड़कर समाज के लिए कुछ कर पाने का जो अनुभव है, वह शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की सीमाओं से निकलकर पूरे भारत में सेवा और समर्पण की पहचान बना रहा है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है, जो प्रेम, सहयोग और मानवता की भावना से प्रेरित होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्याम निशान यात्रियों का स्वागत एवं जलपान सेवा

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्याम निशान यात्रियों का स्वागत चादरघाट स्थित साईं बाबा मंदिर के पास, विमेन कॉलेज के पीछे श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया।

इस अवसर पर श्याम निशान धारियों एवं अन्य राहगीरों को शीतल जल एवं नींबू पानी प्रेमपूर्वक वितरित किया गया। तत्पश्चात गोवर्धन लाल द्वारा श्याम प्रेमियों को बादाम का शरबत पिलाया गया। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए यह सेवा श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई।

इस सेवा कार्य में ओम अग्रवाल तायल, हरीश तायल, पंकज तायल, विनय किशोर तायल, राकेश अग्रवाल सहित अन्य मित्रगण उपस्थित रहे। साथ ही सुनीता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, रेखा तुलसियान, आरती तायल, मेघा तायल एवं परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर सेवा को सफल बनाया।

संस्था के संस्थापक ने सभी सेवाधारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग और समर्पण से यह सेवा कार्य पूर्ण रूप से सफल रहा।

संस्था द्वारा आगामी ग्रीष्मकालीन सत्र में भी जल, शिकंजी, छाछ, लस्सी आदि की सेवा का प्रावधान किया गया है। संस्था ने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया है कि वे इसी प्रकार सेवा कार्यों में सम्मिलित होकर पुण्य कार्य को सफल बनाते रहें।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा श्री श्याम निशान यात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 27 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा मलकपेट स्थित यशोदा हॉस्पिटल के समक्ष श्री श्याम निशान यात्रा का अत्यंत धूमधाम एवं श्रद्धा भाव से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सभी श्याम भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई। जय श्री श्याम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और भक्ति रस में सराबोर हो गए।

इस पावन अवसर पर शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, मानद मंत्री प्रदीप बंसल, संयुक्त मंत्री शैलेष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी सहित दिनेश गोयल, हरिश्चंद्र बजाज, सुरेश गोयल, आनंद अग्रवाल, संजीव गोयल, निश्चित अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, शीतल रूंगटा, स्वाति अग्रवाल, नीता मोदी, हर्ष बंसल, नितेश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल एवं पीयूष अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सीबीएन नगर, रसूलीपुरा में 350 जरूरतमंद परिवार को निःशुल्क सब्जी विजरित करते हुए समाज सेवी संतोचंद श्रीश्रीमल।

अशोक फाउंडेशन द्वारा सिटी कॉलेज चौराहे पर स्वागत मंच आयोजित कर घांसी बाजार में धर्म हिंदू धर्म प्रेमी (मेघा रानी अग्रवाल) एवं अन्य श्याम भक्त मंडलों के नेतृत्व में निकाली गई श्री श्याम निशान यात्रा का स्वागत करते हुए पंकज कुमार अग्रवाल। साथ में हैं बृजमोहन अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, पूनम अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल एवं राजकमल भट्टड़ ।

सिकंदराबाद-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन के कोच के कांपोजिशन् में बदलाव

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेंट्रल रेलवे, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई के चीफ पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर डॉ. स्वप्निल नीला ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सिकंदराबाद और लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीसी) के बीच चलने वाली दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन की कोच कांपोजिशन् में बदलाव किया गया है।

बदली हुई कांपोजिशन् की जानकारी इस तरह है: सिकंदराबाद और लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) के बीच चलने वाली ट्रेन नंबर 12219 / 12220 दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे। जिसमें एक एसी फर्स्ट क्लास, चार एसी-2 क्लास, बारह एस-3 क्लास, दो जनरेटर कोच और एक पेंट्री कोच शामिल हैं।

यह बदला हुआ कोच कॉम्बिनेशन 25 अप्रैल, 2026 से लोकमान्य तिलक टर्मिनस से निकलने वाली ट्रेन (नंबर 12219) और 24 अप्रैल, 2026 से सिकंदराबाद से निकलने वाली ट्रेन (नंबर 12220) के लिए लागू होगा।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के संदर्भ में कार्यशाला 6 मार्च को

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सारे भारत वर्ष में गौ सम्मान आह्वान अभियान जो 27 अप्रैल, 2026 को समस्त भारतवर्ष में 5000 मंडलों में मंडल कार्यालयों में ज्ञापन देंगे, इस संदर्भ में आगामी 6 मार्च को भारतवर्ष से लगभग 22 संत दि. 5 मार्च को हैदराबाद पधारेंगे एवं 6 मार्च को माहेश्वरी भवन, बेगमबाजार में गौ भक्तों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तेलंगाना के गौभक्तों के लिए आयोजित किया जाएगा। जिसमें लगभग 400 गौभक्त प्रशिक्षण केंद्र में भाग लेंगे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त प्रशिक्षण केंद्र का मुख्य उद्देश्य गौभक्तों को गौ सम्मान आह्वान अभियान की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उक्त अभियान के अंतर्गत देश के लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्तर पर तीन संत और तीन गौ प्रेमी मजबूत कर्मनिष्ठ कार्यकर्ता को जोड़ा जाएगा। जो जिले के अन्य गौ प्रेमी संतों और गौ प्रेमी, भाई-बहनों को इस अभियान से जोड़ेंगे। यह अभियान किसी संस्था अथवा संगठन के बैनर तले ना होकर केवल ईश्वर, गौमाता और नंदी बाबा के सान्निध्य में होगा।

विज्ञप्ति के अनुसार उक्त अभियान में किसी आचार्य, संत, महंत, नेता, अभिनेता, कार्यकर्ता का नेतृत्व नहीं होगा, ना ही उपरोक्त में से किसी का चित्र, पोस्टर, बैनर, होर्डिंग पर लगेगा। केवल नंदी मजाराज और गौमाता का ही चित्र प्रचार सामग्री पर मुद्रित होगा। यह अभियान किसी भी राजनैतिक दल, संगठन अथवा किसी भी राज्य अथवा केंद्र सरकार के विरुद्ध नहीं है, इस अभियान का उद्देश्य केवल मात्र गौमाता को सुरक्षा और सम्मान मिले इसके लिए आग्रह है।

यह अभियान पूर्ण रूपेण अहिंसक होगा। इस अभियान के दौरान किसी भी राष्ट्रीय अभिवा किसी भी निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने वाले विचारकों को पूरी तरह दूर रखा जाएगा। उक्त अभियान में कोई मंचीय उद्बोधन नहीं होगा। कोई माइक से भाषण नहीं होगा। गौ प्रेमी अपनी बात, संकीर्तन, रैली और प्रार्थना पत्र के माध्यम से रखेंगे। उक्त अभियान में किसी से भी किसी प्रचार का दान-चंदा नहीं लिया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार उक्त अभियान के अंतर्गत विभिन्न चरणों में ज्ञापन दिए जाएंगे। प्रथम चरण में आगामी दि. 27 अप्रैल, 2026 को सभी तहसील को, राष्ट्रपति महोदया, प्रधानमंत्री महोदय, राज्यपाल महोदय, मुख्यमंत्री महोदय को गौ सुरक्षा और गौ सम्मान के निमित प्रार्थना पत्र देंगे। अक्षर इस प्रार्थना पत्र का कोई सकारात्मक परिणाम नहीं आने पर आगामी दि. 27 जुलाई, 2026 को देश के प्रत्येक जिला कलेक्टर के माध्यम से शासन और सरकार को धन्यवाद पत्र देंगे। इसके उपरांत कोई सकारात्मक संवाद एवं परिणाम न आने पर दि. 27 अक्टूबर, 2026 को प्रत्येक राज्य की राजधानी जाकर राज्य सचिव के माध्यम से सरकार को धन्यवाद पत्र देंगे। अगले स्तर पर इन पत्रों के ऊपर सकारात्मक प्रतिक्रिया न आने पर 27 फरवरी, 2027 को सभी राज्यों के 5000 तहसील और 780 जिलों के नियुक्त किए संत एवं गौ भक्त एक महीने की तैयारी करके एक करोड़ से अधिक गौ प्रेमियों को लेकर दिल्ली पहुंचेंगे व सरकार से प्रार्थना करेंगे और संकीर्तन करेंगे। सरकार से गौ सेवा, गौ सुरक्षा एवं गौ सम्मान के लिए प्रार्ना करेंगे। दि. 15 अगस्त, 2027 तक अक्षर सरकार गौ माता की समस्या पर कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाती है तो दि. 16 अगस्त, 2027 से दिल्ली में 5-5 गौ भक्त एवं संत के जत्थे आमरण अनशन दिल्ली में करेंगे।

उक्त आह्वान कार्यक्रम के संदर्भ में शुक्रवार को एक बैठक हैदराबाद के गौभक्तों ने की। जिसमें संत एवं गौभक्तों ने भाग लिया एवं आगामी 6 मार्च की कार्शशाला को सफल बनाने की योजना पर कार्य करने की बात की गई।

होली के रंग भजनों के संग कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा आयोजित होली के रंग भजनों के संग कार्यक्रम दिनांक 26 फरवरी को दोपहर 3 बजे माहेश्वरी भवन, ताड़बंड, सिकंदराबाद में हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में भजन गायक श्री अनुराग भूतड़ा एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत मधुर एवं भक्तिरस से ओत-प्रोत भजनों के साथ उपस्थित सभी सदस्यों ने होली पर्व का आनंद उत्साहपूर्वक मनाया। संपूर्ण वातावरण रंग, उमंग और श्रद्धा के भाव से सराबोर रहा।

इस अवसर पर माहेश्वरी सेवा संघ के अध्यक्ष गोपालालजी बंग, सत्यनारायण मुंदड़ा, आनंद बंग, राकेश बंग, पुरुषोत्तम मंत्री, लड्डू बंग एवं आदित्य लोया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

साथ ही माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष प्रवीण तोष्णीवाल, विष्णु कांत बजाज, श्रीकुमार मोदानी, श्री नरेश बाहेती, श्री आनंद जाजू, हरीश अग्रवाल, शिरीष अग्रवाल, आनंद इनाणी एवं राजेश लोया की गरिमामयी उपस्थिति रही।माहेश्वरी युवती संगठन की अध्यक्ष पूनम डागा, सुषमा मुंदड़ा एवं किरण लोया सहित अनेक सदस्य भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम का सफल संचालन सिकंदराबाद माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष तारा बंग, मंत्री सीमा बंग, कोषाध्यक्ष पूजा लोया, निशा राठी, श्रुति राठी, सुनीता बजाज, वर्षा लोया, सुनीता इनाणी, बबीता बंग, आशा लोया, गीता राठी, शीतल मोदानी, पदमा दरक, कोमल राठी, प्रीति फोफलिया एवं सुनंदा बलदव सहित कोर कमेटी सदस्यों के विशेष सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्थापक सदस्य चंद्रकला बंग, माला लोया, सुनीता मंत्री एवं सुमित्रा बंग सहित समस्त सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।कार्यक्रम के प्रायोजक श्री रामकिशोर जी झंवर, श्रीमती ललिता बंग, श्रीमती पुष्पा भंगड़िया, श्रीमती अनीता बियानी एवं श्रीमती आशा चांडक रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता के इस संगम ने होली पर्व को और भी यादगार बना दिया।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा का होलिका दहन 3 मार्च को

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा द्वारा होलिका दहन कार्यक्रम 3 मार्च को आयोजित किया जाएगा।

शाखा के मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि शाखा की बैठक अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल के निवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वयं अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल ने की। उन्होंने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करने हेतु मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल से आग्रह किया।

बैठक में सर्वप्रथम शाखा के परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा अपने परिवार सहित शाखा की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र देने के आवेदन पर विचार किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से त्यागपत्र को निष्क्रिय करते हुए शाखा की उन्नति एवं मार्गदर्शन में उनके योगदान की सराहना की तथा उनसे अपने पद पर बने रहने का आग्रह किया। मुकुंद लाल अग्रवाल ने इसे सहर्ष स्वीकार किया।

अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों के मध्य आपसी समन्वय की कमी के कारण उत्पन्न गतिरोध की भी बैठक में भर्त्सना की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि होलिका दहन कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष की भाँति श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण, बंजारा हिल्स, रोड नंबर 12 में सोमवार, 3 मार्च को प्रातः 5:41 बजे संपन्न किया जाएगा।

होलिका पूजन प्रातः 5:15 बजे से 5:35 बजे तक किया जाएगा, जबकि डंडा रोपण का कार्य सोमवार, 2 मार्च को प्रातः 9:31 बजे संपन्न होगा।

शाखा के सभी सदस्यों से परिवार, मित्रगण एवं रिश्तेदारों सहित समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया गया है। इस कार्यक्रम के संयोजक अरुण कुमार गुप्ता हैं, जिनसे अधिक जानकारी हेतु संपर्क किया जा सकता है।

बैठक में अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल, सहमंत्री अजय दोचानिया, कोषाध्यक्ष ताराचंद बंसल, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अग्रवाल समाज पश्चिमी जोन जिला समन्वयकर्ता एवं शाखा परामर्शदाता मुकुंद लाल अग्रवाल, शाखा परामर्शदाता महेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य विजय कुमार अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल, दिनेश कुमार अग्रवाल, अरुण कुमार गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, संदीप अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री श्याम सत्संग समिति द्वारा आयोजित श्री श्याम निशान शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयोजन को भव्य बनाया। महोत्सव में दीपक अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, पंकज संघी, डिंपल संघी, नियति संघी, संजय संघी, लक्ष्मण शर्मा, शिल्पा शर्मा, कपिल गर्ग, शीतल रूंगटा, स्वाति अग्रवाल और रेनुका चोखानी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

सेवा संस्कृति को आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व : रामप्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 27 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा संस्कृति को आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम वर्ग को आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। अन्नदान केवल भोजन देना नहीं, बल्कि मानवता और संवेदना का विस्तार है।उन्होंने राधे राधे ग्रुप के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि नियमित रूप से किया जा रहा यह सेवा कार्य समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है और दूसरों के लिए प्रेरण-स्रोत बन रहा है।

कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, भगतराम गोयल, महेश अग्रवाल एवं ई-जगन (चंपापेट) ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी सदस्यों ने मिलकर अनुशासित एवं समर्पित भाव से अन्न वितरण किया।

अंत में रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि यह सेवा अभियान भविष्य में और व्यापक स्तर पर जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई जा सके।

अग्रवाल शिक्षा समिति में व्यक्तित्व विकास पर प्रेरणात्मक व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति, चारकमान, हैदराबाद द्वारा दिनांक 27 फरवरी 2026 (शुक्रवार) को प्रातः 11:30 बजे व्यक्तित्व विकास विषय पर एक विशेष प्रेरणात्मक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत विधि से गणमान्य अतिथियों एवं मंचासीन पदाधिकारियों को आमंत्रित कर मातृभूमि की वंदना वंदे मातरम् से किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन संपन्न हुआ।

अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों पर बल

मानद सचिव सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर ने अपने उद्बोधन में व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास को आवश्यक बताया।

आध्यात्मिक व्यक्तित्व ही वास्तविक विकास का आधार : न्यायमूर्ति राठी

मुख्य अतिथि वक्ता न्यायमूर्ति बी. डी. राठी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा अत्यंत प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सकारात्मक सोच, आत्म-सम्मान, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण तथा जीवन मूल्यों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उच्च आदर्श स्थापित करने और निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व दो प्रकार का होता हैएक भौतिक और दूसरा आध्यात्मिक। आध्यात्मिक व्यक्तित्व का विकास सर्वनिहित चैतन्य शक्ति को जागृत करने और स्वयं की पहचान से होता है। यदि हम अपने भीतर के चैतन्य और उसकी असीम शक्ति को जागृत कर लें, तो बाहरी व्यक्तित्व का निर्माण और निखार स्वतः संभव हो जाता है।उन्होंने आगे कहा कि हमें अपनी संस्कृति पर गर्व है। हमारी संस्कृति ईश्वर की सत्ता को मानती है और सभी को उन्नति का समान अवसर प्रदान करती है। व्यक्तित्व का अर्थ केवल शारीरिक संरचना, वस्त्र धारण या बाहरी आकर्षण से नहीं लगाया जाना चाहिए। ये केवल व्यक्तित्व का एक छोटा सा भाग हैं। वास्तविक अर्थों में व्यक्तित्व का निर्माण मनुष्य के संस्कारों, आदर एवं सम्मान की भावना, स्वाभिमान और आत्मविश्वास से होता है।

प्रेरणादायी व्यक्तित्व से सभी हुए लाभान्वित

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि न्यायमूर्ति बी. डी. राठी को सुनने के पश्चात कुछ कहना उचित प्रतीत नहीं होता। उनका व्यक्तित्व अत्यंत गौरवपूर्ण, प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय है, जिससे सभी उपस्थितजन लाभान्वित हुए। उन्होंने कहा कि यदि उनके द्वारा बताए गए मूल्यों का आंशिक रूप से भी पालन किया जाए, तो व्यक्तित्व निश्चित रूप से परिष्कृत होगा और लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, मानद सचिव सीए नवीन कुमार अग्रवाल, ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर, समिति के शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यगण, प्राध्यापकगण, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में समिति की अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन एवं संयुक्त अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती जी. कविता, उपप्राचार्य, एन. बी. साइंस कॉलेज द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि का परिचय श्रीमती एम. आशिता, प्राध्यापिका (रसायन शास्त्र), एन. बी. साइंस कॉलेज ने कराया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एम. मालती, विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान, एन. बी. साइंस कॉलेज द्वारा प्रस्तुत किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

श्री श्याम मंदिर में फाल्गुन मेला, हजारों भक्तों ने अर्पित किए निशान

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा के जयघोष से गूंजा नगर

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा के जयघोष के बीच शुक्रवार को नगर के विभिन्न क्षेत्रों से आयोजित श्री श्याम निशान यात्रा में हजारों की संख्या में भक्त श्री श्याम मंदिर, काचीगुड़ा पहुँचे। पुरुष, महिलाएँ, युवक-युवतियाँ एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक बाबा को निशान अर्पित कर अलौकिक दर्शन का लाभ प्राप्त किया।

भव्य सजावट और दिव्य दरबार के दर्शन

श्री कांची कामकोटि पीठम श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित भव्य फाल्गुन मेले के अवसर पर मंदिर को आकर्षक रोशनी एवं पुष्प सज्जा से सुसज्जित किया गया। बाबा का दिव्य दरबार, भव्य श्रृंगार एवं छप्पन भोग के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं।

जयकारों के बीच भक्तों ने बाबा के मनोरम एवं अलौकिक दरबार के दर्शन किए। दर्शन का क्रम प्रातःकाल से आरंभ होकर देर रात्रि तक निरंतर जारी रहा। नगरद्वय की विभिन्न समितियों एवं श्याम भक्तों ने काचीगुड़ा तक पैदल पहुँचकर बाबा के चरणों में निशान अर्पित किए। मंदिर में आगमन पर भक्तों का स्वागत सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

संकीर्तन में बही भजनों की अविरल धारा

फाल्गुन मेले के अंतर्गत आयोजित श्री श्याम महोत्सव संकीर्तन में भजन गायकों ने शीश के दानी बाबा श्याम के कर्णप्रिय भजनों की अविरल धारा प्रवाहित कर संपूर्ण वातावरण को भक्तिरस में रंग दिया। हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन एवं भजनों का आनंद लिया।

संकीर्तन का आयोजन श्याम-कराने वाले श्याम, प्रभु दयाल पंच परिवार एवं टीबाबसाई वाले के सहयोग से किया गया।

इस अवसर पर मुंबई से प्रमोद त्रिपाठी, रांची से तत्शा गुप्ता तथा वृंदावन से ध्रुव शास्त्री ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से समां बाँध दिया। देर रात्रि तक चले भजनों पर श्रद्धालु झूमते और नृत्य करते रहे। कार्यक्रम में बाबा के दर्शन हेतु पधारे अतिथियों का समिति द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

बेंगलूरू में पहली बार सूरजगढ़ जैसी भव्य निशान अर्पित

बेंगलूरू, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम नि:स्वार्थ परिवार द्वारा 27 फरवरी, शुक्रवार को फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी के पावन अवसर पर भव्य फागण महोत्सव एवं निशुल्क निशान यात्रा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ किया गया। यह दिव्य आयोजन बनरघट्टा रोड स्थित श्रीदेवी मुकाम्बिका मंदिर में अत्यंत भव्य रूप से संपन्न हुआ।

मंदिर प्रांगण में बाबा श्याम का आकर्षक एवं अलौकिक दरबार सजाया गया। सुगंधित पुष्पों एवं इत्र से सुसज्जित वातावरण में भजन-कीर्तन की मधुर प्रस्तुतियाँ हुईं। श्रद्धालुओं ने फूलों की होली खेलते हुए विधि-विधान से निशान पूजन किया। भक्तों के लिए महाप्रसाद की सुंदर व्यवस्था की गई थी।

तत्पश्चात बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हाथों में निशान लेकर जय श्री श्याम के जयकारों के साथ भव्य पैदल निशान यात्रा निकाली। बाबा श्याम की पावन पालकी भी अत्यंत श्रद्धा एवं अनुशासन के साथ शोभायात्रा में सम्मिलित रही।

इस पावन निशान यात्रा में कुल 951 निशान बनरघट्टा नेशनल पार्क के समीप स्थित खाटू श्याम मंदिर में बाबा श्याम को अर्पित किए गए।

विशेष उल्लेखनीय है कि श्री श्याम नि:स्वार्थ परिवार द्वारा बेंगलूरू में पहली बार सूरजगढ़ जैसी दिव्य एवं भव्य निशान अर्पित की गई, जिसने सम्पूर्ण आयोजन को ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बना दिया। श्रद्धालुओं के उत्साह और अनुशासन ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

विराट हिंदू धर्मसभा आज

राज्यपाल बागड़े, आरएसएस के निंबाराम भी होंगे शामिल

बीकानेर, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले की नोखा तहसील के मूलवास-सीलवा में 28 फरवरी को सनातन चेतना की विराट हिंदू धर्मसभा का आयोजन नरसी विला परिसर में किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शुक्रवार को होटल सागर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सनातन विचारधारा के प्रखर समर्थक नरसी कुलरिया ने आयोजन से जुड़ी तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य सनातन चेतना को जन-जन तक पहुंचाना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। धर्मसभा के लिए हजारों लोगों की व्यवस्था की जा रही है।

नरसी कुलरिया ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा दीदी मां साध्वी ऋतंभरा के आगमन को

लेकर विशेष तैयारियां की गई हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम भी मुख्य रूप से शामिल होंगे।

आयोजन स्थल तक पहुंचने वाले मार्ग को भगवा ध्वज, तोरण द्वार और आकर्षक स्वागत द्वारों से सजाया गया है। नरसी विला परिसर को मंदिर शैली में अलंकृत किया गया है। कार्यक्रम के दौरान 65 फीट ऊंची मां भारती के प्रतिरूप एवं धर्म ध्वजा की स्थापना का लोकार्पण भी किया जाएगा।आयोजन के तहत भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें पुष्प वर्षा, बैंड-बाजों और पारंपरिक स्वागत के साथ अतिथियों का अभिनंदन होगा। देशभर से संत-महात्माओं के पहुंचने की संभावना है, जिससे कार्यक्रम ऐतिहासिक स्वरूप लेता नजर आ रहा है। युवा उद्यमी जगदीश कुलरिया और जनक कुलरिया के नेतृत्व में आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। ब्रह्मलीन संत दुलाराम कुलरिया की विचारधारा को भंवर, नरसी और पूनम कुलरिया आगे बढ़ा रहे हैं।प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को लेकर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। कुलरिया ने बताया कि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शनिवार दोपहर 3.05 बजे वायु मार्ग से मूलवास-सीलवा हैलीपेड पहुंचेंगे। बागडे यहां आयोजित विराट हिंदू धर्म सभा में शिरकत करेंगे।

'साइबर फॉर ऑल' पहल के अंतर्गत प्रशिक्षण, 'सूर्यदत्ता' में महाराष्ट्र राज्य का पहला अधिकृत केंद्र

पुणे, 27 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बढ़ते साइबर अपराधों के खतरे को देखते हुए सुरक्षा दृष्टि से उन्नत साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए सूर्यभारत ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज संचालित सूर्यभारत ग्लोबल प्रोफेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन तथा अमेरिका स्थित माइल टू के बीच शैक्षणिक समझौता किया गया है। इस समझौते के तहत सूर्यदत्त मिशन-साइबर फॉर ऑल पहल के माध्यम से बेसिक से लेकर अत्याधुनिक स्तर तक प्रशिक्षण दिया जाएगा, यह जानकारी सूर्यदत्ता ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजय बी. चोरडिया ने प्रेस वार्ता में दी। पीवाईसी जिमखाना में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में साइबर सुरक्षा व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की घोषणा संजयचोरडिया और माइल टू के प्रमुख रेमंड फ्रेडमन (ऑनलाइन) तथा एशिया प्रमुख अरिंदम पॉल ने की व समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर सूर्यदत्तकी सहयोगी उपाध्यक्ष स्नेहल नवलखा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षित कुशल, कंप्यूटर विभाग निदेशक मनीषा कुंभार तथा जनसंपर्क प्रबंधक स्वप्नाली कोगजे उपस्थित थे।

संजय बी. चोरडिया ने कहा कि, तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं, इसलिए उनसे बचाव के उपायों की जानकारी सभी को होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि संस्थान के बावधन परिसर में ग्लोबल साइबर सिक्योरिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जहां परामर्श, मार्गदर्शन और 30 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध होंगे। किसी भी संकाय का विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा देकर इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकेगा तथा सफल विद्यार्थियों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सहायता भी दी जाएगी।

फ्रेडमन ने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ साइबर अपराध और धोखाधड़ी के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। मोबाइल और इंटरनेट उपयोग करने वाले स्कूली विद्यार्थियों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक समाज के सभी वर्ग इसके शिकार बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि माइल टू विश्वभर में स्थानीय सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि सूर्यदत्त के साथ साझेदारी में पुणे में महाराष्ट्र का पहला अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया जा रहा है। पॉल ने बताया कि माइल टू वैश्विक स्तर पर 35 पाठ्यक्रम संचालित करती है। भारत में संस्था 27 शिक्षण संस्थानों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी है और 28 स्थानों पर प्रशिक्षण भागीदार के रूप में कार्य कर रही है, जहां 14 प्रकार के साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम चल रहे हैं।

सूर्य भारत ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज और माइल टू द्वारा 9 व 10 मार्च 2026 को सूर्यदत्त परिसर में दो दिवसीय हैकफेस्ट आयोजित किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों को व्यावहारिक और वैश्विक स्तर के साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण का अनुभव मिलेगा। आयोजकों के अनुसार इस पहल से छात्रों में नवाचार सोच, विश्लेषण क्षमता, समस्या समाधान कौशल और उद्योगोंमुख क्षमता का विकास होगा।

मानवता की सेवा में समर्पित राधे-राधे ग्रुप : गोविंदराम पचेरिया

हैदराबाद, 27 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया और सेवा का संदेश समाज तक पहुंचाया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गोविंदराम पचेरिया ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य वास्तव में मानवता की सच्ची मिसाल है।

उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और सद्भाव बढ़ाने का पवित्र प्रयास है। कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल अग्रवाल धरसुवाले,शिव भगवान, महेश गोयल, विनोद तोशनीवाल, नीलम विजयवर्गी एवं लता गोयल सहित अनेक सेवाभावी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME
I, SARA BEGUM W/o. Mohammed Abdul Subhan R/o. 11-3-648, Habeeb Nagar, Mallepally, Hyderabad bearing Passport no. K4133826, issued on 22-06-2012 have Changed my name as SARA BEGUM to SARA SUBHAN. Henceforth call me as SARA SUBHAN.

CHANGE OF NAME & DOB
I, JAYARANI GHOSH Mother of Service No. 16114007M Havalder SOMNATH GHOSH, Residing at Vill:Natun Gholapara, P.O: Swarupganj, Dist:Nadia, West Bengal-741315 have changed my name and DOB from ALHADI GHOSH, DOB:01-07-1959 to JAYARANI GHOSH, DOB:03-06-1962 vide affidavit dt:27-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, ARJUN GHOSH Father of Service No. 16114007M Havalder SOMNATH GHOSH, Residing at Vill:Natun Gholapara, P.O: Swarupganj, Dist:Nadia, West Bengal-741315 have changed my Date of Birth from 01-07-1952 to 20-10-1955 vide affidavit dt:27-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 16119895W Hav SHARANAPPA KUMBAR, Residing at Sanganala, Vill:Yelburga, Dist:Koppal, Karnataka-583236 that my mother name and DOB is changed from BASAMMA, DOB:01-07-1971 to BASAVVA, DOB:01-01-1971 and my father DOB is changed from 01-07-1965 to 01-01-1956 vide affidavit dt:27-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.15322838N Hav ABDUL RAHIM JANI, Residing at 10-33A Bethapudi, Isukapalli, Bapatla, Andhra Pradesh-522265 hereby declare that my son name is changed from MD MUBASHER to MAHAMMAD MUBASHER vide affidavit dt:27-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.15322838N Hav ABDUL RAHIM JANI, Residing at 10-33A Bethapudi, Isukapalli, Bapatla, Andhra Pradesh-522265 hereby declare that my son name is changed from MD MUSTAK to MAHAMMAD MUSTAQ vide affidavit dt:27-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.16123818Y Nk VIGNESH P, Residing at 8-2-69, Ganthiji Street, Vill:Kuchanur, Tq:Uthamapalayam, Dist:Theni, Tamilnadu-625515 hereby declare that my son is changed from V DHARSHAN to DHARSHAN V vide affidavit dt:27-2-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

पहाड़ी श्याम मंदिर में श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव धूमधाम से आयोजित

श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में भव्य आयोजन, हजारों भक्तों ने किए दर्शन

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में फाल्गुन सुदी ग्यारस के पावन अवसर पर श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने कतारबद्ध होकर श्याम बाबा के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन किए और पुण्य लाभ प्राप्त किया।

जगमगाती रोशनी में सजा बाबा का दिव्य दरबार

फाल्गुन महोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर को आकर्षक एवं जगमगाती रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया।

बाबा का चमत्कारी एवं अलौकिक श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा। भव्य दरबार के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और लंबी कतारों में खड़े होकर श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन का लाभ लिया।

नगर के विभिन्न क्षेत्रों से भक्त पैदल निशान लेकर पहाड़ी श्याम मंदिर पहुँचे। श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों ने सभी निशान यात्रियों का स्वागत कर उन्हें मंदिर परिसर तक विधिवत पहुँचाया।

भजन संध्या में बही भक्ति की गंगा

अवसर पर आयोजित श्री श्याम भजन संध्या ने संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जयपुर के प्रसिद्ध गायक मनीष घी वाला एवं नागपुर के किशन पालीवाल ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से भजनों की गंगा प्रवाहित की, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भक्ति भाव में सराबोर हो गए।

कार्यक्रम में संगीत संयोजन तिलकराज एंड पार्टी द्वारा किया गया, जिसने भजनों को सुमधुर एवं प्रभावशाली स्वरूप प्रदान किया।

भक्तों ने देर तक बाबा के भजनों का आनंद लिया और वातावरण जय श्री श्याम के जयघोष से गूंजता रहा।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट के चेयरमैन अरुण डाकोतिया सहित अन्य ने किया।

मंदिर की सजावट लाभार्थी झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवा, एसकेजे गोल्ड एवं श्री राज मित्र मंडल ग्यारस सेवा समिति, भोजन प्रसाद सेवा के लाभार्थी शिव नारायण, बाबा की श्रृंगार सेवा के लाभार्थी गोविंद अग्रवाल (श्री बालाजी ज्वेलर्स एंड एक्सपोर्टर्स), बाबा के बागा की सेवा राजीव अग्रवाल (श्री राम इंटरप्राईजेस)थे, जिनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रवीण अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, बृजेश मोदी, राहुल अग्रवाल, रुपेश सिंघानिधा, सुरेश अग्रवाल, प्रवीण झाकनीवाल सहित अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मिले छह आत्मसमर्पित माओवादी नेता

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व चरमपंथियों को मुख्यधारा में लाने और राज्य में शांति प्रयासों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, छह आत्मसमर्पित माओवादी नेताओं ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री से मिलने वाले नेताओं में टिप्पिरी तिरुपति (उर्फ देवजी), मल्ला राजीरेड्डी (उर्फ संग्राम), पुल्लुरी प्रसाद राव (उर्फ चंद्रन्ना), पोतुला कल्पना (उर्फ सुजाता), बड़े चोक्का राव (उर्फ दामोदर) और नूने नरसिम्हा रेड्डी (उर्फ गंगन्ना) शामिल थे। यह मुलाकात राज्य सरकार की पुनर्वास नीतियों और पूर्व माओवादियों के सामाजिक एकीकरण की प्रक्रिया का हिस्सा मानी जा रही है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री के साथ सरकार के सलाहकार के. केशव राव और वेम नरेंद्र रेड्डी भी उपस्थित थे। इसके अलावा, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी, एडीजी (इंटेलिजेंस) विजय कुमार और एसआईबी आईजी सुमति ने भी इस चर्चा में भाग लिया।

शांति और विकास पर जोर

माना जा रहा है कि बैठक के दौरान पूर्व माओवादी नेताओं के पुनर्वास, उनकी सुरक्षा और उन्हें मिलने वाली सरकारी सहायता पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि राज्य सरकार उन सभी का स्वागत करती है जो हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया और विकास में विश्वास रखते हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का कोर अर्बन रीजन विकास पर विशेष फोकस

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने स्वच्छता और मच्छर नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि नागरिकों में जागरूकता पैदा की जाए ताकि वे कचरा नगरपालिका अधिकारियों द्वारा चिह्नित किए गए स्थानों पर ही डालें। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आज (शुक्रवार) को सचिवालय में नगरपालिका और नगरीय विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंदर रेड्डी, सरकार के मुख्य सचिव रामकृष्णाराव और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कोर अर्बन रीजन के दायरे में उठाए जाने वाले कदमों पर अधिकारियों

को कई सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि यदि आवश्यक हो तो समय पर कार्य पूरा करने के लिए तकनीक का उपयोग किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कोर अर्बन रीजन में सभी स्ट्रीट लाइट्स को विशेष नंबर देकर डैशबोर्ड से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से जहां भी समस्या उत्पन्न हो, उसे तुरंत हल करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने क्योर के दायरे में खाद्य सुरक्षा को अधिक प्राथमिकता देने का आदेश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि होटलों के रसोईघरों में सीसी कैमरे लगाकर कमांड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि नियमित जांच के साथ-साथ विशेष मॉनिटरिंग विंग समय-समय पर निरीक्षण करे। उन्होंने होटलों को रेटिंग और प्रमाणपत्र देने की प्रक्रिया की समीक्षा करने का सुझाव दिया। उन्होंने अग्नि सुरक्षा के मामले में उन्नत उपकरणों के उपयोग का मार्गदर्शन किया। उन्होंने सुझाव दिया कि शहर में सिग्नल जंक्शन और चौराहों पर वाटर हार्वेस्टिंग वेल्स स्थापित कर वर्षा जल को संचित किया जाए। इसके लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने निर्देश दिया कि पहले कुछ क्षेत्रों की पहचान कर उन्हें पायलट परियोजना के रूप में वाटर हार्वेस्टिंग वेल्स स्थापित किए जाएं।

साइबराबाद में साइबर धोखाधड़ी का भंडाफोड़

दो बैंक प्रबंधकों सहित चार गिरफ्तार, फर्जी फर्म के जरिए 6.67 लाख धोखाधड़ी

हैदराबाद, 27 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने जाली व्यावसायिक दस्तावेजों का उपयोग करके म्यूल बैंक खाते खोलने और संचालित करने के आरोप में दो बैंक अधिकारियों सहित चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक फर्जी फर्म के नाम पर चालू खाता खोलकर 6.67 लाख की साइबर धोखाधड़ी की राशि का लेन-देन किया था।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह गिरफ्तारी अपराध संख्या 2657/2025 के संबंध में की गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान-

जव्वाद कादरी रिफाई (28): म्यूल खाता आपूर्तिकर्ता।

मोहम्मद नौशाद (26): म्यूल खाता प्रदाता।

पामुला प्रणवराज (46): सेल्स मैनेजर, जुबली हिल्स मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड।शंकर राठी (51): शाखा प्रबंधक, जुबली हिल्स मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड।जांच में खुलासा हुआ कि इन बैंक अधिकारियों ने कमीशन के लालच में नियमों को ताक पर रखकर 30 से अधिक संदिग्ध खाते खोलने में मदद की थी।

फर्जी स्टार एग्रो इंडस्ट्रीज का मायाजाल

आरोपियों ने पहाड़ी शरीफ में एक शटर किराए पर लिया और मस्टार एग्रो इंडस्ट्रीजफ नामक एक काल्पनिक इकाई बनाने के लिए फर्जी रेंटल एग्रीमेंट तैयार किया। इन जाली दस्तावेजों का उपयोग करके उन्होंने जुबली हिल्स मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक में एक संयुक्त चालू खाता खोला। खाता खुलने के बाद एटीएम कार्ड, चेक बुक, सिम कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग क्रेडेंशियल साइबर जालसाजों को सौंप दिए गए। अक्टूबर 2025 के दौरान, इस खाते में धोखाधड़ी के 6,67,565 जमा किए गए थे।

जनता के लिए पुलिस की महत्वपूर्ण सलाह

साइबराबाद पुलिस ने नागरिकों को सचेत रहने के लिए निर्देश जारी किए हैं-

दस्तावेज साझा न करें: वित्तीय लाभ के लिए कभी भी अपना बैंक खाता, सिम कार्ड या केवाईसी दस्तावेज किसी को न दें।संदिग्ध लिंक से बचें: अमेज़न, ज़ोमैटो, स्विगी या फ्लिपकार्ट के नाम पर आने वाले संदिग्ध डिलीवरी लिंक पर क्लिक न करें। हमेशा आधिकारिक ऐप का उपयोग करें।सुरक्षित निवेश: केवल सेबी पंजीकृत दलालों के माध्यम से निवेश करें। उच्च रिटर्न का वादा करने वाले सोशल मीडिया समूहों से बचें।

तत्काल रिपोर्ट: साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) टी. साई मनोहर ने बैंक कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि वे केवाईसी मानदंडों का सख्ती से पालन करें। म्यूल खाते खोलने में किसी भी प्रकार की लापरवाही या मिलीभगत पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.